हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

20 लाख से अधिक नगद रकम भी लेकर पहुंचे थे बारसे देवा व साथी नक्सली

हथियारों में अमेरिकी कोल्ट राइफल व इजरायल निर्मित टैवोर राइफल भी शामिल

हथियारों के जखीरा व नगद के साथ पहुंचे

तेलगांना डीजीपी के समक्ष समर्पण करने पहुंचे बारसे देवा व उसके साथी अपने साथ 48 हथियार भी लेकर पहुंचे थे। इन हथियारों में 2 एलएमजी, 1 अमेरिकी निर्मित कोल्ट राइफल, 1 इजराइल निर्मित टैवोर राइफल, 8 एके-47

▶▶| शेष पेज 7 पर

हिड़मा के उत्तराधिकारी बारसे देवा ने 19 साथियों के साथ किया समर्पण, 1.82 करोड़ का इनाम, डीजीपी को 48 हथियार भी सौंपे

पिछले दो दिन से बारसे देवा व साथी नक्सलियों की गिरफ्तारी व समर्पण की खबर के बीच शनिवार को बारसे देवा समेत 20 नक्सलियों के समर्पण की अधिकारिक पुष्टि हो चुकी है। सभी ने तेलगांना डीजीपी शिवधर रेड्डी के समक्ष हथियार डाल दिया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

समर्पण के दौरान नक्सलियों ने 48 अत्याधुनिक हथियार भी सौंपे, इन हथियारों में अमेरिकी कोल्ट राइफल व इजरायल निर्मित टैवोर राइफल भी शामिल है। नक्सली अपने साथ 20 लाख से अधिक नगद रकम भी साथ लेकर पहुंचे थे। वर्ष 2026 की शुरूआत में माओवादी संगठन को लगा यह बड़ा झटका है। कुख्यात नक्सली नेता और मारे गए नक्सली लीडर सीसी मेंबर माड़वी हिड़मा का उत्तराधिकारी माने जाने वाले बटालियन चीफ बारसे देवा ने शनिवार को तेलंगाना के डीजीपी शिवधर रेड्डी के समक्ष अपने 19 साथियों के साथ ▶▶| शेष पेज 7 पर

समर्पित नक्सलियों पर एक करोड़ 81 लाख 99 हजार का था इनाम

समर्पण करने वाले नक्सलियों पर 1.81 करोड़ से अधिक का इनाम घोषित था। इनमें बारसे देवा के अलावा अवलम सोमा, कुंजाम पोदिया उर्फ श्रीकांत, कोवासी पाइकू उर्फ कृष्णा, मड़कम लक्के, करटम जोगा, माड़वी अंदू उर्फ पवन, मड़कम भीमे उर्फ गीता, कुंजाम छोटू, मड़कम आढा उर्फ चलपति, कंकनाला राजी रेड्डी उर्फ वेंकटेश, अदलुरी ईश्वरी उर्फ रामको, दारा सरैया, कुंजाम भीमा उर्फ रवि, सुशीला, वेमुला राजू उर्फ आकाश ▶▶| शेष पेज 7 पर

आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹101119/-

22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹123500/-

24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹134812/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

ANAND Jewels Pandri, Raipur

खबर संक्षेप

देशभर में 2026 का पहला सुपरमून दिखा

नई दिल्ली। देशभर में शनिवार की रात सबसे बड़ा चांद यानी सुपरमून दिखाई दिया। यह 2026 का पहला सुपरमून है। इस दौरान चंद्रमा का आकार सामने से करीब 14 गुना बड़ा दिखा। साथ ही 30फीसदी ज्यादा चमकीला भी नजर आया। सुपरमून को बिना किसी उपकरण के भी आसानी से देखा जा सकता है लेकिन अगर कोई दूरबीन या छोटा टेलिस्कोप इस्तेमाल करे।

डीवीसीएम मंगतू व कोण्टा एरिया कमेटी का एसीएम हितेश गिरपुंजे की हत्या में थे शामिल

आकाश गिरपुंजे के हत्यारे ढेर, सुकमा में 12 व बीजापुर में 2 नक्सली मारे गए

नक्सलवाद के खात्मे के लिए चलाए जा रहे अभियान में सुरक्षा बलों ने वर्ष 2026 की सबसे बड़ी और पहली मुठभेड़ में शनिवार को 6 महिला समेत 14 नक्सली मार गिराए गए। सुरक्षाबलों के लिए शनिवार का दिन सफल साबित हुआ। बस्तर में जहां 14 नक्सलियों को मार गिराया गया, वहीं पड़ोसी राज्य तेलगांना में करोड़ों के 20 नक्सलियों ने समर्पण कर दिया। इनमें बटालियन चीफ बारसे देवा भी शामिल है, जिसने अपने साथियों के साथ हथियार डाल दिया। समर्पण के दौरान 48 हथियार भी डीजीपी तेलगांना के सुपुर्द किया गया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर/बीजापुर

सुकमा जिले में हुए मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों में डीवीसीएम मंगतू व कोण्टा एरिया कमेटी का एसीएम हितेश भी शामिल है, जो सुकमा के एएसपी आकाश राव गिरपुंजे की हत्या में शामिल थे। जवानों ने मारे गए नक्सलियों के शव के अलावा अत्याधुनिक हथियार व गोला बारूद भी बरामद किया है। नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर 24 घंटे पहले सुकमा व बीजापुर जिले के ▶▶| शेष पेज 7 पर

- फोर्स ने भारी मात्रा में हथियार बरामद किए, मरने वालों में 6 महिला और 8 पुरुष नक्सली

एसीएम व पीपीसीएम ढेर

सुकमा में मारे गए नक्सलियों की शिनाख्त एसीएम हुंगा मड़कम उर्फ पंचुगा निवासी पूवर्ती व पीपीसीएम आयती मुचाकी उर्फ जोगी निवासी पामेड़ के रूप में हुई है। एसपी बीजापुर डॉ. जितेन्द्र यादव ने बताया कि अभियान के दौरान डीआरजी बीजापुर की टीम का माओवादियों के साथ सुबह पांच बजे से ही रुक रुककर फायरिंग होती रही। मुठभेड़ समाप्ति के बाद दोनों के शव के साथ ही एसएलआर रायफल व 12 बोर देशी कट्टा के साथ विस्फोटक सामान भी बरामद किया गया है। इन दोनों पर 5-5 लाख रुपए का ईनाम घोषित था।

एएसपी की हत्या के थे मास्टरमाइंड

डीवीसीएम मंगडू व एसीएम हितेश भी ढेर

बीजापुर जिले में तड़के हुई मुठभेड़ में डीआरजी के जवानों ने डीवीसीएम मंगडू व एसीएम हितेश समेत 12 नक्सलियों को मार गिराया। बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने बताया कि सुकमा और बीजापुर में मारे गए नक्सली कई बड़ी घटनाओं में शामिल रहे हैं। सुकमा में मारे गए 12 नक्सलियों में डीवीसीएम मेंबर मंगडू व एसीएम हितेश का भी शव मिला है, दोनों कोंटा में आईईडी विस्फोट मामले के ▶▶| शेष पेज 7 पर

सीएम साय ने कहा- बस्तर में स्थायी सूर्योदय सुनिश्चित

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि विश्वास, विकास और सुरक्षा ही बस्तर की नई दिशा है, जहां अब हिंसा नहीं, शांति ही एकमात्र विकल्प बन चुकी है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बस्तर रेंज के बीजापुर और सुकमा जिलों में सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए नक्सल विरोधी अभियान में निर्णायक ▶▶| शेष पेज 7 पर

बड़ी तैयारी

गृहमंत्री अमित शाह इसी माह कर सकते हैं नक्सलवाद पर समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद को समाप्त करने का ऐलान किया है। उनके ऐलान के बाद से लगातार नक्सलियों के खिलाफ अभियान चल रहा है और अब नक्सलवाद अंतिम सांसें गिन रहा है। डेडलाइन के लिए अब तीन माह से भी कम का समय बचा है। खबर है कि नक्सलवाद में आखिरी कील ठोकने की ▶▶| शेष पेज 7 पर

रणनीति पर चर्चा

जानकारों का कहना है कि अमित शाह इस माह रायपुर आएंगे और नक्सलवाद को लेकर समीक्षा बैठक करेंगे। इस बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम और गृह मंत्री विजय शर्मा के साथ नक्सल मोर्चे से जुड़े सारे अधिकारी रहेंगे। बैठक में अब तक क्या-क्या हुआ है और आगे की क्या रणनीति है इसको लेकर चर्चा होगी। मार्च तक किस तरह नक्सलवाद को पूरी तरह खत्म किया जाए इस पर मंथन किया जाएगा।

पांच माह से जेल में बंद चैतन्य रिहा, जेल परिसर में उमड़े समर्थक, भूपेश-महंत एक गाड़ी में लेकर आए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शराब घोटाले के आरोप में गिरफ्तार पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की की शनिवार को रायपुर सेंट्रल जेल से रिहाई हो गई। रिहाई के वक्त सेंट्रल जेल में समर्थकों का हुजूम उमड़ पड़ा। भीड़ परिसर में दाखिल हो गई। रिहाई होने के बाद चैतन्य बघेल को लेने उनके पिता के साथ नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत सहित भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता सेंट्रल जेल परिसर पहुंचे। पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे जैसा ही जेल से बाहर निकले कार्यकर्ता उन्हें कंधों पर उठा लिए और जमकर नारेबाजी करते हुए उनका ढोल नगाड़ों के साथ स्वागत किया। बाहर आने के बाद चैतन्य ने ▶▶| शेष पेज 7 पर

नेताम बोले

कवासी लखमा के लिए कभी क्यों पोस्टर नहीं लगा

चैतन्य बघेल की जमानत पर सत्यमेव जयते के पोस्टर लगाए गए हैं। इस पर कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम ने कहा, कवासी लखमा तो कब से जेल में बंद हैं, उनके लिए कभी क्यों ▶▶| शेष पेज 7 पर

पीएम ने बुद्ध से जुड़ी वस्तुओं की प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

125 साल बाद लौटी भारत की विरासत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बुद्ध से जुड़ी वस्तुओं की एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि ये केवल वस्तुएं नहीं हैं बल्कि भारत की वंदनीय विरासत का अटूट हिस्सा हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पवित्र पिपरहवा अवशेष वियतनाम, थाईलैंड और रूस समेत उन विभिन्न देशों की यात्रा कर चुके हैं, जहां बौद्धों की आबादी अधिक है। उन्होंने कहा कि इन देशों में आस्था और भक्ति की लहरें उठीं तथा लोग बड़ी संख्या में श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए पहुंचे। प्रधानमंत्री ने कहा, भगवान बुद्ध की यह साझा विरासत इस बात का प्रमाण है कि भारत केवल राजनीति, कूटनीति और अर्थव्यवस्था के ▶▶| शेष पेज 7 पर

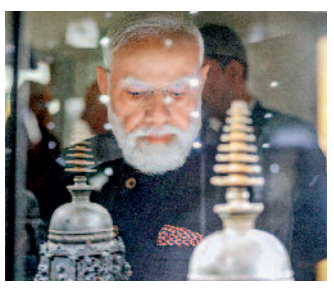

पीएम मोदी ने अपनी यात्राओं को किया याद

मोदी ने कहा कि नेपाल के लुम्बिनी, जापान के तो-जी मंदिर और किंकाकु-जी, चीन के शीआन में स्थित 'जायंट वाइल्ड गूज पैगोडा' तथा मंगोलिया के गांडन मठ की अपनी यात्राओं को याद किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि श्रीलंका के अनुराधापुरा में स्थित जया श्री महाबोधि की उनकी ▶▶| शेष पेज 7 पर

विश्वभर में बोधिवृक्ष

प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने बोधिवृक्ष के पौधे विश्व भर के बौद्ध तीर्थ स्थलों तक पहुंचाने का विशेष प्रयास किया। उन्होंने कहा, मानवता के लिए उस गहरे संदेश की कल्पना की जा सकती है जब परमाणु बम से तबाह हुए शहर हिरोशिमा के वनस्पति उद्यान में एक बोधि वृक्ष खड़ा होता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत है कि बौद्ध विरासत स्वाभाविक रूप से अगली पीढ़ियों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन और वैशाख एवं आषाढ़ पूर्णिमा जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजन इसी विचार से प्रेरित हैं। ▶▶| शेष पेज 7 पर

भगवान बुद्ध से जुड़े अवशेष

पिपरहवा अवशेष भगवान बुद्ध से जुड़ी हुई पवित्र और पुरातात्विक चीजें हैं। ये अवशेष उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले में स्थित पिपरहवा नामक स्थान पर खुदाई के दौरान मिले थे। मान्यता है कि इनमें भगवान बुद्ध की अस्थियां (धातु अवशेष) और उनसे जुड़ी प्राचीन वस्तुएं शामिल हैं, जिन्हें उनके महापरिनिर्वाण के बाद अलग-अलग स्थानों पर रखा गया था।

पतंजलि®

सिंथेटिक कफ़ सिरप से मासूम बच्चों की हो रही है मौत।

सिंथेटिक दवाएं हमारी सेल मेमोरी और मूल प्रकृति के विरुद्ध हैं।
सिंथेटिक दवा, विटामिन व साबुन, शैम्पू आदि हमारे स्वास्थ्य के लिए पूर्ण सुरक्षित नहीं हैं।

खांसी, जुकाम के लिए 100% सुरक्षित और प्रभावशाली हैं–

ब्रोंकोम, श्वासारि वटी, श्वासारि गोल्ड, श्वासारि प्रवाही एवं श्वासारि अवलेह।

केमिकल, सिंथेटिक व एनिमल बेस्ड न्यूट्रास्युटिकल का नेचुरल विकल्प है न्यूट्रेला।

सिंथेटिक डेन्टल केयर, हेयर केयर एवं स्किन केयर के विकल्प पतंजलि के प्राकृतिक उत्पाद

पतंजलि बॉडी क्लींजर, दन्त कान्ति, केश कान्ति एवं स्किन केयर।

ट्रांसपोर्ट में मिली नकली दवा का वारिस नहीं खोज पाई जांच की टीम, इंदौर जाने नहीं निकला मुहूर्त

नकली दवा के कारोबार का बड़ा लिंक मिलने का दावा करने वाले खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम की जांच ठंडी पड़ने लगी है। ट्रांसपोर्ट में लावारिस मिली एंटीबायोटिक की नकली दवाओं के वारिस का अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया। मामले में इंदौर जाकर दवा सप्लाई का लिंक तलाशने जांच टीम मुहूत नहीं निकाल पाई है। दवा मिलने के बाद सारंगढ़ और भाटापारा के कारोबारियों से छापेमारी के बाद मामला शांत होता नजर आ रहा है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने गोगांव के गोल्डन नागपुर ट्रांसपोर्ट से करीब पौने दो लाख रुपये की नकली एंटीबायोटिक दवा बरामद की थी। इस मामले का खुलासा होने पर विभागीय टीम ने सारंगढ़ और फिर भाटापारा जाकर कुछ दवा कारोबारियों के ठिकाने में जांच की और इनके नकली दवा के कारोबार में लिप्त होने का संदेह जताया था।

इस दौरान यह भी दावा किया गया था कि एंटीबायोटिक दवा नकली दवा के कारोबार का भंडाफोड़ करने का कारण बन सकता है। मामले को 17 दिन बीतने के बाद भी जांच टीम यह तय नहीं कर पाई है कि बरामद की गई नकली दवा का आर्डर किसने दिया था। दवा की सप्लाई इंदौर से हुई थी इसलिए खरीदार का पता वहां से चलने का अनुमान था। विभागीय टीम दस दिन से इंदौर जाने की तैयारी कर रही है, मगर बात आगे नहीं बढ़ पाई है। दवा पकड़ाने के बाद एफडीए की टीम ने सारंगढ़ और भाटापारा के दो कारोबारियों के दवा कारोबार में लिप्त होने का संदेह तो जताया था जिस पर अब तक उनके खिलाफ किसी तरह का पुष्ट सबूत नहीं मिल पाया है।

खास बातें

- लावारिस मिली थी एंटीबायोटिक की नकली गोलियां, कुछ छापेमारी के बाद चुप्पी
- सारंगढ़, भाटापारा से लिंक होने का संदेह होने पर पुष्टि नहीं कर पाई एफडीए की टीम

चेन्नई और हिमाचल से लिंक

बरामद हुई नकली दवा के रैपर में जिन उत्पादक कंपनी का जिक्र है, वह चेन्नई और हिमाचल से संबंधित है। इसमें चेन्नई की कंपनी के वर्तमान में सक्रिय नहीं होने की जानकारी सामने आई है। वहीं हिमाचल की जिन दो कंपनियों का जिक्र है, उसका पता भी सही नहीं होने के बातें सामने आ रही हैं। हालांकि जांच टीम के अधिकारी इसे इन्वेस्टीगेशन का हिस्सा बता रहे हैं। उनका तर्क है कि टीम तीन-चार दिनों के भीतर इंदौर जाकर ट्रांसपोर्ट में दवा बुक कराने वाले के बारे में सुराग लगाएगी।

लौटना पड़ा था खाली हाथ

खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने दो साल पहले आयुर्वेद की वाताहरी वटी को मिलावटी होने के संदेह में पकड़ा था। इस मामले में राजधानी के अलावा तिल्दा के एक व्यापारी के ठिकाने से लाखों रुपये की एलोपैथी दवा की मदद से तैयार की गई आयुर्वेद की गोलियां बरामद की गई थीं। मामले का लिंक इंदौर से जुड़ा था और जब विभागीय टीम उसका पता लगाने पहुंची, तब तक संबंधित संस्थान का वहां से सफाया हो चुका था। इस मामले में देर जांच के प्रभावित होने का कारण हो सकता है।

हाईकोर्ट की खबरें

आदेश की अवमानना तहसीलदार रायगढ़ को हाईकोर्ट का नोटिस

बिलासपुर। आदेश की अवमानना के मामले में तहसीलदार रायगढ़ शिव कुमार डनसेना को हाईकोर्ट ने नोटिस जारी किया है। मामला अवैध निर्माण एवं गलत सीमांकन का है। दरअसल रायगढ़ जिले के ग्राम तमनार के रहने वाले प्रदीप कुमार गुप्ता ने अपने अधिवक्ता अब्दुल वहाब खान के मार्फत याचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया कि उसकी जमीन ग्राम जगतपुर रायगढ़ पटवारी हल्का नंबर 14 प्लाट नंबर 59 /3 व 59/4 कुल रकबा 11 डिसमिल भूमि स्थित है। जिसका सीमांकन अवैध तरीके से करते हुए कालोनाइजर को फायदा पहुंचाया जा रहा है। अधिकारियों से शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। हाईकोर्ट ने दो जनवरी 2024 को रायगढ़ जिले के कलेक्टर सहित तहसीलदार एवं एसडीओ को निर्देश जारी किया था कि वे याचिकाकर्ता के द्वारा दिए गए अभ्यावेदन के आधार पर संपूर्ण प्रकरण की जांच करें एवं जांच करने पर यदि किसी का भी अवैध कब्जा पाया जाता है तो संबंधितों पर कार्रवाई की जाए।

सीआईडीसी के रिटायर कैशियर के मकान खाली करने पर रोक

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने सीआईडीसी के सेवानिवृत्त कैशियर को तीन दिनों के अंदर आवास खाली करने जारी नोटिस पर रोक दी है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को संबंधित प्राधिकारी के समक्ष अभ्यावेदन देने एवं अधिकारी को इस पर निर्णय होने तक याचिकाकर्ता के खिलाफ किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का आदेश दिया है। याचिकाकर्ता ओ.पी ठाकुर छत्तीसगढ़ इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीआईडीसी लिमिटेड) के सेवानिवृत्त कैशियर/अकाउंटेंट हैं। उन्हें कोरबा की राज्य परिवहन कालोनी में आवास दिया गया है। सीआईडीसी से सेवानिवृत्त देयकों को लेकर विवाद है, इस मामले को लेकर उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका पेश की है।

शिक्षिका को सेवा में लेने का आदेश, याचिका निराकृत

बिलासपुर। स्नातक की डिग्री बीएड के बाद लेने के नाम पर चयन से वंचित की गई महिला याचिकाकर्ता को सेवा में लेने का आदेश हाईकोर्ट ने दिया था। शासन द्वारा यह नियुक्ति प्रक्रिया पूरी किए जाने के कारण बाद में दायर अवमानना याचिका निराकृत कर दी गई है। जगदलपुर बस्तर जिले के अंतर्गत वर्ष 2019 में शिक्षकों की भर्ती का विज्ञापन जारी किया गया था। इसमें जगदलपुर निवासी श्रीमती जगजीत कौर भाटिया ने भी आवेदन किया। वे हिंदी में बीए स्नातक होने के साथ ही अंग्रेजी साहित्य में भी बीए कर चुकी थीं। चयन प्रक्रिया के बाद स्कूल शिक्षा विभाग ने श्रीमती जगजीत को चयन से यह कहते हुए बाहर कर दिया कि, आपने बीएड करने के बाद स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की है , इसलिए आप पात्र उमीदवार नहीं हैं। इसके लिखित जवाब में याचिकाकर्ता जगजीत ने साफ़ बताया कि,उनका स्नातक पहले ही हो गया था।

पॉवर कंपनी ने आयोग को 63 सौ करोड़ का पुराना घाटा बताते हुए नया टैरिफ तय करने की रखी ही मांग

अभी साढ़े सात सौ करोड़ का फायदा, पुराना घाटा सात हजार करोड़ का, महंगी हो सकती है बिजली

नए सत्र 2026-27 के लिए बिजली का नया टैरिफ तय करने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य बिजली नियामक आयोग में छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने जो याचिका लगाई है, उसमें नए सत्र में कंपनी को साढ़े सात सौ करोड़ का फायदा हो रहा है, लेकिन इसी के साथ पुराना घाटा ही सात हजार करोड़ से ज्यादा का होने के कारण 63 सौ करोड़ के राजस्व की कमी बताई गई है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

इस कमी को पूरा करने के लिए ही बिजली का नया टैरिफ तय करने की मांग की गई है। ऐसे में तय है कि इस बार भी बिजली महंगी होगी। संभावना यह है कि इस बार पिछली बार से बिजली ज्यादा महंगी हो सकती है, लेकिन इसका फैसला तो नियामक आयोग करेगा। पिछली बार पॉवर कंपनी ने पांच हजार करोड़ का घाटा बताया था, इसको आयोग ने पांच सौ करोड़ माना था। इस बार आयोग जितना घाटा मानेगा उसके हिसाब से टैरिफ तय होगा। टैरिफ तय करने से पहले जनसुनवाई भी होगी।

पॉवर कंपनी ने नए सत्र 2026-27 के लिए पूरा लेखा-जोखा बनाकर नियामक आयोग में नए टैरिफ के लिए याचिका दायर कर दी है।इस याचिका में बताया गया है कि प्रचलित दर से 26216 करोड़ का राजस्व मिलने की संभावना है। इसी के साथ साल भर का खर्च 25460 करोड़ बताया गया है।

ऐसे में 756 करोड़ का फायदा होगा। लेकिन इसी के साथ पिछले सत्रों की अंतर की राशि का उल्लेख करते हुए बताया गया है कि नए सत्र के फायदे को पुराने अंतर की राशि में कम करने के बाद भी 63 सौ करोड़ के राजस्व की और जरूरत होगी।

इस साल भी लगेगा महंगी बिजली का झटका, छह हजा[र] करोड़ के घाटे की याचिका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नए सत्र 2026-27 के लिए बिजली का नया टैरिफ तय करने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य बिजली नियामक आयोग में छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने जो याचिका लगाई है, उसमें छह हजार करोड़ का घाटा बताया गया है। ऐसे में यह तय है कि इस साल भी महंगी बिजली का झटका लगेगा। अब यह झटका कितना बड़ा होगा, इसका फैसला तो नियामक आयोग करेगा। पिछली बार पॉवर कंपनी ने पांच हजार करोड़ का घाटा बताया था, इसको आयोग ने पांच सौ करोड़ माना था। इस बार आयोग जितना घाटा मानेगा, उसके हिसाब से टैरिफ तय होगा। टैरिफ तय करने से पहले जनसुनवाई भी होगी। नियमों के मुताबिक पॉवर कंपनी

■ जनसुनवाई के बाद बिजली नियामक आयोग तय करेगा नया टैरिफ

को दिसंबर माह में नए सत्र के लिए याचिका लगानी ... पॉवर कंपनी ने आयोग ... दिसंबर तक का समय ... लगाने के लिए मांगा था। ... दिन पहले ही 30 दिसंबर ... कंपनी ने अपनी याचिका ... इस याचिका में पूरा लेखा ... हुए पॉवर कंपनी ने बता... सत्र 2026-27 में उसक... राजस्व मिलेगा और ... कितना है। इस सत्र ... साथ पुराना घाटा भी ... नए सत्र के फायदे को ... कम करने के बाद भी ... छह हजार करोड़ ... जरूरत बताते हुए ... करने की मांग रखी ...

ज्यादा के राजस्व की जरूरत बताई

नए सत्र में 26 सौ करोड़ का राजस्व मिलेगा, पुराना घाटा 63 सौ करोड़ है, ऐसे में नए सत्र के लिए कुल 32 हजार पांच सौ करोड़ से ज्यादा के राजस्व की जरूरत बताई गई है। इस जरूरत के हिसाब से ही नया टैरिफ तय करने की मांग रखी गई है। पॉवर कंपनी ने अपनी तरफ से टैरिफ में इजाफा करने कोई प्रस्ताव नहीं रखा है, क्योंकि इसका फैसला आयोग ही करता है।

आयोग करेगा अब समीक्षा

बिजली नियामक आयोग को जो याचिका मिली है, उसकी पहले आयोग पूरी समीक्षा करेगा। इसमें आयोग देखेगा कि वास्तव में कंपनी को कितने राजस्व की जरूरत है। उसका वास्तव में खर्च कितना होगा। इसी के साथ कंपनी ने नए सत्र में जितनी बिजली बिकने की संभावना जताई है, उससे कितनी ज्यादा बिजली बिकेगी और इससे कितना राजस्व मिलेगा। सबसे अहम बात यह है कि कंपनी ने जो अंतर की 63 सौ करोड़ की राशि का उल्लेख किया है, आयोग उस अंतर की राशि में नए सत्र में उसको कितनी राशि लेने की मंजूरी देता है। इसी तय राशि के हिसाब से ही नया टैरिफ तय होगा। चल रहे सत्र में कंपनी के अनुमानित 4947.41 करोड़ रुपए राजस्व घाटे के स्थान पर आयोग ने 523.43 करोड़ रुपए मान्य किया था। पॉवर कंपनी के घाटे को पूरा माना जाता तो दरें 20 फीसदी तक बढ़ानी पड़ती लेकिन आयोग के घाटा पांच सौ करोड़ माना था इसलिए दरें दो फीसदी से भी कम बढ़ाई गई थी। अब इस बार आयोग पॉवर कंपनी का कितना घाटा मानता है, उसके हिसाब से ही नया टैरिफ तय होगा।

वन विभाग ने कहा-प्राकृतिक मौत

जगंल के बीच मिला तेन्दुआ का शव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| डोंगरगढ़

जिले के डोंगरगढ़ और खैरागढ़ के बीच स्थित वन क्षेत्र में शुक्रवार को एक बार फिर तेन्दुआ का शव मिला है। मामला डोंगरगढ़ वन परिक्षेत्र अंतर्गत रानीगंज क्षेत्र का है, जहां एक तेंदुआ मृत अवस्था में पाया गया। बीच जंगल तेंदुआ का शव मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है।वन विभाग के अनुसार मृत तेंदुआ का डॉक्टरों की टीम से पोस्टमार्टम कराया तथा बाद में दाह संस्कार की प्रक्रिया पूरी की गई। विभाग का दावा है कि तेंदुआ को आंतरिक चोंट (इंटरनल इंज्यूरी) थी और उसकी मौत प्राकृतिक कारणों से हुई है। मिली जानकारी के अनुसार विभागीय अमले को आज सुबह जंगल के बीच में एक तेंदूए की मौत की जानकारी मिली। विभागीय अफसरो की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। जांच में यह पाया गया कि तेदूए की मौत शिकार से नहीं बल्कि प्राकृतिक हुई है। इसके बाद तेंदूए का पोस्टमार्टम कराया गया और फिर उसका दाह संस्कार किया गया। तेदूए की मौत को लेकर कई तरह की चर्चाएं भी सरगर्म हो रही है।

- जंगल में तेंदुआ के शव मिलने की महीनेभर के भीतर ही दूसरी घटना, ग्रामीणों में दहशत

तीन सप्ताह पहले भी मिला था शव

ज्ञात हो कि करीबन तीन सप्ताह पहले भी इस क्षेत्र के जंगल में तेंदुआ का एक शव मिला था। बताया गया कि खैरागढ़ वनमंडल के कोपेनवागांव-मुढ़ीपार क्षेत्र में जंगल से कुछ दूरी पर राजस्व भूमि में तेंदुआ का शव संदिग्ध हालत में उस दौरान शव बरामद किया गया था। मृत तेंदुआ को देखकर तत्काल वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया था। उस दौरान जांच में पता चला था कि तेंदुआ के चारों पैरों के नाखून और जबड़ा गायब थे।

प्राकृतिक मृत्यु

जंगल के बीच में तेंदूआ की प्राकृतिक मृत्यु हुई है। पोस्टमार्टम के बाद दाह संस्कार की प्रक्रिया पूरी की गई है।
- आयुष जैन, डीएफओ

महिला आरक्षक के साथ हुई बदसलूकी और जानलेवा हमले के तीन और आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायगढ़

बीते 27 दिसंबर को तमनार बलवा कांड के वक्त एक महिला आरक्षक के साथ हुई बदसलूकी और जानलेवा हमले के तीन और आरोपियों को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार किया है। शुक्रवार को दो आरोपियों को तमनार पुलिस ने पकड़ लिया था। इस मामले में अब तक पांच आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पूरे घटनाक्रम में 10 आरोपियों शामिल होने की बात कही जा रही है। हालांकि सभी की पहचान हो चुकी है, लेकिन अभी फरार हैं।

तमनार थाना क्षेत्र अंतर्गत सीएचपी चौक, लिब्रा में धरना-प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसक घटनाओं को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस ने सख्त रुख अपनाया लिया है। महिला पुलिसकर्मी के साथ मारपीट, बदसलूकी, अमानवीय, निंदनीय व्यवहार, कपड़ा फाड़ने और अभद्र व्यवहार एवं लूट की गंभीर घटना में शामिल पांच आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो अन्य फरार आरोपियों की पहचान कर ली गई है, जिनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार गहन पतासाजी की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों में मंगल राठिया, निवासी ग्राम आमगांव, चिनेश खमारी, निवासी ग्राम आमगांव, प्रेमसिंह राठिया, निवासी ग्राम आमगांव, कीर्ति श्रीवास, निवासी ग्राम आमगांव तथा वनमाली राठिया, निवासी ग्राम झरना शामिल हैं।

होगी कार्रवाई

महिला पुलिस पर आरोपियों द्वारा की गई अमर्यादित एवं आपत्तिजनक घटना से जुड़ी एक-एक पहलुओं की पुलिस द्वारा गहन जांच की जा रही है। घटना में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से शामिल सभी आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।
दिव्यांग पटेल, एसपी, रायगढ़

इन धाराओं के तहत आरोपियों की हुई गिरफ्तारी

कपड़ा फाड़ने और अभद्र व्यवहार और लूटपाट की घटना को अंजाम दिया गया। उक्त गंभीर घटनाक्रम के संबंध में थाना तमनार में अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों के विरुद्ध धारा 109, 74, 76, 296, 351(2), 115 (2), 221, 132, 309(4), 309(6), 3(5) भा.न्या.सं. तथा आईटी एक्ट की धारा 67(ए) के अंतर्गत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, गारे–पेलमा सेक्टर-1 कोयला खदान प्रारंभ किए जाने के संबंध में 08 दिसंबर 2025 को धौराभांठा बाजार मैदान में जनसुनवाई आयोजित की गई थी। इस जनसुनवाई के विरोध में खदान क्षेत्र से प्रभावित 14 ग्रामों के ग्रामीणों द्वारा 12 दिसंबर 2025 से सीएचपी चौक, लिब्रा में आर्थिक नाकेबंदी के उद्देश्य से धरना-प्रदर्शन किया जा रहा था, जिससे आवागमन बाधित हो गया था।

जमीन विवाद पर पिता की हत्या करने वाला आरोपी बेटा गिरफ्तार

राजनांदगांव। जमीन-जायदाद, पैसा बंटवारा व पुरानी बात को लेकर बेटे ने पिता से मारपीट किया था। जिससे उसकी मौत हो गई थी। इस मामले में जांच करते पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर कार्रवाई की है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार डोंगरगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत 20 जून 2025 को शेख बशीर पिता शेख बिसारत 75 साल निवासी ग्राम भटगुना को 19 जून 25 को उसका बेटा शेख सलीम 26 साल द्वारा मारपीट करने से घायल होने पर ईलाज हेतु परिजनों द्वारा सीएचसी डोंगरगांव लाया गया था। मुर्तजरर की बहू से पूछताछ करने पर आरोपी शेख सलीम पिता शेख बशीर 26 साल साकिन भटगुना द्वारा हाथ-मुक्का से मारपीट करना बताने पर थाना डोंगरगांव में धारा-296, 115(2), 351(2) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया।

घरेलू विवाद पर पिता ने गोली मार कर की बेटे की हत्या, पत्नी घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मोहला

अंबागढ़ चौकी थाना क्षेत्र के ग्राम कुवारदल्ली में घरेलू विवाद ने खौफनाक रूप ले लिया। पिता ने भरमार बंदूक से बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी है। वहीं पत्नी भी इस वारदात में गंभीर रूप से घायल हो गई है। घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई है। घटना में मौके पर ही 22 वर्षीय बेटे की मौत हो गई और गंभीर रूप से घायल महिला को ग्रामीणों ने अस्पताल पहुंचाया है। रात से ही अंबागढ़ चौकी पुलिस की टीम गांव में मौजूद है। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी हाथ में बंदूक लेकर फरार हो गया है।

घटना को लेकर पुलिस ने बताया कि कुवारदल्ली निवासी आरोपी संत कुमार 48 साल गांव के बाहर जंगल किनारे ईट बना रहा है। रात को किसी बात को लेकर उसकी पत्नी शांतिबाई के साथ विवाद हो गया। विवाद के बीच शांतिबाई ने पति द्वारा झगड़ा-तकरार करने की जानकारी फोन पर अपने बेटे शेखर उईके को दी। जिसके बाद तत्काल शेखर ईट भट्ठा में पहुंचकर अपने पिता को मां के साथ हो रहे वाद-विवाद पर समझाईश दे रहा था। जिसके बाद अतिक्रोध में आकर पिता ने भरमार से बेटे के ऊपर गोली दाग दी।

पूर्व में भी चला चुका गोली

थाना प्रभारी अश्वनी राठौर ने जानकारी देते बताया कि पूर्व में भी अपने परिवार और अन्य ग्रामीणों के ऊपर भरमार बंदूक से गोली चला चुका है। जिसमें आर्म्स एक्ट के तहत उसकी गिरफ्तारी भी हो चुकी है। इस दफा आरोपी ने बंदूक से अपने ही बेटे की हत्या कर पत्नी को घायल कर दिया है। हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

प्रदेश के 221 स्थानों में होगा आयोजन, आरएसएस का शताब्दी वर्ष

हिंदू सम्मेलन के बाद अब युवा सम्मेलन आरएसएस 221 जगहों पर करेगा आयोजन

रायपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का यह शताब्दी वर्ष है। इसके लिए कई कार्यक्रम तय किए गए हैं। सबसे अहम हिंदू सम्मेलनों का आयोजन है। राजधानी रायपुर में एक बड़ा हिंदू सम्मेलन किया गया। इसमें आरएसएस के प्रमुख डा. मोहन भागवत आए थे। हिंदू सम्मेलन लगातार आरएसएस के मंडलों और शहर की बस्तियों में चल रहे हैं। ये सम्मेलन मकर संक्रांति तक चलेंगे। इसी के साथ इस माह अब युवा सम्मेलनों का भी आगाज होगा। ये सम्मेलन प्रदेश के 221 स्थानों में होंगे। इसका आगाज कब से होगा, इसका फैसला 10 जनवरी को दुर्ग में होने प्रांत की बैठक में होगा।

आरएसएस ने अपने शताब्दी वर्ष में साल भर के लिए कार्यक्रम तय किए हैं। इसका आगाज विजयादशमी से किया गया। विजयादशमी पर आरएसएस हमेशा से पथ संचलन का आयोजन करता है। इस बार दो अक्टूबर को विजयादशमी से लेकर 15 अक्टूबर तक प्रदेश में दो हजार स्थानों पर पथ संचलन का कार्यक्रम किया गया। इसके बाद नवंबर में घर-घर संपर्क अभियान चलाया गया। प्रदेश के हर गांव के हिंदू परिवारों के घरों तक स्वयंसेवक गए और उनको आरएसएस के सौ सालों में किए गए कार्यों के बारे में जानकारी दी गई। लोगों को संघ का साहित्य भी वितरित किया गया। सबसे अहम सभी घरों में भारत माता की तस्वीर दी गई।

मकर संक्रांति तक हिंदू सम्मेलन

आरएसएस हिंदू समाज को संगठित करने के लिए ही देश भर में हिंदू सम्मेलन आयोजित कर रहा है। छत्तीसगढ़ में आरएसएस के 1601 मंडल हैं। ये मंडल प्रदेश के 19 हजार से ज्यादा गांवों को मिलाकर बनाए गए हैं। एक मंडल में आठ से दस गांवों का रखा गया है। अब हर मंडल में हिंदू सम्मेलन किए जा रहे हैं। इसी के साथ शहरी क्षेत्रों में 666 बस्तियां हैं। इनमें भी हिंदू सम्मेलन हो रहे हैं। आधे से ज्यादा स्थानों में हिंदू सम्मेलन हो गए हैं। बचे स्थानों में मकर संक्रांति तक सम्मेलन पूरे कर लिए जाएंगे।

युवा सम्मेलन और गोष्ठी

कार्यक्रमों की कड़ी में जनवरी में युवाओं के लिए युवा सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन 221 स्थानों पर होगा। इसमें 152 खंड और 69 नगर शामिल हैं। इसमें युवाओं की समस्याओं को भी जानने के साथ उनका निदान कैसे हो इस पर भी चर्चा होगी। युवाओं को पंच परिवर्तन के बारे में ठीक उसी तरह से बताया जाएगा, जिस तरह से राजधानी रायपुर के युवा संवाद में डा. मोहन भागवत ने बताया था। इसके अलावा मार्च में एक अलग तरह का आयोजन प्रमुख जन गोष्ठी होगी। इसमें अलग-अलग वर्गों के प्रमुख शामिल होंगे। जैसे ऑटो, ट्रक, टैक्सी के वाहन चालक। किसान, वकील, व्यापारी इनके प्रमुखों को बुलाकर एक मंच दिया जाएगा। सभी में राष्ट्रीयता और समाज को संगठित करने की भावना जगाने का काम होगा।

रायपुर
रविवार 4 जनवरी 2026
माघ कृष्ण पक्ष प्रतिपदा
वर्ष : 24, अंक : 166
पृष्ठ : 12+4+4= 20 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 20.1
न्यून. 15.9

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

गाड़ी और एयरगन जब्त कर आरोपियों पर केस दर्ज

पकड़े गए आरोपियों के पास से घटना में उपयोग की गई गाड़ी और एयरगन को विभाग ने जब्त कर लिया है। एटीआर उपसंचालक के अनुसार वन्यजीवों की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। आरोपियों के खिलाफ वन अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। रेंजर को नोटिस जारी कर पूछा गया है कि प्रतिबंधित क्षेत्र में बाहरी लोगों का प्रवेश कैसे हुआ। यह घटना इसलिए भी गंभीर है क्योंकि बिलासपुर हाईकोर्ट लगातार टाइगर रिजर्व की सुरक्षा को लेकर सख्त निर्देश दे रहा है। ऐसे में वन विभाग की इस त्वरित कार्रवाई को एक बड़े सबक के रूप में देखा जा रहा है ताकि भविष्य में कोई भी नियमों को तोड़ने की हिम्मत न करे।

अचानकमार टाइगर रिजर्व में हथियार लहराकर अंधाधुंध फायरिंग, तीन गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

अलग खबर

अचानकमार टाइगर रिजर्व (एटीआर) के प्रतिबंधित कोर जोन में भ्रमण करने के लिए पहुंचे सैलानियों ने हथियार लहराते हुए अंधाधुंध फायरिंग की, इसके बाद रील बनाकर सोशल मीडियम में वीडियो वायरल कर दिया, हंगामा मचने के बाद हरकत में आए एटीआर प्रबंधन ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, सभी आरोपियों को 14 दिन की रिमांड में जेल भेज दिया गया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान अजीत वैष्णव 26 साल, अनिकेत 27 साल और विक्रांत वैष्णव 36 साल के रूप में हुई है। इस मामले में एक नाबालिग आरोपी फिलहाल फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। एक जनवरी से अचानकमार टाइगर रिजर्व के कोर जोन में भ्रमण करने वाले सैलानियों की संख्या काफी बढ़ गई है।

बफर को छोड़कर कोर जोन में शाकाहारी और मांसाहारी वन्यप्राणियों के अलावा टाइगर भी हैं, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में सैलानी पहुंच रहे हैं। इन सैलानियों के सामानों की कोई भी जांच बेरियर में नहीं की जाती है। वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार सुरही और जाखड़बांधा वन परिक्षेत्र के कोर जोन का एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें कुछ युवक लग्जरी गाड़ी के साथ जंगल के भीतर नजर आ रहे थे और उनके पास हथियार भी दिखाई दे रहे थे। वीडियो में युवक बेखौफ होकर फायरिंग करते दिख रहे थे, जो वन्यजीव संरक्षण अधिनियम का सीधा उल्लंघन है। मामला उच्च अधिकारियों के संज्ञान में आते ही ⏭शेष पेज 7 पर

वीडियो वायरल होने के बाद हरकत में आया एटीआर प्रबंधन

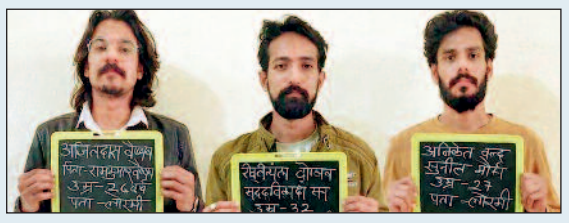

बेरियर गार्ड हटा और रेंजर को नोटिस जारी: अचानकमार टाइगर रिजर्व के संवेदनशील इलाके में बाहरी युवकों का गाड़ी सहित प्रवेश करना सुरक्षा पर बड़े सवाल खड़े कर रहा था। एटीआर के उपसंचालक ने ड्यूटी पर तैनात बैरियर गार्ड को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। इसके साथ ही रेंजर की भूमिका की भी जांच की जा रही है कि आखिर उनकी मौजूदगी में इतनी बड़ी चूक कैसे हुई है।

पकड़े गए हैं आरोपी

अचानकमार टाइगर रिजर्व के कोर जोन में कुछ लोग अंदर प्रवेश कर लिए थे। इस दौरान उनके पास एयरगन भी था, जिसे लहराने और अंधाधुंध फायरिंग का रील बनाने वाले वीडियो भी वायरल हुआ। इसके बाद विभाग ने तत्काल एक्शन लेते हुए तीन युवकों को पकड़ा है, इसमें से एक नाबालिक फरार है। वहीं स्टाफ से भी गाड़ी और एयरगन के अंदर कैसे प्रवेश किया गया, इसके संबंध में भी पूछताछ की जा रही है। सभी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।
अरूण पाण्डेय, पीसीसीएफ, वाइल्ड लाइफ

Vinh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

मोदी आज करेंगे वॉलीबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को वाराणसी के 'डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम' में 72वें राष्ट्रीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन करेंगे। चार से 11 जनवरी तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में पूरे देश से 1,000 से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे। प्रतिनिधित्व करने वाली 58 टीम खिताब के लिए चुनौती पेश करेंगी।

कांस्टेबल ने गोली मारकर की आत्महत्या

जैसलमेर। पुलिस लाइन में एक कांस्टेबल ने अपनी सर्विस रिवॉल्वर से गोली मारकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। यह घटना जैसलमेर पुलिस लाइन के सरकारी क्वार्टर में हुई और मृतक की पहचान कांस्टेबल नरेंद्र मीणा के रूप में हुई है। मीणा शनिवार सुबह अपने कमरे से बाहर नहीं निकले, जिससे उनके साथियों को शक हुआ और दरवाजा तोड़कर देखा तो कमरे के अंदर खून से लथपथ उनका शव पड़ा था।

तमिलनाडु में जल्लीकट्टू की शुरुआत

पुडुकोट्टई। तमिलनाडु में शनिवार को इस साल के पहले जल्लीकट्टू कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुडुकोट्टई जिले के थचनकुरिची गांव में आयोजित इस प्रतियोगिता में 900 से अधिक सांडों और लगभग 300 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस आयोजन में तिरुचिरापल्ली, डिंडीगुल और शिवगंगा सहित पड़ोसी जिलों के सांड शामिल हुए।

दिल्ली विस्फोट का आरोपी बिलाल हिरासत में

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 10 नवंबर को लालकिले के पास हुए विस्फोट मामले के आरोपियों में से एक डॉ. बिलाल नसीर मल्ला को 16 जनवरी तक 13 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। एनआईए ने मल्ला को कड़ी सुरक्षा के बीच पटियाला हाउस अदालत में पेश किया। मल्ला को 26 दिसंबर को आठ दिन के लिए एनआईए की हिरासत में भेजा गया था।

एक साल में 60 करोड़ रुपए की हेरोइन जब्त

जम्मू। जम्मू पुलिस ने 2025 में नशीले पदार्थों के खिलाफ अभियान के तहत नशे के 311 तस्करों को गिरफ्तार किया जिनमें 35 महिलाएं शामिल हैं। इसके अलावा पुलिस ने 60 करोड़ रुपए से अधिक की हेरोइन बरामद की। गिरफ्तारी और बरामदगी के अलावा 11 कुख्यात तस्करों को स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम के हिरासत में लिया गया।

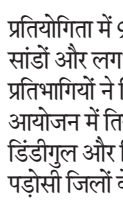

अमेरिका का बड़ा हमला : सात जगहों पर बम धमाके, नेशनल इमरजेंसी घोषित

आधी रात अटैक, वेनेजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को उठा ले गए अमेरिकी सैनिक!

एजेंसी ⏭ काराकस (वेनेजुएला)

अमेरिका ने शुक्रवार देर रात को वेनेजुएला पर 'बड़े पैमाने पर हमला' किया। अमेरिका ने कहा है कि देश के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोर्स को पकड़ लिया गया है और देश से बाहर ले जाया गया है। अमेरिका ने इसे एक असाधारण रात्रिकालीन अभियान बताया, जिसकी घोषणा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमले के कुछ घंटे बाद सोशल मीडिया पर की।

हमले के दौरान विस्फोट की कई आवाजें सुनाई दीं और कम ऊंचाई पर उड़ान भरते विमान राजधानी काराकस के ऊपर से गुजरे, जबकि मादुरो की सरकार ने तुरंत ही अमेरिका पर नागरिक और सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करने का आरोप लगाया। वेनेजुएला की सरकार ने इसे 'साम्राज्यवादी हमला' करार दिया और नागरिकों से सड़कों पर उतरने का आह्वान किया। तत्काल यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि देश में शासन किसके हाथ में है, और यह भी जानकारी नहीं है कि मादुरो अभी कहा हैं। ट्रंप ने सुबह 4:30 बजे (ईस्टर्न टाइम) के थोड़े देर बाद ट्रुथ सोशल पर इस घटनाक्रम की घोषणा की। वेनेजुएला के कानून के अनुसार, उपराष्ट्रपति डेल्सी रॉड्रिग्ज सत्ता संभालेंगी। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं हुई कि ऐसा हुआ है, हालांकि उन्होंने हमले के बाद एक बयान जारी किया। रॉड्रिग्ज ने कहा कि मादुरो, उनकी पत्नी के बारे में कोई जानकारी ⏭शेष पेज 7 पर

अमेरिका ने कहा-मादुरो को पकड़कर देश से बाहर ले जाया गया

वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो पर यूएस ने कसा कानूनी शिकंजा

अमेरिका ने तीसरी बार किसी राष्ट्रपति को पकड़ा

ये पहली बार नहीं है, जब अमेरिका ने सैन्य कार्रवाई करके वहां के राष्ट्रपति या तानाशाह को पकड़ा, इसके पहले 2003 में इराक और 1989 में पनामा में भी कुछ ऐसे ही ऑपरेशन चलाए गए थे। बताया जाता है कि अमेरिका ने लैटिन अमेरिकी देश पनामा पर हमला किया था। अमेरिका ने पनामा के तानाशाह मैनुअल नोरिएगा को सत्ता से हटाया था, जिन पर ड्रग तस्करी और अमेरीकी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप था।

वेनेजुएला ने मांगा 'प्रूफ ऑफ लाइफ'

वेनेजुएला की उपराष्ट्रपति डेल्सी रॉड्रिग्ज ने कहा है कि अमेरिकी सेना द्वारा राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़े जाने के बाद सरकार को नहीं पता कि वे कहां हैं। हमें इसकी जानकारी नहीं कि राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस कहां है।

ट्रंप बोले- अमेरिकी साझेदारी से वेनेजुएला होगा समृद्ध

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि यूएस की वेनेजुएला के साथ प्रस्तावित साझेदारी वहां के लोगों को समृद्ध, स्वतंत्र और सुरक्षित बनाएगी। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका में रहने वाले वेनेजुएलाई नागरिक भी इस बदलाव से बेहद खुश होंगे और अब उन्हें और कष्ट नहीं झेलना पड़ेगा। उन्होंने मादुरो को तानाशाह बताते हुए उन पर अमेरिका में मादक पदार्थों की तस्करी और कार्टेल दे लॉस सोलेस से जुड़े होने का आरोप लगाया। ट्रंप ने दावा किया कि मादुरो और उनकी पत्नी न्यूयॉर्क जा रहे जहाज पर हैं और न्यूयॉर्क व मियामी के बीच जल्द फैसला होगा। वेनेजुएला पर की गई अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बाद राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी अब अमेरिकी न्याय विभाग का सामना करेंगे। मीडिया को संबोधित करते हुए ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिकी बलों ने कराकस के बीचोंबीच स्थित एक अत्यंत सुरक्षित सैन्य किले पर कार्रवाई कर मादुरो को न्याय के कटघरे तक पहुंचाया। उन्होंने इस ऑपरेशन की तुलना ईरान के खिलाफ की गई पूर्व सैन्य कार्रवाइयों से की, जिनमें परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया गया था।

क्यों टूट पड़ा अमेरिका

'तेल' ने दो देशों के बीच भड़काई 'आग'

अमेरिका और वेनेजुएला के बीच विवाद वर्षों पुराना है। यह बीते कुछ साल में जबरदस्त रूप से उभरा है। जानकारी के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर लगातार दबाव बना रहे थे। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव का एक बड़ा कारण तेल भी है। दोनों देशों के बीच यह विवाद कई दशकों से चला आ रहा है। साल 1976 में वेनेजुएला की सरकार ⏭शेष पेज 7 पर

वेनेजुएला की घेराबंदी, तेल टैंकरों की जब्ती

अमेरिकी बलों ने कैरिबियाई क्षेत्र में वेनेजुएला के तेल टैंकरों की जब्ती भी जारी रखी है। दरअसल, अमेरिका की तरफ से वेनेजुएला के तेल पर प्रतिबंध लगाए गए हैं। ऐसे में वह वेनेजुएला का तेल ले जा रहे टैंकरों को खुले तौर पर जब्त कर रहा है। इसके अलावा ट्रंप प्रशासन ने बीते दिनों में वेनेजुएला की नौसैन्य घेरेबंदी भी कर दी।

कैरिबियाई सागर में तैनात अमेरिकी युद्धपोत

अमेरिकी रक्षा मंत्रालय- पेंटागन ने अक्तूबर में अमेरिकी नौसेना के सबसे खतरनाक और आधुनिक युद्धपोतों में से एक यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड को कैरिबियाई सागर में तैनात कर दिया। इसके अलावा वेनेजुएला के आसपास 5000 अमेरिकी सैन्यबलों की तैनाती भी की गई है, जबकि अमेरिका के 15,000 बलों को दक्षिण अमेरिका में तैनात किया गया है।

सीएम ने राष्ट्रपति से की मुलाकात 'बस्तर पंडुम' में किया आमंत्रित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को छत्तीसगढ़ में आयोजित होने वाले राज्यस्तरीय जनजातीय सांस्कृतिक महोत्सव 'बस्तर पंडुम 2026' में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का आमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति को बस्तर अंचल की समृद्ध जनजातीय कला, संस्कृति, परंपराओं एवं लोक जीवन से अवगत कराते हुए कहा, बस्तर पंडुम राज्य की जनजातीय विरासत के संरक्षण, संवर्धन और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचार का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। यह आयोजन तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा, जिसका अंतिम चरण फरवरी में बस्तर में संपन्न होगा। उल्लेखनीय है कि बस्तर पंडुम 2026 के माध्यम से लोकनृत्य, लोकगीत, ⏭शेष पेज 7 पर

- भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष नबीन को दी नए दायित्व की बधाई

कार्यकारी अध्यक्ष से की मुलाकात

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से भेंट कर उन्हें नए दायित्व के लिए बधाई दी। प्रदेश प्रभारी के रूप में उनके कुशल नेतृत्व, दूरदर्शिता और सतत परिश्रम ने छत्तीसगढ़ को संगठनात्मक दृष्टि से नई ऊँचाइयाँ प्रदान की। विधानसभा और लोकसभा चुनावों में भाजपा की ऐतिहासिक विजय उनके प्रेरक नेतृत्व का साक्षात परिणाम है। हमें पूर्ण विश्वास है कि उनके ऊर्जावान नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी नई ऊँचाइयों को स्पर्श करेगी और राष्ट्र सेवा के पथ पर और अधिक सशक्त बनेगी। पुनः बधाई। हार्दिक शुभकामनाएँ।

बेलगहना रोड पर हुआ हादसा

रांग साइड जाकर पेड़ से टकराई कार, दो की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

नए साल में रायपुर से अमरकंटक घूमने जा रहे लोगों की तेज रफ्तार कार रांग साइड में जाकर पेड़ से टकरा गई। कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि टकराते ही पेड़ फट गया। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई है और तीन घायल हो गए हैं। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बेलगहना चौकी प्रभारी हेमंत सिंह ठाकुर ने बताया, रायपुर खम्हारडीह कचना निवासी रामकुमार धीवर पिता सुखचंद धीवर 45 साल, सुखसागर मानिकपुरी पिता मयादास ⏭शेष पेज 7 पर

एक की मौके पर, रास्ते में दूसरे की मौत

हादसे में रामकुमार धीवर की मौके पर ही मौत हो गई थी। चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घायलों को तत्काल इलाज के लिए कोटा अस्पताल ले जाया जा रहा था। रास्ते में गंभीर रूप से घायल राजकुमार साहू की मौत हो गई। अस्पताल पहुंचते ही डाक्टर ने परिक्षण के बाद राजकुमार साहू को मृत घोषित कर दिया है।

कोलकाता नाइट राइडर्स से बांग्लादेशी रहमान 'आउट'

बीसीसीआई के निर्देश पर एक्शन

एजेंसी ⏭ गुवाहाटी

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने शनिवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के निर्देश पर

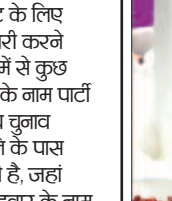

इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी सत्र से पहले बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को अपनी टीम से रिलीज कर दिया। बीसीसीआई ने भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय संबंधों में बढ़ते तनाव के मद्देनजर यह कदम उठाया। पिछले महीने खिलाड़ियों की नीलामी में केकेआर ने बाएं हाथ के तेज गेंदबाज रहमान को 9.20 करोड़ रुपये में खरीदा था। उनका आधार मूल्य दो करोड रुपए था। चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के साथ कड़ी बोली प्रक्रिया के बाद केकेआर इस 30 वर्षीय गेंदबाज को अपनी टीम से जोड़ने में सफल रहा था।

आठ बार आईपीएल खेल चुके रहमान

रहमान 2016 से आठ बार आईपीएल में खेल चुके हैं। उन्होंने केवल 2019 और 2020 में टूर्नामेंट में भाग नहीं लिया था। वह सनराइजर्स हैदराबाद, मुंबई इंडियंस, दिल्ली कैपिटल्स, चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स जैसी टीमों के लिए खेल चुके हैं। तीन बार के चैंपियन केकेआर ने पहली बार उन्हें अपनी टीम से जोड़ा था। इस मुद्दे पर हालांकि रहमान और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। भारतीय बोर्ड ने रहमान को नीलामी के लिए पंजीकरण करने की अनुमति दे दी थी, लेकिन बांग्लादेश में राजनीतिक अशांति के कारण भारत-बांग्लादेश संबंध और भी तनावपूर्ण हो गए हैं।

चुनावी राज्यों में कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी

प्रियंका को असम, टीएस को तमिलनाडु-पुडुचेरी का जिम्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

कांग्रेस ने केरल, असम, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी के विधानसभा चुनावों के

लिए शनिवार को स्क्रीनिंग कमेटी का गठन किया। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा को असम के लिए बनाई गई स्क्रीनिंग कमेटी की अध्यक्षता सौंपी गई है। छत्तीसगढ़ के पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव को तमिलनाडु और पुडुचेरी से संबंधित स्क्रीनिंग कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, असम ⏭शेष पेज 7 पर

दावेदारों के लिए कमेटी

स्क्रीनिंग कमेटी हर सीट पर टिकट के लिए दावेदारी करने वालों में से कुछ लोगों के नाम पार्टी केंद्रीय चुनाव समिति के पास भेजती है, जहां उम्मीदवार के नाम पर मुहर लगती है। इन राज्यों में इस वर्ष मार्च-अप्रैल में विधानसभा चुनाव संभावित है।

अमेरिका ने वेनेजुएला पर नए साल के तीसरे दिन शुक्रवार देर रात 2 बजे अटैक कर वहां के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को अपने कब्जे में ले लिया है। वेनेजुएला में तैनात अतंर्राष्ट्रीय पत्रकारों को भी उम्मीद न थी कि अमेरिका का ये ऑपरेशन इतना बड़ा होगा। राजधानी कराकस में तैनात बीबीसी की पत्रकार वेनेसा सिल्वा इस ऑपरेशन की चश्मदीद हैं। उन्होंने आंखो देखा हाल बयान किया है।

'पैर कांपने लगे, मेरा दिल जोर से धड़क रहा था, मैं डर गई थी'

एजेंसी ▶▶ कराकस

सिल्वा ने बताया कि 'स्थानीय समय के अनुसार रात को 2 बज रहे थे। हमे पहली बार प्लेन की आवाज सुनी. तभी मैंने तेज धमाके की आवाज सुनी। कुछ ही मिनटों में धुएं का गुबार दिखाई दिया। ने बताया कि धमाके 'बिजली कड़कने से भी ज़्यादा तेज' थे, इससे उनका घर हिलने लगा।

राजधानी काराकास एक घाटी में स्थित है, इसलिए धमाकों की आवाज पूरे शहर में गूंजी।' मेरे आंखों के आगे कुछ नहीं दिख रहा था। कुछ ही देर में कई लोगों ने कराकस से रिपोर्टिंग शुरू कर दी। मैं प्लेन, हेलिकॉप्टर की आवाज सुन रही थी। हमें लगा कि राष्ट्रपति मादुरो एक बयान जारी करेंगे।' वेनेसा ने बताया कि धमाके इतने पास हुए थे कि वह डर गई थी, लेकिन ये अटैक बहुत सटीक लग रहे थे।' सिल्वा के एक रिश्तेदार ने आसमान से कुछ गिरते हुए देखा और दस सेकंड बाद एक ज़ोरदार धमाका सुना। 'मेरा दिल ज़ोर से धड़क रहा था और पैर कांप रहे थे।' उन्होंने कहा कि ये हमले न सिर्फ कराकस में हुए बल्कि मिरांदा और अराउवा में भी हुए।

वेनेजुएला पर अमेरिकी अटैक की चश्मदीद पत्रकार ने बताया आंखो-देखा हाल

राजधानी कराकस के अलावा मिरांदा और अराउवा में भी किए गए सटीक हमले

आधी रात को जागे लोग

वेनेजुएला से प्रकाशित होने वाले अंग्रेजी अखबार इल पाइस ने इस घटना को रिपोर्ट करते हुए कहा कि सुबह 2:00 बजे से कुछ देर पहले धमाकों की आवाज से कराकस के लोग जाग गए। ऐसा लगा जैसे आसमान में बिजली कड़क रही हो। ऊपर उड़ते हवाई जहाजों के वीडियो, धमाकों की चमक और धुएं के गुबार सोशल मीडिया पर घूमने लगे।

दूर से दिखीं आग की लपटें

शुरुआती रिपोर्टों से पता चलता है कि फुएर्टे ट्यूना के मिलिट्री बेस पर कई हवाई हमले हुए हैं। यह कराकस का मुख्य बेस है, जो वेनेजुएला की राजधानी के दक्षिण में स्थित है। और वहां पूरी तरह से बिजली चली गई है। धमाकों के पहले कुछ मिनटों में दूर से एक बड़ी आग की लपटें देखी गईं, जिसके बाद वो धुएं का एक बड़ा बादल छा गया।

सोशल मीडिया यूज़र्स ने कहा- कयामत की रात

ला कार्लोटा एयर बेस और कराकस में अन्य मिलिट्री ठिकानों, जैसे कुआर्टेल डे ला मोंटाना - जहां ह्यूगो शावेज के अवशेष रखे हैं - साथ ही माराके और ला गुएरा, और सेंट्रल कोस्ट पर हिगुएरोटे एयरपोर्ट पर भी हमलों की पुष्टि हुई है। सोशल मीडिया यूजर्स द्वारा शेयर किए गए वीडियो में शहर के ऊपर हेलीकॉप्टर उड़ते हुए भी देखे गए हैं। स्थानीय लोगों के लिए ये कयामत की रात जैसा वाकया था।

भाजपा ने कहा- यदि हम मुंह खोलने पर आए तो मुश्किलें पैदा हो जाएंगी

'भाजपा हफ्ताखोरी करती है, लूट मचाई हुई है' अजित ने खोला सीधा मोर्चा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

राजनीतिक गलियारों में पवार के बयान ने मचाई हलचल

महाराष्ट्र में महानगरपालिका के चुनाव से पहले सत्ता में शामिल उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने महाराष्ट्र की महायुति सरकार में शामिल भाजपा पर वसूली के सीधा आरोप लगाए हैं। इसके बाद महाराष्ट्र की राजनीति में बवाल मच गया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) चीफ पवार ने एक कार्यक्रम में भाजपा पर भ्रष्टाचार करने और हफ्ता वसूली करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। इधर, भाजपा ने भी अजित को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि हम मुंह खोलने पर आए तो उनके लिए मुश्किलें पैदा हो जाएंगी।

पिंपरी-चिंचवड़ महानगर पालिका का मामला

अजित ने पिंपरी-चिंचवड़ महानगरपालिका में भाजपा के सत्ता में आने के बाद 'भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा' और 'स्थानीय नेताओं की राक्षसी भूख' का जिक्र किया। उन्होंने पिंपरी-चिंचवड़ महानगर पालिका में जमकर पैसे लूटने और खुलेआम भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया। पवार ने यह भी दावा किया कि बीजेपी हफ्ताखोरी में भी लिप्त है, और उनके पास इससे जुड़े सारे पुख्ता सबूत मौजूद हैं।

आरोप लगाने वाले आज मेरे साथ

इनता ही नहीं अजित ने अपने ऊपर लगे 70, 000करोड़ रुपये के कथित आरोपों को लेकर तीखा कटाक्ष किया है। उन्होंने सवाल किया, 'मेरे ऊपर भी 70,000 करोड़ रुपये के आरोप लगे थे। जिन लोगों ने मेरे ऊपर वे आरोप लगाए थे, क्या वे सब आज मेरे साथ हैं या नहीं?' पवार ने इस स्थिति को राजनीति का 'दोहरा चरित्र' करार दिया, जोर देकर कहा कि सत्ता और स्वार्थ के लिए सिद्धांतों को लगातार बदला जा रहा है।

'अब मैं किसी से डरने वाला नहीं'

उन्होंने भाजपा की राजनीतिक नैतिकता पर सीधे सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि अगर उन पर लगे आरोप सही थे, तो वही लोग अब उनके साथ क्यों खड़े हैं। अजित पवार ने कहा कि अब वो किसी से डरने वाले नहीं हैं और सच्चाई को सामने लाना जारी रखेंगे।

अजित के आरोपों पर भड़की भाजपा दी चेतावनी

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने पलटवार करते हुए कहा है कि 'अजित का यह बयान चुनावी पृष्ठभूमि में आया है। उन्हें 'अपने गिरेबान में झाँकना चाहिए।' चव्हाण ने आगे कहा , यदि हम (भाजपा) मुंह खोलने पर आए तो पवार के लिए बहुत सी मुश्किलें पैदा हो जाएंगी, इसका ध्यान पवार को रखना चाहिए। भाजपा नेता चंद्रशेखर बावनकुळे नमीडिया से बातचीत में कहा, 'उन्हें नहीं पता कि पवार ने ऐसा क्यों कहा और उन्हें ऐसे बयान नहीं देने चाहिए थे।

बिना वोट डाले महायुति की 64 सीटों पर जीत, चुनाव आयोग कराएगा जांच

महाराष्ट्र में बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) सहित 29 महानगर पालिकाओं के लिए नामांकन वापसी की अंतिम तिथि दो जनवरी थी। इसके बाद 15 जनवरी को मतदान होगा और इसके अगले दिन चुनाव परिणाम आएंगे। इन चुनावों में महायुति गठबंधन के 64 उम्मीदवारों ने निर्विरोध जीत दर्ज की है। मतदान में अभी वक्त है और ऐसे में महायुति के एक साथ इतने उम्मीदवारों के निर्विरोध जीतने पर सवाल उठ रहे हैं। इसके बाद राज्य चुनाव आयोग ने इस मामले में कुछ सीटों पर जांच के आदेश दिए हैं। जांच पूरी होने के बाद ही निर्विरोध चुने गए उम्मीदवारों के नामों की आधिकारिक घोषणा की जाएगी। चुनाव आयोग जांच के जरिए पता लगाएगा कि आखिर क्या दबाव या लालच के काण कुछ उम्मीदवारों ने अपने नामांकन वापस लिए थे।

10वीं और 12वीं के प्रैक्टिकल में 'निष्पक्षता' की होगी जांच

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा 10वीं और 12वीं की प्रैक्टिकल परीक्षाओं, इंटरनल असेसमेंट और प्रोजेक्ट मूल्यांकन को लेकर सभी संबद्ध स्कूलों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि मूल्यांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता, समानता और निष्पक्षता बनाए रखना अनिवार्य है।

सीबीएसई ने दोहराया कि प्रैक्टिकल परीक्षाएं और इंटरनल असेसमेंट बोर्ड परीक्षा प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा हैं और इन्हें निर्धारित सिलेबस, मार्किंग स्कीम और बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अनुसार ही आयोजित किया जाना चाहिए। नियमों से किसी भी तरह का विचलन पाए जाने पर स्कूलों के खिलाफ सीबीएसई एफिलिएशन बायलॉज के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

वास्तविक प्रदर्शन के आधार पर अंक देने के निर्देश

बोर्ड ने साफ शब्दों में कहा है कि प्रैक्टिकल और इंटरनल असेसमेंट में दिए गए अंक छात्रों के वास्तविक प्रदर्शन को दर्शाने चाहिए। अंकों में अनावश्यक बढ़ोतरी या की हेरफेर को गंभीर उल्लंघन माना जाएगा।

स्कूल प्रमुखों की बढ़ी जिम्मेदारी

सीबीएसई ने स्कूल प्रमुखों को पूरी मूल्यांकन प्रक्रिया की निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी है। यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी शिक्षक और परीक्षक मूल्यांकन मानदंडों से पूरी तरह परिचित हों। साथ ही, प्रैक्टिकल परीक्षा, प्रोजेक्ट और इंटरनल असेसमेंट से जुड़े सभी रिकॉर्ड सुरक्षित रखने के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर उनकी जांच की जा सके।

फरवरी से शुरू होंगी बोर्ड परीक्षाएं

सीबीएसई कक्षा 10वीं और 12वीं की थ्योरी परीक्षाएं 12 फरवरी 2026 से शुरू होंगी। इस साल लगभग 45 लाख छात्र दोनों कक्षाओं के 204 विषयों की बोर्ड परीक्षाओं में शामिल होने वाले हैं।

ईरान में फंसे 3 हजार भारतीय छात्र, जरूरी कदम उठाए सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

ईरान में आर्थिक संकट के बीच लगातार फैल रहे हिंसक प्रदर्शनों को देखते हुए ऑल इंडिया मेडिकल स्टूडेंट्स एसोसिएशन के फॉरन स्टूडेंट विंग ने शनिवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर से दखल देने की मांग की है। एसोसिएशन का कहना है कि इस समय करीब 3,000 भारतीय मेडिकल छात्र मध्य-पूर्व के इस देश में हैं, जहां कई शहरों में अशांति फैलती जा रही है। इस चिट्ठी में ईरान में मौजूद भारतीय मेडिकल छात्रों और उनके परिवार वालों में सुरक्षा का भरोसा बहाल करने की अपील की गई है।

भारतीय मेडिकल एसोसिएशन ने लिखी जयशंकर को चिट्ठी

पीएम मोदी से भी किया गया अनुरोध

इससे पहले शुक्रवार को जम्मू और कश्मीर स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखकर उनसे दखल की मांग की थी, ताकि वहां रह रहे भारतीय मेडिकल छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके, खासकर जो घाटी से हैं और ईरान में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं।

स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने लिखी चिट्ठी

विदेश मंत्री एस जयशंकर को लिखी चिट्ठी में ऑल इंडिया मेडिकल स्टूडेंट्स एसोसिएशन के जम्मू और कश्मीर यूनिट के वाइस प्रेसिडेंट मोहम्मद मोमिन खान ने ईरान में भारतीय छात्रों की सुरक्षा पर चिंता जताते हुए कहा है कि वहां हालात तेजी से खराब होते जा रहे हैं। चिट्ठी के अनुसार, 'ऑल इंडिया मेडिकल स्टूडेंट्स एसोसिएशन की ओर से मैं ईरान में वर्तमान स्थिति और वहां मेडिकल की पढ़ाई कर रहे करीब 3,000 भारतीय मेडिकल छात्रों की सुरक्षा और हितों को लेकर बढ़ती हुई चिंता की ओर आपका ध्यान खींचना चाहता हूं।'क्षेत्र में बदलते हालात और वर्तमान अनिश्चितता को देखते हुए, पूरे देश में रह रहे भारतीय मेडिकल छात्र और उनका परिवार बहुत ज्यादा चिंता में हैं। इन छात्रों का नामांकन पूरे ईरान भर के अलग-अलग मेडिकल यूनिवर्सिटी में है। उनकी सुरक्षा के लिए सरकार कदम उठाए।'

राजस्थान : स्कूलों में अखबार पढ़ना अनिवार्य

जयपुर। राजस्थान सरकार ने छात्रों में पढ़ने की आदत विकसित करने, शब्दावली बढ़ाने और सामान्य ज्ञान को मजबूत करने के उद्देश्य से एक अहम फैसला लिया है। राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में अब दैनिक समाचार पत्र पढ़ना अनिवार्य कर दिया गया है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने भी हाल ही में सरकारी स्कूलों में अख़बार पढ़ना अनिवार्य किया है।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

OSTWAL HEART CARE
Dr. Kunal Ostwal
MD, DM (Cardiology)
Consultant and Interventional Cardiologist
Facilities : ECG ,2D-Echo,TMT
समस्त हृदय रोग, मधुमेह, कोलेस्ट्रोल एवं ब्लड प्रेशर के लिए परामर्श
डी.एम. प्लाजा, बैजनाथपारा, छोटापारा, रायपुर अपॉइंटमेंट के लिये संपर्क करें : 6264289296

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं: लेजर हेयर रिमूवल, हाइड्रोफेशियल, कार्बन फेशियल, केमिकल पीलिंग, रेडियोफ्रिक्वेंसी, एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
सभी प्रकार की एलर्जी | डेंटल सुविधा भी उपलब्ध
जैसे नाक, कान, गला, आंख, श्वास की (अस्थमा), त्वचा
छाती रोग: अस्थमा, सी.पी.ओ.डी., फेफड़े सिकुड़ना, पानी भरना, न्यूमोनिया, स्वाइन फ्लू, मोटापे, खर्राटे, छाती दर्द
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

डायबिटिज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नर्सों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770, 9329004557, 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

सुधा सूरज फर्टिलिटी केयर
डॉ. सूरज कुमार चौधरी MD (Physician, Pathology)
डॉ.सुधा अग्रवाल चौधरी MBBS, MS (OBG) FRM स्त्री रोग विशेषज्ञ, इंफर्टिलिटी कंसल्टेंट
• पुरुष और महिला बांझपन परीक्षण • आईवीएफ, आईयूआई, पीसीओएस, सोनोग्राफी, • सभी पैथोलॉजी परीक्षण (रक्त, मूत्र, मल और वीर्य विश्लेषण) • गर्भवती महिला एवं गर्भाशय की सोनोग्राफी (टीवीएस, डॉपलर 3डी, 4डी)
C-81, VIP Estate, Opposite Ashoka Ratan Gate No.2, Shankar Nagar, Raipur, Mob. 63549 65797, 95120 44488

निवेद चेस्ट & आई केयर
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयोंथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनॉपेथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479, 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

उपलब्ध विशेषताएं: लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी, जनरल मेडीसीन, ऑर्थोपेडिक्स, जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी, ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल), गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
प्रसूति, नवजात, शिशु रोग, बांझपन, सोनोग्राफी, आयुष्मान कार्ड, बच्चों एवं बडों के आपरेशन, अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ष पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292
स्किन क्लिनिक
सेवाएं: मुहासें, सोरासिस, स्किन एलर्जी, पिगमेंटेशन, विटिलियो / ल्यूकोडरमा, पीआरपी थेरेपी, एलोपेसिया, अर्टीकेरिया, फंगल इंफेक्शन, टैली कंसल्टेशन, लेजर थेरेपी

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
24x7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
ओपीडी 50% छूट
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

पाइल्स
क्षारसूत्र विशेषज्ञ
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर
25 वर्षों का अनुभव
11000 से ऊपर सफल चिकित्सा
फाफाडीह / पंडरी, रायपुर, मो. 9039050422

7 पत्रकारों, यूट्यूबर और पूर्व सैन्य अफसरों को उम्रकैद

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

पाकिस्तान की एक आतंकवाद विरोधी अदालत ने शुक्रवार को सात लोगों को साल 2023 में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद हुई हिंसा से जुड़े मामलों में उम्रकैद की सजा सुनाई है।

इनमें पत्रकार, यूट्यूबर और पूर्व सैन्य अधिकारी शामिल हैं। ये सजाएं 9 मई 2023 को हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद दर्ज मामलों से जुड़ी हैं, जब इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद उनके समर्थकों ने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए थे। जिन लोगों को सजा सुनाई गई उनमें से ज्यादातर पाकिस्तान से बाहर हैं और कार्यवाही के दौरान पेश नहीं हुए। अभियोजन ने इन सभी पर देश की संस्थाओं के खिलाफ डिजिटल आतंकवाद में शामिल होने का आरोप लगाया है। कहा गया कि इन सभी ने विरोध प्रदर्शनों के दौरान और बाद में हिंसा और अशांति भड़काने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया।

पाक में इमरान खान को समर्थन पड़ा भारी

इन लोगों को मिली सजा

अदालत के फैसले के अनुसार, सजा पाने वालों में पूर्व सैन्य अधिकारी से यूट्यूबर बने आदिल राजा और सैयद अकबर हुसैन, पत्रकार वजाहत सईद खान, साबिर शाकिर और शाहीन सेहबाई, कमेंटेटर हैदर रजा मेहदी और विश्लेषक मोईद पीरजादा शामिल हैं। इन सभी के खिलाफ इस्लामाबाद के रमना और आबपारा पुलिस स्टेशनों में मामले दर्ज किए गए थे।

उम्रकैद के साथ जुर्माना भी

कोर्ट ने उम्रकैद की सजा के साथ-साथ अतिरिक्त जेल की सजा और हर दोषी पर 5 लाख पाकिस्तानी रुपये का जुर्माना भी लगाया और आदेश दिया कि जुर्माना नहीं भरा गया तो अतिरिक्त जेल की सजा काटनी होगी।

कुश्तीबाजी दिखाने आ रही 'चथा पचा', पोस्टर जारी...

मुंबई। निर्देशक अध्वैथ नायर की बहुप्रतीक्षित एक्शन-कॉमेडी फिल्म 'चथा पचा' का इंतजार खत्म होने वाला है। निर्माताओं ने फिल्म का पोस्टर जारी करते हुए इसकी रिलीज तारीख से पर्दा उठा दिया है। फिल्म का निर्माण रील वर्ल्ड एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया गया है, जिसे मलयालम भाषा के अलावा हिंदी, तमिल, कन्नड़ और तेलुगु में रिलीज किया जाएगा। अर्जुन अशोकन, रोशन मैथ्यू और विशाक नायर अभिनीत 'चथा पचा' के हिंदी वर्जन की जिम्मेदारी करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन ने उठाई है। 'चथा पचा' की कहानी, केरल की कुश्ती संस्कृति पर आधारित है, जिसके संगीत की जिम्मेदारी दिग्गज तिकड़ी शंकर, एहसान, लॉय ने संभाली है।

लाइफ Style

मलविका

'सालार' को लेकर किया खुलासा

एजेंसी ⏭ मुंबई

साउथ सुपरस्टार प्रभास अपनी आगामी फिल्म 'द राजा साब' को लेकर चर्चा में छाए हैं। इसमें उन्हें हॉरर के साथ रोमांस का तड़का लगाते हुए भी देखा जाएगा। अभिनेत्री मालविका मोहनन, निधि अग्रवाल और रिद्धि कुमार भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।

साउथ सुपरस्टार प्रभास अपनी आगामी फिल्म 'द राजा साब' को लेकर चर्चा में छाए हैं। इसमें उन्हें हॉरर के साथ रोमांस का तड़का लगाते हुए भी देखा जाएगा। अभिनेत्री मालविका मोहनन, निधि अग्रवाल और रिद्धि कुमार भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म प्रमोशन के दौरान मालविका ने एक दिलचस्प खुलासा किया। उन्होंने बताया कि प्रभास के साथ उनकी पहली फिल्म 'सालार' हो सकती थी। बता दें कि प्रशांत नील द्वारा निर्देशित इस फिल्म में श्रुति हासन नजर आई थीं। रिपोर्ट के मुताबिक, मालविका ने बातचीत में बताया कि उनकी पहली तेलुगु फिल्म 'सालार' होती, क्योंकि निर्देशक ने उनसे संपर्क किया था। उन्होंने कहा, 'मास्टर' की रिलीज के बाद मुझे फोन आया कि प्रशांत, प्रभास संग एक फिल्म बना रहे हैं और मुझसे मिलना चाहते हैं। मैं उनसे मिली और सबकुछ ठीक रहा, लेकिन किसी कारणवश बात नहीं बनी। अब 'द राजा साब' के साथ ऐसा मुमकिन हुआ है और मैं प्रभास सर के साथ काम कर रही हूं। 'द राजा साहब' में मालविका, 'भैरवी' नाम का एक किरदार निभाती हुए दिखाई देंगी। उन्होंने इस बारे में बात करते हुए कहा, मारुति सर ने मुझे बताया है कि दर्शक मुझे फिल्म में कई अवतारों में देखेंगे।

हॉलीवुड मसाला

नूपुर और स्टेबिन ने की सगाई

लॉस एंजिल्स। नूपुर सानोन ने सिंगर स्टेबिन बेन से अपनी सगाई की ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर दी है। यह खबर इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही है जिसमें तस्वीरें दिखाई गईं। कई फोटो में वह अपनी खूबसूरत सगाई की अंगूठी को प्रॉडली फ्लॉन्ट कर रही हैं। ये ड्रीमी प्रपोजल एक खूबसूरत से व्यू के साथ याच में हुआ, जिसने इस मौके को किसी परी कथा जैसा बना दिया। वहां 'क्या तुम मुझसे शादी करोगी?' लिखा हुआ एक बड़ा सा होर्डिंग लगा था, जो पूरे माहौल को रोमांटिक फिल्म के सीन जैसा बना रहा था।

उत्पीड़न के आरोपों को विल ने बताया झूठा और बेबुनियाद

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड के चर्वित एक्टर विल स्मिथ पर ब्रायन किंग जोसेफ नाम के वायलिन प्लेयर ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगाकर सनसनी फैला दी है। अब इस मामले पर विल स्मिथ ने भी चुप्पी तोड़ी है। वह वायलन प्लेयर के आरोपों को झूठा बता रहे हैं। विल स्मिथ के वकील एलेन ग्रोडस्की ने एक्टर पर लगे सभी आरोपों को बेबुनियाद बताया है। वह इन आरोपों को झूठा और गैर-जिम्मेदाराना बताते हैं। वकील ने यह भी कहा कि विल स्मिथ इन आरोपों का कानूनी तरीके से जवाब देंगे। एक्टर इस मामले की पूरी सच्चाई सामने लाएंगे। ब्रायन किंग जोसेफ ने 'बेस्ड ऑन अ टू स्टोरी 2025' टूर के दौरान स्मिथ के साथ परफॉर्मेंस दी थी। उन्होंने हाल ही में लॉस एंजिल्स की एक अदालत में अभिनेता और उनकी मैनेजमेंट फर्म ट्रेबॉल स्टूडियोज मैनेजमेंट के खिलाफ मुकदमा दायर किया है।

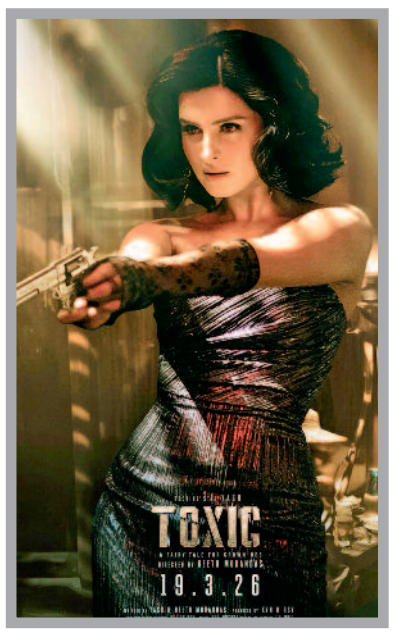

'टॉक्सिक' में पहली बार देखेंगे ऐसा रूप

मुंबई। फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर दर्शकों का उत्साह चरम पर है। फिल्म के कलाकारों की एक के बाद एक झलकियों ने इस उत्साह को और भी बढ़ा दिया है। अब तारा सुतारिया का दमदार और अनोखा लुक सामने आया है, जिससे इस फिल्म की उत्सुकता और भी बढ़ गई है। इस नए पोस्टर में तारा एक अनदेखे अवतार में नजर आ रही हैं और इसी के साथ फैंस के लिए 19 मार्च की रिलीज का इंतजार और तेज हो गया है। फिल्म 'टॉक्सिक' की दुनिया बहुत गहरी और रहस्यमयी है, जिसमें चार चांद लगो आ रही हैं तारा उर्फ रेबेका। रेबेका एक आकर्षक, शक्तिशाली और खतरनाक लड़की है, जो खुद की सुरक्षा करना जानती है और अपने फैसलों में सशक्त है। इस फिल्म के जरिए तारा अपनी प्यारी वाली छवि छोड़ एक कठिन, खतरनाक और रहस्यमयी दुनिया में कदम रख रही हैं।

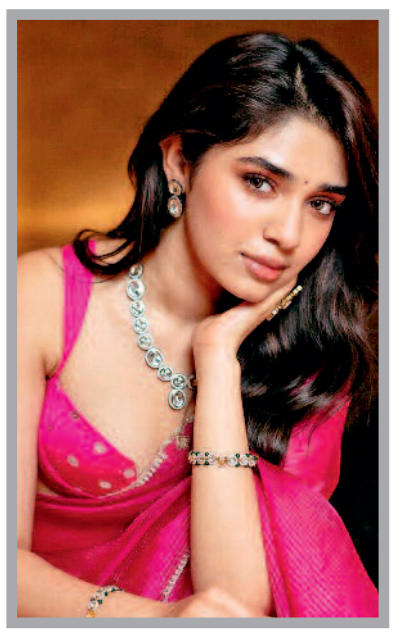

टाइगर के साथ करेंगी बॉलीवुड में डेब्यू

मुंबई। अभिनेत्री कृति शेट्टी दक्षिण सिनेमा में पहचान की मोहताज नहीं हैं। फिलहाल तो वह अपने बॉलीवुड डेब्यू को लेकर खबरों में बनी हैं। ऐसी चर्चा है कि अभिनेता टाइगर श्रॉफ ने 'मस्ती 4' के निर्देशक मिलाप जावेरी से हाथ मिलाया है। दोनों एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म के लिए साथ आए हैं, जिसे टी-सीरीज प्रोड्यूस करेगा। इस फिल्म के लिए कृति का नाम सामने आया है। इन खबरों पर अभिनेत्री ने खुद प्रतिक्रिया दी और बॉलीवुड डेब्यू को लेकर बात की है। रिपोर्ट के मुताबिक, टाइगर और मिलाप की फिल्म के लिए कृति से संपर्क तो किया गया, लेकिन अनुबंध पर हस्ताक्षर अभी नहीं किए गए हैं। जब अभिनेत्री से पूछा गया तो उन्होंने कहा, मुझे कुछ प्रस्ताव तो मिले थे, लेकिन कभी-कभी तारीखें मेल नहीं खाती थीं और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का काम करने का तरीका बहुत अलग है।

टीवी मसाला

नए साल में तहलका मचाने आ रहे कई रियलिटी शो...

मुंबई। नए साल में दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए टीवी की दुनिया तैयार है। कई भारतीय रियलिटी शो आने के लिए कमर कस चुके हैं। इनमें से कुछ शोज ऐसे हैं, जो पिछले कई साल से लोगों का प्यार बटोरते आ रहे हैं। एक नाम अक्षय कुमार का भी है। 'खतरों के खिलाड़ी' के कुछ सीजन करने के बाद अभिनेता फिर टीवी की दुनिया पर राज करने लौट रहे हैं। आइए, जानते हैं इन आगामी रियलिटी शो के बारे में।

'मास्टरशेफ इंडिया 9' और 'शार्क टैंक इंडिया 5' : सोनी लिव का लोकप्रिय कुकरी शो 'मास्टरशेफ इंडिया' 9वें सीजन के साथ लौट रहा है। 5 जनवरी, 2026 से इस शो का प्रसारण किया जाएगा। दिलचस्प बात ये है कि नए सीजन में मशहूर शेफ की तिकड़ी यानी शेफ रणवीर बरार, विकास खन्ना और कुणाल कपूर एक साथ आ रहे हैं। कम समय में सबसे जल्दी चर्चित होने वाला रियलिटी शो 'शार्क टैंक इंडिया' अपने 5वें सीजन के साथ दस्तक दे रहा है। यह भी 5 जनवरी से शुरू होगा।

'स्प्लिट्सविला 16' और 'द 50' : सनी लियोनी और करण कुंद्रा का रियलिटी शो 'स्प्लिट्सविला' कई साल से लोगों का पसंदीदा बना हुआ है। अब यह शो अपने 16वें सीजन के साथ लौट रहा है। इसे 9 जनवरी, 2026 से जियो हॉटस्टार और एमटीवी पर टेलीकास्ट किया जाएगा। दूसरी तरफ जियो हॉटस्टार पर नया रियलिटी शो 'द 50' दस्तक देने को तैयार है। निर्माताओं ने इसकी रिलीज तारीख का ऐलान नहीं किया है, लेकिन अटकलें हैं कि यह फ्रेंच सीरीज 'लेस सिंकुआंटे' पर आधारित होगा।

'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' और 'खतरों के खिलाड़ी 15' : 'खिलाड़ी कुमार' नाम से मशहूर, अक्षय को प्रशंसक नए रियलिटी शो में देखेंगे, जिसका नाम 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' है। सोनी लिव पर आने वाले इस शो की स्ट्रीमिंग तारीख अभी नहीं आई है। इसकी थीम हैंगमैन खेल पर आधारित होगी।

'धुरंधर' वाला पैंतरा अपनाने चले शाहरुख और भंसाली

मुंबई। रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' का असर सिर्फ दर्शकों पर नहीं, बल्कि फिल्म निर्माताओं पर भी दिख रहा है। इसके सीक्वल 'धुरंधर 2' (19 मार्च) को देखते हुए कई फिल्मों की रिलीज तारीख बदलने की भी चर्चा है। अक्षय कुमार की 'भूत बंगला' और 'आवारापन 2' की रिलीज (अप्रैल, 2026) तारीख बदली जा सकती है, वहीं कुछ फिल्म निर्माता 'धुरंधर' के 'सीक्वल' वाला पैंतरा अपनाने की सोच रहे हैं। इसमें बहुप्रतीक्षित फिल्म 'किंग' और 'लव एंड वार' शामिल है।

2 किस्तों में रिलीज हो सकती है 'किंग' : शाहरुख खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'किंग' का निर्माण जोर-शोर से चल रहा है। निर्माता इसमें कोई भी कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। कुछ ऐसी ही अपेक्षाएं संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वार' से हैं, जिसमें आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और विक्की कौशल हैं। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्र ने बताया है कि दोनों ही फिल्मों को 2 भागों में बांटकर 6 महीने से कम के अंतराल में रिलीज करने पर विचार किया जा रहा है।

2027 तक रिलीज किए जाने की योजना : सूत्र ने आगे बताया कि 'लव एंड वॉर' अगस्त, 2026 और जनवरी, 2027 में रिलीज हो सकती है, वहीं 'किंग' सितंबर, 2026 और मार्च, 2027 में रिलीज करने पर विचार चल रहा है। हालांकि, ऐसा तभी होगा, जब दोनों दिग्गजों के पास अपनी-अपनी फिल्मों को 2 भागों में दिखाने के लिए पर्याप्त फुटेज होंगे। कुछ फिल्म निर्माता 'सीक्वल' वाले फॉर्मूले को अपनाने के लिए लंबी-लंबी स्क्रिप्ट भी लिख रहे हैं। खैर इन अटकलों पर अभी आधिकारिक बयान नहीं आया है।

बीते साल चला साउथ के इन सितारों का सिक्का, मिलकर लूटे 2,200 करोड़

__मुंबई।__ बीते साल आई साउथ की कई फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त धमाल मचाया। साउथ के सितारों की इन फिल्मों ने न सिर्फ दर्शकों का दिल जीता, बल्कि कमाई के मामले में भी नए रिकॉर्ड बनाए। इन सभी सितारों ने मिलकर बॉक्स ऑफिस पर करीब 2,200 करोड़ रुपये का शानदार कारोबार किया। आइए जानें कौन हैं दक्षिण भारतीय सिनेमा के वो सितारे या कौन-सी हैं वो फिल्में, जिन्होंने 2025 में बॉक्स ऑफिस पर धमाका किया।

ऋषभ शेट्टी (कांतारा: चैप्टर 1) - ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा: चैप्टर 1' ने 2025 में बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी थी। गांव की लोककथाओं, रहस्यमय वनों और परंपराओं पर आधारित इस फिल्म ने अपने दमदार एक्शन, विजुअल्स और कहानी के जरिए साउथ बॉक्स ऑफिस पर खूब राज किया। रिलीज होते ही फिल्म दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बन गई और देखते ही देखते ब्लॉकबस्टर बन गई। नेटफ्लिक्स पर मौजूद 30 करोड़ के बजट में फिल्म ने दुनियाभर में 900 करोड़ रुपये कमाए थे।

कल्याणी प्रियदर्शन (लोकाह चैप्टर 1: चंद्रा) - 'लोकाह चैप्टर 1: चंद्रा' 2025 की बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्म बनकर उभरी, जिसकी नायिका कल्याणी प्रियदर्शन थीं। इस मलयालम भाषा की सुपरहीरो थ्रिलर फिल्म का निर्देशन डोमिनिक अरुण ने किया था और इस पर पैसे दुलकर सलमान ने लगाए थे। फिल्म ने 28 अगस्त, 2025 को रिलीज होते ही टिकट खिड़की पर तहलका मचा दिया था। 30 करोड़ रुपये इस फिल्म को बनाने में खर्च हुए थे और इसकी कमाई थी 300 करोड़ रुपये।

रजनीकांत (कुली) : रजनीकांत की फिल्म 'कुली' ने भी खूब धमाल मचाया था। फिल्म में रजनीकांत एक दमदार और प्रभावशाली किरदार में नजर आए थे, जिसे उनके प्रशंसकों ने खूब सराहा। एक्शन, स्टाइल और सुपरस्टार रजनीकांत की करिश्माई मौजूदगी ने फिल्म को खास बना दिया। लोकेश कनगराज के निर्देशन में बनी इस फिल्म में श्रुति हासन और नागार्जुन अक्किनेनी भी थे। 350 करोड़ के बजट वाली 'कुली' ने 514 करोड़ रुपये कमाए थे।

वेंकटेश दग्गुबाती (संक्रांतिकी वस्थूनम), मोहनलाल (L2: एम्पुरान) : वेंकटेश दग्गुबाती की फिल्म 'संक्रांतिकी वस्थूनम' ने संक्रांति के मौके पर बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया। फिल्म में वेंकटेश ने सबका दिल जीत लिया, वहीं इस कॉमेडी ड्रामा फिल्म की कहानी भी दर्शकों को बेहद पसंद आई।

'केबीसी 17': अमिताभ की आंखें नम, बोले- ये तालियां कल किसी और के लिए बजेंगी

__मुंबई।__ टीवी के सबसे लोकप्रिय शो 'कौन बनेगा करोड़पति' का 17वां सीजन अपने भव्य फिनाले के साथ यादगार एहसासों के बीच समाप्त हो चुका है। फिनाले के अंत में बॉलीवुड के शहंशाह और इस शो के होस्ट अमिताभ बच्चन भावुक हो गए। करीब 2 दशकों से इस शो का चेहरा बने अमिताभ ने दर्शकों के साथ अपने गहरे जुड़ाव और यादगार पलों को याद किया। उनकी विदाई ने न केवल टीवी पर दर्शकों, बल्कि उनके लाखों-करोड़ों फैंस को भावुक कर दिया।

ये विदाई नहीं, जुदाई है : *अमिताभ ने जब विदाई पर बात करनी शुरू की तो उनकी आवाज भर्राई हुई थी और आंखों में नमी साफ दिखाई दे रही थी। उनके शब्दों ने करोड़ों दर्शकों के दिलों को छू लिया। उन्होंने भारी आवाज में कहा, देवियों और सज्जनों, अब ये दौर समाप्त होता है। वैसे तो शो के कई दौर शुरू होते हैं और खत्म हो जाते हैं, लेकिन हमारे इस मंच पर शो की विदाई नहीं, बल्कि जुदाई होती है।*

अमिताभ को मिला स्टैंडिंग ओवेशन

प्रतियोगियों के संघर्ष और शो के ऐतिहासिक पलों का वीडियो देख अमिताभ की आंखें भर आईं। वीडियो खत्म हुआ, जोरदार तालियों से अमिताभ को 'स्टैंडिंग ओवेशन' दिया गया। बिग बी ने सबका धन्यवाद कर कहा, इन यादों और मुस्कुराहटों के बीच अब विदा लेने का समय आ गया है। विदाई के वक्त अक्सर शब्द कम पड़ जाते हैं और जब शब्द कम पड़ें तो संगीत का सहारा लेना चाहिए, क्योंकि संगीत के सुर सीधे दिल के तारों को जोड़ते हैं।

बिग बी का भावुक अलविदा

अमिताभ के इन शब्दों ने सबको भावुक कर दिया। उन्होंने कहा कि 'केबीसी' सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि उम्मीद और रिश्तों का सफर है। इस सफर के खत्म होने के साथ पीछे छूट गईं अनगिनत कहानियां और सपने, जिन्होंने देशभर के लोगों को प्रेरित किया।

जब मैं रोया, आप भी मेरे साथ रोए

अमिताभ ने दर्शकों से कहा, कभी-कभी हम किसी पल को इतना जीते हैं कि जब वो खत्म होता है तो लगता है जैसे अभी शुरू ही हुआ था। अपनी जिंदगी का एक तिहाई से भी ज्यादा समय आप सभी के साथ बिताना उनके लिए बहुत बड़ा सम्मान है। बिग बी बोले, जब भी मैं हंसा, आप मेरे साथ हंसे, जब मैं रोया, आप भी मेरे साथ रोए। आप शुरू से लेकर अंत तक इस सफर का अहम हिस्सा रहे हैं।

भारत की स्वदेशी रक्षा प्रणाली पिछले एक दशक में 'आयात निर्भरता' से 'आत्मनिर्भरता' की ओर तीव्रतापूर्वक बढ़ी है। देश ने रक्षा क्षेत्र में न केवल अपनी तकनीकी व प्रौद्योगिकीय क्षमता को सिद्ध किया है, बल्कि हमारा देश वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख रक्षा निर्यातक के रूप में भी उभरा है। ब्रह्मोस दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है। भारत अब इसके हाइपरसोनिक संस्करण ब्रह्मोस-दो पर काम कर रहा है, जो मैक 7 से अधिक गति प्राप्त करने में सक्षम है। सन् 2029 तक रक्षा सामग्री उत्पादन का लक्ष्य तीन लाख करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है। रक्षा सामग्री का कुल निर्यात 23,622 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जिसमें विगत वर्ष की तुलना में बारह फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। ब्रह्मोस मिसाइल जैसे सौदे और स्वदेशी उत्पादन पर फोकस किए जाने के कारण आज भारत डिफेंस सेक्टर में ग्लोबल पावर बन कर उभर रहा है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम 'सुदर्शन चक्र' के सफल परीक्षण से हमारे पारंरिक शत्रु सकते में हैं। भारतीय रक्षा व्यवस्था के लिए जिस तेजी के साथ स्वदेश में ही आधुनिकतम अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण कार्य आरंभ किया गया है, यकीनन वह दिन दूर नहीं है, जब भारत रक्षा क्षेत्र के उत्पादन में अपने पैरों पर पूर्णतया खड़ा हो जाएगा। भारत की रक्षा क्षेत्र में इसी उपलब्धि का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

रक्षा उत्पादन का स्वदेशीकरण

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

वरिष्ठ स्तंभकार

भारत की रक्षा व्यवस्था के जटिल यक्ष प्रश्न की विवेचना करनी है तो फिर सबसे पहले अत्यंत शक्तिशाली चीन की सैन्य चुनौती हमारे समक्ष उपस्थित हो जाती है। सन् 1947 में आजादी हासिल करने के पश्चात शांति और अहिंसा का परचम लहराते हुए तत्काल तौर पर भारतीय हुकूमत द्वारा अपनी रक्षा व्यवस्था पर समुचित ध्यान केंद्रित नहीं किया गया था। परिणामस्वरूप 1962 में विस्तारवादी फितरत के चीन द्वारा जब भारत पर भीषण आक्रमण अंजाम दिया गया तो फिर भारत को शर्मनाक तौर पर सैन्य पराजय का सामना करना पड़ा। इस ऐतिहासिक पराजय के तत्पश्चात भारत ने अपनी रक्षा व्यवस्था पर समुचित ध्यान देना प्रारंभ किया और सन् 1965 के भारत-पाक युद्ध में भारत ने अपनी फतह का झंडा लहरा दिया। भारत वस्तुतः पाकिस्तान को चार विकट युद्धों में पराजित कर चुका है। यहां तक कि सन् 1971 में बांग्लादेश युद्ध में पाकिस्तान को दो भागों में विभाजित भी कर चुका है। विगत तकरीबन 36 वर्षों से कश्मीर में पाकिस्तान द्वारा संचालित प्रॉक्सी वार का भी अत्यंत कामयाबी से मुकाबला कर रहा है। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सैन्य शक्ति ने पाकिस्तान में संचालित आतंकवादी शिविरों को नष्ट करने में जबरदस्त कामयाबी हासिल की है।

2026 में भारत अपने गतिशील कदमों से आगे बढ़ रहा है, किंतु सन् 2025 को भारतीय रक्षा व्यवस्था के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष के तौर पर सदैव स्मरण किया जाएगा, क्योंकि इस वर्ष को आधिकारिक तौर पर रक्षा क्षेत्र में बुनियादी सुधारों का वर्ष घोषित किया गया था। रक्षा क्षेत्र में देश ने आत्मनिर्भरता, ऑपरेशनल स्वायत्तता, रिकॉर्ड तोड़ उत्पादन, रक्षा सामग्री के निर्यात और संस्थागत सुधारों में अभूतपूर्व प्रगति प्राप्त की है। रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी विनिर्माण और वैश्विक रक्षा कूटनीति में इस वर्ष ने एक सुरक्षित, आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत की एक शानदार और आकर्षक तस्वीर पेश की है।

विदेशी सैन्य निर्भरता

आजादी के तत्पश्चात एक लंबे ऐतिहासिक दौर तक भारत को अपनी सेना के लिए आधुनिकतम सैन्य अस्त्र शस्त्रों की खातिर विदेशी सैन्य शक्तियों पर, विशेष कर सोवियत रूस पर निर्भर बना रहना पड़ा। लड़ाकू विमानों से लेकर टैंक, तोप, बारुद तक भारत की सैन्य निर्भरता रूस पर कायम रही। भारत में सन् 1988 में सोवियत रूस में निर्मित मिसाइल पृथ्वी का कामयाब परीक्षण किया गया। सन् 1990 में सोवियत रूस में निर्मित मिसाइल आकाश का सफल परीक्षण किया गया और वर्ष 2008 में इसे भारतीय वायु सेना को प्रदान किया गया। सन् 2001 में भारत द्वारा रूस के टेक्नोलॉजिकल सहयोग

से निर्मित की गई ब्रह्मोस मिसाइल को भारतीय रक्षा व्यवस्था में शामिल किया गया। 21वीं शताब्दी के प्रारंभिक काल से ही भारत ने अपनी रक्षा उद्योगों में आधुनिकतम अस्त्र शस्त्रों के स्वदेश में ही निर्माण का कार्य प्रारंभ किया। भारत के डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ) द्वारा भारतीय रक्षा व्यवस्था के लिए आधुनिकतम अस्त्र शस्त्रों के निर्माण में विशिष्ट किरदार निभाया गया है। सैन्य रक्षा उद्यमों में रक्षा सामग्री का स्वदेश में निर्माण करने के अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य में भारत सरकार द्वारा प्राइवेट सेक्टर को भी निवेश करने की अनुमति प्रदान कर दी गई।

एयर डिफेंस सिस्टम

26 जनवरी 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा डिफेंस मिशन सुदर्शन चक्र के तहत रूस द्वारा प्रदत एयर डिफेंस सिस्टम एस-400 का भारत में ही निर्माण करने का ऐलान किया गया। उल्लेखनीय है कि रूस द्वारा सन् 2018 में भारत को एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम निर्माण टेक्नोलॉजी के साथ प्रदत्त किया गया था। अमेरिका द्वारा इजराइल को प्रदत्त आयरन डोम की तुलना में एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम रक्षा विशेषज्ञों द्वारा कहीं अधिक कारगर करार दिया जाता है। भारत और इजराइल रक्षा सहयोग के तहत बराक-8 और स्पाइडर मिसाइल प्रोजेक्ट स्थापित किए जा रहे हैं। 2026 में भारत अपने गतिशील कदमों से अग्रसर हो रहा है, किंतु सन् 2025 को भारतीय रक्षा व्यवस्था के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष के तौर पर सदैव स्मरण किया जाएगा, क्योंकि इस वर्ष को आधिकारिक तौर पर रक्षा क्षेत्र में बुनियादी सुधारों का वर्ष घोषित किया गया था। रक्षा क्षेत्र में भारत द्वारा आत्मनिर्भरता, ऑपरेशनल स्वायत्तता, रिकॉर्ड तोड़ उत्पादन, रक्षा सामग्री के निर्यात और संस्थागत सुधारों में अभूतपूर्व प्रगति प्राप्त की है। रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी विनिर्माण और वैश्विक रक्षा कूटनीति में इस वर्ष ने एक सुरक्षित, आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत की एक शानदार और आकर्षक तस्वीर पेश की है।

रक्षा उत्पादन उच्च स्तर पर

वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत का रक्षा उत्पादन सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचकर 1.51 लाख करोड़ रुपये हो गया, जोकि पिछले वर्ष की तुलना में अट्ठारह फीसदी अधिक रहा और वित्तीय वर्ष 2019-20 की तुलना में नब्बे फीसदी की वृद्धि हासिल की है। रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने सत्तर फीसदी का योगदान दिया, जबकि निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी बढ़कर तेईस फीसदी हो गई। रक्षा सामग्री का कुल निर्यात 23,622 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जिसमें विगत वर्ष की तुलना में बारह फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। जिसमें निजी क्षेत्र और डीपीएसयू द्वारा क्रमशः 15,233 करोड़ रुपये और 8,389 करोड़ रुपये का योगदान रहा। सन् 2029 के लिए रक्षा सामग्री के निर्यात लक्ष्य 50,000 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में रक्षा मंत्रालय को रिकॉर्ड 6.81 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जोकि पिछले वर्ष की तुलना में दस फ़ीसदी अधिक और कुल बजट का चौदह फ़ीसदी हैं, जोकि सभी मंत्रालयों में सबसे अधिक है। पूंजीगत व्यय 1.80 लाख करोड़ रुपये था, जिसमें से 75 फीसदी (1.12 लाख करोड़ रुपये घरेलू खरीद के लिए और 28,000 करोड़ रुपये निजी उद्योग के लिए आरक्षित रहे। सुधारों के सन् 2025 के लक्ष्य के अनुरूप ही सन् 2026 में भी रक्षा उद्योगों के स्वदेशीकरण और आधुनिकतम प्रौद्योगिकी के समावेश का लक्ष्य रखा गया है। 23 अक्टूबर को जारी और एक नवंबर से लागू होने वाले डिफेंस प्रोक्योरमेंट मैनुअल 2025 ने सालाना लगभग एक लाख करोड़ रुपये की रेवेन्यू प्रोक्योरमेंट प्रक्रियाओं को भी आसान बनाया गया है। रक्षा मंत्रालय द्वारा हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को 62,370 करोड़ रुपये में 97 एलसीए विमानों के निर्माण करने का ऑर्डर दिया गया है, मिसाइलों, रडारों और गोला-बारूद के लिए डिफेंस पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग के साथ कई रक्षा अनुबंध किए गए हैं।

एरो इंडिया का आयोजन

सन् 2029 तक रक्षा सामग्री उत्पादन का लक्ष्य तीन लाख करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है। नई दिल्ली में डिफेंस पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग-डीपीएसयू-भवन का उद्घाटन अंजाम दिया गया और बेंगलुरु में एरो इंडिया 2025 का सफल आयोजन किया गया । भारतीय रक्षा व्यवस्था के लिए जिस तेजी के साथ स्वदेश में ही आधुनिकतम अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण कार्य आरंभ किया गया है, यकीनन वह दिन दूर नहीं है, जबकि भारत रक्षा क्षेत्र के उत्पादन में अपने पैरों पर पूर्णतया खड़ा हो जाएगा

उल्लेखनीय है स्वदेशी रक्षा प्रणाली की प्रगति

मुद्दा

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र स्तंभकार

आधुनिक युग में विश्व के किसी भी राष्ट्र की महत्ता जिन शक्तिशाली संसाधनों के आधार पर निर्धारित होती है, उनमें युद्धक अस्त्र-शस्त्र प्रथम हैं। भारत के संदर्भ में विचार किया जाए तो गत साढ़े आठ दशकों से इस दिशा में यहां उत्तरोत्तर प्रगति होती रही। हमारे रक्षा वैज्ञानिकों, अनुसंधानकर्ताओं तथा अन्यान्य संबद्ध कर्मचारियों ने राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ मिलकर इस संबंध में अविस्मरणीय कार्य किए हैं। विशेषकर गत चौदह-पंद्रह वर्षों में रक्षा अनुसंधान, निर्माण, उत्पादन, मित्र राष्ट्रों के साथ सहयोग पर आधारित आधुनिक रक्षण प्रणालियों की खोज व निर्माण तथा अंततः रक्षा उपकरणों के निर्माण में आत्मनिर्भर होने के बाद निर्यात में भी अग्रिम पंक्ति के देशों में सम्मिलित होने की उपलब्धि सराहनीय है। भारत की स्वदेशी रक्षा प्रणाली पिछले एक दशक में 'आयात निर्भरता' से 'आत्मनिर्भरता' की ओर तीव्रतापूर्वक बढ़ी है। सन् 2025 तक भारत ने रक्षा क्षेत्र में न केवल अपनी तकनीकी व प्रौद्योगिकीय क्षमता को सिद्ध किया है, बल्कि हमारा देश वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख रक्षा निर्यातक के रूप में भी उभरा है। आज यहां आधुनिक अस्त्र-शस्त्रों का बड़े पैमाने पर नवोन्नत ढंग से निर्माण हो रहा है। नित नवीन स्वदेशी रक्षा प्रणालियां विकसित की जा रही हैं। इस क्षेत्र में मित्र देशों के साथ खोज से लेकर उत्पादन तक उपयोगी साझेदारियां भी की जा रही हैं। वर्तमान में देश की आधुनिक प्रक्षेपास्त्र (मिसाइल) प्रणाली एक बड़ी उपलब्धि है। यह प्रक्षेपास्त्रीय तकनीक विश्व की सबसे उन्नत प्रणालियों में से एक है। इस उन्नतिकरण में 'इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलपमेंट प्रोग्राम' की विशाल भूमिका रही है। इसके अंतर्गत अग्नि-5 और अग्नि-6 अति उल्लेखनीय है। इस वर्ष तक भारत की अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता अत्यधिक परिष्कृत हो चुकी है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित अग्नि-5 की मारक क्षमता 5000 किलोमीटर से अधिक है। इस प्रयास से प्रेरित होकर अब अग्नि-6 का निर्माण हो रहा है, जो मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल रीएंट्री व्हीकल तकनीक से युक्त है। गत वर्ष मई माह में ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के साथ हुए अल्पावधि के युद्ध में देशवासियों ने ब्रह्मोस प्रक्षेपास्त्र का युद्धक प्रदर्शन देखा ही था। ब्रह्मोस दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है। भारत अब इसके हाइपरसोनिक संस्करण ब्रह्मोस-दो पर काम कर रहा है, जो मैक 7 से अधिक गति प्राप्त करने में सक्षम है। प्रलय मिसाइल का भी उल्लेख हो रहा है। यह एक कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है, जिसे विशेष रूप में पारंपरिक युद्ध के लिए डिजाइन किया गया है। राष्ट्र की वायु रक्षा प्रणाली भी प्रशंसनीय है। शत्रु के वायु मार्गीय आक्रमणों को वायुक्षेत्र में ही नष्ट करने के लिए भारत ने एक बहुस्तरीय सुरक्षा कवच तैयार किया है। इसके अंतर्गत पहले वर्णन आता है आकाश का। यह कम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल है, जिसके नए संस्करण 'आकाश प्राइम' में स्वदेशी एक्टिव रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर लगा है। वीशॉर्ड्स नामक एक मैनपैड मिसाइल भी भारत में बनी है। ये बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली है, जो युद्धक प्रतिरोध के लिये विश्वसनीय होने के साथ-साथ पर्वतों में सैनिकों द्वारा सुगमता से कंधे पर लादकर उपयोग की जा सकती है। समर का उल्लेख भी आवश्यक है। ये भारतीय वायु सेना द्वारा विकसित प्रणाली है, जो पुरानी रूसी मिसाइलों को आधुनिक लॉन्चर के साथ जोड़कर बनाई गई है। इस समय स्वदेशी लड़ाकू विमान और हेलीकॉप्टर के विनिर्माण में भी तेजी आई है। भारतीय वायु सेना 'मेक इन इंडिया' के अंतर्गत विकसित विमानों पर अधिक भरोसा कर रही है। इस शृंखला का महत्वपूर्ण अंग है तेजस। तेजस एमके1ए एवं एमके2 भी नवोन्नत विमान हैं। उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में बन रहे दो रक्षा उत्पादन केंद्रों ने निजी और सरकारी क्षेत्र के निर्माण को गति दी है। भारत ने वित्त वर्ष 2024-25 में रुपये 21,083 करोड़ का ऐतिहासिक रक्षा निर्यात किया, जो गत वर्ष की तुलना में 32.5 प्रतिशत अधिक है। भारत अब 80 से अधिक देशों को रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है। भारतीय शासन ने 2024-25 तक रक्षा उत्पादन का लक्ष्य 1.75 लाख करोड़ रखा था, जिसमें 35,000 करोड़ का निर्यात लक्ष्य सम्मिलित है, जिसे पाने की दिशा में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। शासन ने 5,000 से अधिक रक्षा मदों की 'सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची' निर्गत की है। इन मदों का निर्माण अब केवल भारत में ही किया जाएगा।

इस वर्ष तक भारत की अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता अत्यधिक परिष्कृत हो चुकी है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित अग्नि-5 की मारक क्षमता 5000 किलोमीटर से अधिक है।

स्वदेशी मिसाइल शक्ति ने बदली सामरिक तस्वीर

तकनीक

कांतिलाल मांडोत

स्वतंत्र पत्रकार

साल के आखिरी दिन ओडिशा के तट पर आसमान में जो दृश्य उभरा, उसने भारत की सामरिक क्षमता को एक नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया। कुछ ही सेकंड के अंतर पर दागी गईं दो प्रलय मिसाइलें न सिर्फ अपने तय लक्ष्यों तक सटीकता के साथ पहुंचीं, बल्कि यह भी साबित कर दिया कि भारत की स्वदेशी रक्षा तकनीक अब परिपक्वता के उस स्तर पर पहुंच चुकी है, जहां भरोसे, सटीकता और ताकत एक साथ दिखाई देती है। परीक्षण के बाद जो निष्कर्ष सामने आया, उसने रक्षा वैज्ञानिकों और सशस्त्र बलों के आत्मविश्वास को और मजबूत किया। प्रलय मिसाइल पूरी तरह स्वदेशी है और सॉलिड फ्यूल पर आधारित है। यह तथ्य अपने आप में अहम है, क्योंकि सॉलिड फ्यूल मिसाइलें त्वरित प्रतिक्रिया, आसान रखरखाव और अधिक विश्वसनीयता के लिए जानी जाती हैं। इस मिसाइल में अत्याधुनिक इनर्शियल नेविगेशन सिस्टम के साथ रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर लगाया गया है, जो उड़ान के दौरान उसे अपने रास्ते से भटकने नहीं देता। यही वजह है कि प्रलय तय लक्ष्य तक बिल्कुल सही दिशा में पहुंचती है और अंतिम क्षणों में भी सटीकता बनाए रखती है। आधुनिक युद्ध में जहां सेकंडों का महत्व होता है, वहां यह क्षमता निर्णायक साबित हो सकती है। इसकी तेज रफ्तार के कारण दुश्मन को प्रतिक्रिया का मौका तक नहीं मिल पाता। जब तक यह समझ में आए कि हमला हुआ है, तब तक लक्ष्य पर विनाशकारी असर हो चुका होता है। यही कारण है कि प्रलय को थिएटर लेवल की बैलिस्टिक मिसाइल के तौर पर देखा जा रहा है, जो पारंपरिक और आधुनिक दोनों तरह के युद्ध परिदृश्यों में भारत को बढ़त दिला सकती है। यह स्पष्ट है कि भारत अब केवल आयातक देश नहीं रहा, बल्कि रक्षा तकनीक के क्षेत्र में नवाचार करने वाला और समाधान देने वाला देश बन रहा है। दुश्मन देशों के लिए यह संदेश साफ है कि भारत अपनी सुरक्षा को लेकर किसी भी तरह की ढिलाई बरतने वाला नहीं है। प्रलय जैसी मिसाइलें यह साबित करती हैं कि अगर जरूरत पड़ी, तो भारत तेजी से और सटीक जवाब देने में सक्षम है। यही कारण है कि इस परीक्षण के बाद दुश्मन देशों की भृकुटियां तनना स्वाभाविक है। यह सिर्फ एक मिसाइल का सफल परीक्षण नहीं, बल्कि भारत की सामरिक दृढ़ता और तकनीकी क्षमता का सार्वजनिक प्रदर्शन है। आने वाले समय में जब प्रलय मिसाइल आधिकारिक तौर पर सेना में शामिल होगी, तो यह भारतीय सशस्त्र बलों की मारक क्षमता को एक नई धार देगी। देश के वैज्ञानिक और सैनिक मिलकर भारत की सुरक्षा को मजबूत बनाने में लगातार जुटे हुए हैं। साल के आखिरी दिन हुआ यह परीक्षण नए साल के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि भारत आत्मनिर्भर रक्षा शक्ति के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

यह स्पष्ट है कि भारत अब केवल आयातक देश नहीं रहा, बल्कि रक्षा तकनीक के क्षेत्र में नवाचार करने वाला और समाधान देने वाला देश बन रहा है।

भारतीय रक्षा व्यवस्था की विश्व पटल पर बन रही पहचान

उपलब्धि

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

भारत जैसे देश को युद्ध व लड़ाइयों को लेकर हमेशा तमाम चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन हमेशा ही विजय प्राप्त की। इसका कारण था कि हमारी रक्षा व्यवस्था व सैन्य शक्ति को हम समय-समय पर अपडेट व अपग्रेड करते रहे। हमारे शौर्य का जलवा पूरा विश्व जानता है। देश की रक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने में डीआरडीओ का बड़ा योगदान रहा है। अपने 68 साल के इतिहास में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं।

बीता वर्ष डीआरडीओ के लिए ऐतिहासिक रहा चूंकि 1.30 लाख करोड़ की डील करने में सफलता हासिल की है। यह एक साल में अभी तक का सर्वाधिक आंकड़ा बताया जा रहा है जिसको देखकर विश्व के संपन्न देश भी चौक गए। डिफेंस सेक्टर में भारत ग्लोबल पावर बनता जा रहा है। डीआरडीओ के वैज्ञानिकों का ही कमाल है कि भारत आज के दिन डिफेंस इक्विपमेंट एक्सपोर्टर बन गया है। आज इस उपलब्धि से देश का हर नागरिक खुश है तो वहीं दूसरी ओर विश्व पटल पर हमारी इज्जत बढ़ी है। लगभग दो दशक पूर्व भी कुछ शक्तिशाली देश हमें रक्षा व्यवस्था के आधार पर बेहतरीन नहीं मानते थे। समय बदला तो बाहरी देशों की मिथ्या बदली, चूंकि रक्षा व्यवस्था को लेकर हमारा बजट व सोच बहुत बड़े स्तर पर बढ़ी।

भारत सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कुल रक्षा बजट 6.81 लाख करोड़ रुपये आवंटित किया है, जो पिछले वर्ष के 6.21 लाख करोड़ रुपये से अधिक है और इसमें सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के लिए 1.82 लाख करोड़ के पूंजीगत अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। साथ ही रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। इतने बड़े बजट के साथ हम बलशाली बनकर उभरे हैं। आज हम जनसंख्या के आधार पर प्रथम स्थान पर आते हैं और हमारे देश पर सबकी निगाहें रहती हैं,

भारत सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कुल रक्षा बजट 6.81 लाख करोड़ रुपये आवंटित किया है। इसमें सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के लिए 1.82 लाख करोड़ के पूंजीगत अनुबंध किए हैं।

जिसकी वजह से हमें हर समय चौकन्ना रहना होता है। डीआरडीओ की 68वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान चीफ कामत ने बताया कि सरकार ने वर्ष 2025 में लगभग 1.30 लाख करोड़ रुपये मूल्य की 22 स्वदेशी रक्षा प्रणालियों के लिए 'एक्सेप्टेंस ऑफ नेसेसिटी' प्रदान की है। यह किसी एक वर्ष में दी गई सबसे अधिक मंजूरी है।

इस प्रकरण की सबसे अच्छी बात यह है कि सभी प्रणालियां भारतीय उद्योगों द्वारा निर्मित की जाएंगी, जिससे देश की रक्षा उत्पादन क्षमता को बढ़ावा मिलेगा। डीआरडीओ द्वारा विकसित जिन प्रमुख सिस्टम्स को एओएन मिली है उनमें इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम, कन्वेंशनल बैलिस्टिक मिसाइल सिस्टम, क्विक रिएक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल सिस्टम 'अनंत शास्त्र', लंबी दूरी की हवा से सतह पर मार करने वाली सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, इंटीग्रेटेड ड्रोन डिटेक्शन एंड इंटरडिक्शन सिस्टम एमके-II और हवा से हवा में मार करने वाली 'अस्त्र' एमके-II मिसाइल शामिल हैं। इसके अलावा एंटी-टैंक नाग मिसाइल सिस्टम एमके-2, एडवांस्ड लाइटवेट टॉरपीडो, प्रोसेसर बेस्ड मूरड माइन की नेक्स्ट जनरेशन, एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल वनए, माउंटेन रडार और एलसीए तेजस एमके-1ए के लिए फुल मिशन सिम्युलेटर को भी मंजूरी दी गई है। एओएन रक्षा खरीद प्रक्रिया का पहला और अहम चरण होता है। भारत की सैन्य शक्ति लगातार मजबूत हो रही है। खासकर 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' पहलों के तहत स्वदेशी उत्पादन, गोला-बारूद में आत्मनिर्भरता, उन्नत मिसाइलों (प्रलय, ब्रह्मोस) के सफल परीक्षण, और ड्रोन व नई तकनीक के एकीकरण के कारण जिससे भारत एक बड़ी रक्षा शक्ति के रूप में उभर रहा है और आयात पर निर्भरता कम कर रहा है। अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत सबसे शक्तिशाली सेनाओं में शामिल है और पाकिस्तान टॉप-10 से बाहर हो गया है। भारत के पास बड़ी संख्या में सक्रिय सैनिक, टैंक, विमान और नौसैनिक पोत हैं और यह लगातार अपनी सैन्य क्षमता में भी वृद्धि कर रहा है। आज जरूरत है कि हम अपनी रक्षा व्यवस्था को लगातार अपडेट व अपग्रेड करते रहें।

डीआरडीओ ने दी देश की डिफेंस क्षमता को नई ऊंचाई

योगदान

डॉ. एन. के. सोमानी

स्वतंत्र स्तंभकार

बीते वर्ष ने भारत ने रक्षा क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। भारत को यह उपलब्धि इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम 'सुदर्शन चक्र' (आईएडीडब्लूएएस) के सफल परीक्षण के जरिए हासिल हुई है। आईएडीडब्लूएएस के सफल परीक्षण के बाद न केवल भारत की एयर डिफेस क्षमता नई ऊंचाई पर पहुंच गई है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी बड़ी मजबूती मिली है। अहम बात यह है कि आईएडीडब्लूएएस पूरी तरह से भारत में स्वदेशी तकनीक से तैयार किया गया रक्षा उपकरन है। इस बहु-स्तरीय वायु रक्षा प्रणाली को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा तैयार किया गया है।

इसमें क्विक रिएक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल, एडवांस वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस मिसाइल और लेजर आधारित डायरेक्टेड एनर्जी वेपन शामिल है। यह प्रणाली दुश्मन देशों की ओर से लड़ाकू विमान, हेलिकॉप्टर, ड्रोन और क्रूज मिसाइल से किए गए हमलों को अलग-अलग स्तर पर रोकने और दुश्मन के विमानों को हवा में ही मार गिराने में मदद करती है। खासतौर पर इसमें लगा हाई-पावर लेजर हथियार पलक झपकते ही शत्रु के हवाई लक्ष्यों को नष्ट कर सकता है। इस साल के अंत तक आईएडीडब्लूएएस को सेना में शामिल कर किए जाने की संभावना है।

आईएडीडब्लूएएस के सफल परीक्षण के बाद भारत उन चुनिंदा देशों के क्लब में शामिल हो गया है जिनके पास आधुनिक और बहु-स्तरीय वायु रक्षा प्रणाली मौजूद है। दरअसल भारत को लंबे समय से पश्चिम और उत्तर-पूर्व से सामरिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। पश्चिम में पाकिस्तान और उत्तर-पूर्व में चीन से उसके संबंध तनाव पूर्ण हालात में रहे हैं। भारत के दोनों परम्परगात शत्रुओं के पास आधुनिक लड़ाकू विमान, क्रुज मिसाइलें, बैलिस्टिक मिसाइलें और उच्च तकनीक के ड्रोन सिस्टम का बड़ा जखीरा है। ऐसी स्थिति में भारत एक ऐसी प्रतिरक्षा प्रणाली की आवश्यकता महसूस कर रहा था तो शत्रु देशों के हवाई हमलों को नाकाम कर सके। आईएडीडब्लूएएस 'सुदर्शन चक्र' भारत की इसी सोच का परिणाम है। भारत का सुरक्षा कवच 'सुद्रर्शन चक्र': मिसाइल डिफेंस सिस्टम सुदर्शन चक्र अपनी तकनीकी क्षमताओं के कारण बेहद खास है। यह सिस्टम 2500 किलोमीटर तक की रेंज में पाकिस्तान और चीन से आने वाली मिसाइलों को नष्ट करने में सक्षम

डीआरडीओ ने न केवल आधुनिक हथियारों का अनुसंधान एवं विकास कर देश की सुरक्षा को मजबूत बनाने में योगदान दिया है, बल्कि 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को भी गति दी है।

होगा। सुदर्शन चक्र 150 किलोमीटर की ऊंचाई तक हवा में किसी भी मिसाइल को इटरसेप्ट करने में सक्षम होगा। इसमें आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस और लेजर-गाइडेड सिस्टम जैसी आधुनिक तकनीकों का भी इस्तेमाल हुआ है। यह 5 किलोमीटर प्रति सेंकड की रफ्तार से मिसाइल दाग सकता है और इसकी संरचना एक ग्रांउड-बेस्ट और स्पेस बेस्ड हाइब्रिड सिस्टम पर आधारित है जिसमें सैटेलाइट और रडार नेडवर्क दोनों शामिल है। इसका लक्ष्य दुश्मन की बैलिस्टिक मिसाइल, क्रुज मिसाइल और हाइपरसोनिक हथियारों को निष्क्रिय करना है। इसकी अनुमानित लागत 50,000 करोड़ रूपये बताई जा रही है। कहना गलत नहीं होगा कि सुदर्शन चक्र भारतीय वायु सेना के लिए एक आधुनिक एकीकृत और शक्तिशाली 'आयरन डोम' है, जो देश के संवेदनशील क्षेत्रों और बुनियादी ढांचे की हवाई हमलों से रक्षा करने में मदद करेगा। साल 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार आने के बाद देश की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने व रक्षा क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में तेजी से काम हुआ है। सरकार के इन प्रयासों को गति देने व देश की रक्षा व्यवस्था को दुरस्त करने में डीआरडीओ का बड़ा योगदान रहा है। डीआरडीओं न केवल भारत की रक्षा जरूरतों को पुरा कर रहा है बल्कि भारत के हथियार निर्यात को भी बढ़ा रहा है। वर्तमान में भारत 100 से अधिक देशों का रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है। अमेरिका, फ्रांस और आर्मेनिया प्रमुख खरीददार है। इसके अलावा रूस, इटली, संयुक्त अरब अमीरात, फिलीपींस, सऊदी अरब, स्पेन, अर्जेंटीना, नाइजीरिया, वियतनाम और मॉरिशस भी भारत से हथियार खरीद रहा है। भारत इन देशों को तेजस विमान, आकाश मिसाइल, पिनाक रॉकेट सिस्टम, आर्टिलरी गन और ब्रहमोस जैसी मिसाइलों के साथ-साथ सॉफ्टवेयर व कल-पुर्जे भी निर्यात कर रहा है। डीआरडीओं का योगदानः आर्थिक और सामरिक मोर्चे पर भारत दुनिया की बड़ी ताकत के तौर पर उभर रहा है। सैन्य मोर्चे पर भारत को शक्तिशाली देश बनाने में डीआरडीओं का बड़ा योगदान रहा है। डीआरडीओ ने न केवल आधुनिक हथियारों का अनुसंधान एवं विकास कर देश की सुरक्षा को मजबूत बनाने में योगदान दिया है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के आह्वान को गति देने में भी बड़ी भूमिका निभाई है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि डीआरडीओं ने स्वदेशी रक्षा विनिर्माण को मजबूती देने के लिए कई पहल की है। ब्रहमोस मिसाइल जैसे सौदे और स्वदेशी उत्पादन पर फोकस किए जाने के कारण आज भारत डिफेंस सेक्टर में ग्लोबन पॉवर बन कर उभर रहा है। कोई दो राय नहीं कि इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम 'सुदर्शन चक्र' के सफल परीक्षण से हमारे पारंरिक शत्रु सकते में हैं।

बीते गुरुवार ही नया वर्ष 2026 आरंभ हुआ है। हम सभी की इस बात को लेकर बहुत उत्सुकता है कि इस साल विभिन्न क्षेत्रों में क्या कुछ नया होने वाला है? हमारी लाइफस्टाइल में क्या बदलाव देखने को मिलेंगे? यहां विस्तार से बताया जा रहा है कि इस साल हमारे डेली रूटीन, वर्क कल्चर, डाइट हैबिट, हेल्थ अवेयरनेस और टेक्नोलाइफ में क्या नया होने वाला है?

कवर स्टोरी

संध्या सिंह

इस साल हमारी लाइफस्टाइल होगी हेल्दी-बैलेंस्ड-टेंशनफ्री

साल 2026 की लाइफस्टाइल में जीवन जीने के तरीके में गहरे बदलाव साफतौर पर देखने को मिलेंगे। ये बदलाव सिर्फ सतही फैशन या ट्रेंड के स्तर पर नहीं होंगे बल्कि हमारी सोच, प्राथमिकताओं और जीवन दर्शन के स्तर पर भी दिखेंगे। एक वाक्य में कहा जाए, तो साल 2026 तेज रफ्तार जीवनशैली का नहीं बल्कि संतुलित जीवनशैली का साल होने जा रहा है। आइए क्रमबद्ध ढंग से देखें कि ये बदलाव किस तरह के होंगे।

'ज्यादा' नहीं 'जरूरी' पर होगा फोकस

इस साल लोग ज्यादा चीजों और उपलब्धियों की तरफ न भागकर, जीवन में जरूरी यानी वास्तविक जरूरतों की तरफ फोकस करेंगे। व्यावहारिक तौर पर यह जीवनशैली हमें कम सामान, कम दिखावा और कम चीजों में खुश रहना सिखाएगी। हालांकि इसकी वजह सिर्फ सोच में परिवर्तन नहीं है। इस तरफ बढ़ने की और भी कई वजहें हैं। मसलन, बेतहाशा बढ़ती महंगाई का दबाव, जलवायु संकट, मानसिक थकान और अनिश्चित भविष्य। लब्बोलुआब यह कि इस साल मिनिमलिज्म को अधिकतर लोग अपनाएंगे। लेकिन ऐसा करना मजबूरी नहीं, हमारी समझदारी की वजह से भी होगी।

हेल्थ के प्रति बढ़ेगी अवेयरनेस

कई आंकड़े बताते हैं कि भारतीय लोग, दुनिया में सबसे ज्यादा दवाएं खाते हैं। एंटीबायोटिक दवाएं खाने को तो बहुत सामान्य माना जाने लगा है। दरअसल, हम में से अधिकतर लोग स्वास्थ्य के प्रति सजग नहीं बल्कि ज्यादा चिंतित रहते हैं। लेकिन इस साल हमारी इस सोच में भी बदलाव देखने को मिलेगा। इस साल भारतीय अपने स्वास्थ्य के लिए दवा से ज्यादा दिनचर्या के बदलाव पर जोर देंगे। अच्छी नींद, तनाव से मुक्ति, बेहतर भोजन और भावनात्मक संतुलन पर इस साल हम भारतीय पिछले किसी साल के मुकाबले ज्यादा सहज और सजग रहेंगे, क्योंकि हमारी लाइफस्टाइल में जो तेजी और मारामारी बीते वर्षों में शामिल हुई है, उसके चलते 30 से 40 की उम्र में ही बड़े पैमाने पर भारतीयों में हेल्थ संबंधी समस्याएं देखने को मिल रही हैं। ज्यादातर समय चिंतित रहने के कारण आज 30 से 40 की उम्र में ही बहुत बड़े पैमाने पर भारतीय लोग लाइफस्टाइल डिजीज से पीड़ित हो रहे हैं। कोविड के बाद भारतीयों में बीमारी के प्रति डर और स्वास्थ्य के प्रति चेतना में बढ़ोत्तरी हुई है, जिसका परिणाम यह हुआ है कि अब लोग आयुर्वेद और वेलनेस की ओर आकर्षित हो रहे हैं। यानी पिछले वर्षों में लोगों में रेग्युलर हेल्थ चेकअप, कंसल्टेशन और डाइट कॉन्शसनेस बढ़ी है, उसमें इस साल और इजाफा होगा।

कामयाबी की बदलेगी परिभाषा

आज की तारीख में हम अच्छी नौकरी और ज्यादा से ज्यादा कमाई को अपनी सफलता का पैमाना मानते हैं। लेकिन इस साल हमारी यह सोच भी थोड़ी बदलेगी। इस साल हम कामयाबी यानी अच्छी नौकरी और ज्यादा पैसे के मुकाबले मानसिक शांति को ज्यादा महत्वपूर्ण समझेंगे। इस साल हम समय की कीमत को, कमाई से ज्यादा महत्व देने वाले हैं और फैशन या दिखावे की तुलना में स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ेगी। मतलब साफ है कि इस साल हम अर्थपूर्ण ढंग से काम करेंगे और इसकी वजह यह होगी कि एआई और ऑटोमेशन ने नौकरी की स्थिरता पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। कोई भी सुरक्षित नहीं है। एआई के इस युग में किसी की भी नौकरी अचानक जा सकती है। युवा पीढ़ी ने पिछले कुछ सालों में महसूस किया है कि सब कुछ पाने के बाद भी एक खालीपन बना रहता है। इसलिए सब कुछ पाना अब कामयाबी की आखिरी परिभाषा नहीं होगी। जरूरत भर की इनकम में भी अपनों के साथ और प्रकृति के करीब जीवन गुजारने की दिशा में हम आगे बढ़ेंगे।

बदलेगा वर्क कल्चर

वर्क कल्चर की दिशा में इस साल सबसे ज्यादा बदलाव देखने को मिलेगा। अब हमारे रूटीन जीवन पर हमारा प्रोफेशनल वर्क हावी नहीं रहेगा। अब जीवन पर काम का इतना दबाव नहीं होगा कि सिर्फ काम ही काम जिंदगी की प्राथमिकता रहे। अब काम और जीवन में एक व्यापक और समानुपातिक बदलाव देखने को मिलेगा। इस साल जो ट्रेंड सबसे ज्यादा दिखने वाले हैं, उनका रिश्ता भी जीवन और काम से सीधे-सीधे जुड़ता है। मसलन, हाइब्रिड जॉब कल्चर। इस साल सबसे ज्यादा हाइब्रिड जॉब कल्चर के प्रति यंगस्टर्स का झुकाव देखने को मिलेगा। फ्रीलांस वर्क अब नए सिरे से प्रतिष्ठित हो रही गतिविधि है। पहले इसे लोग मजबूरी समझते थे लेकिन अब इसे अपने मन की मर्जी और और पसंद समझा जाने लगा है। इस साल अपनी इच्छा से करियर में ब्रेक को सामाजिक स्वीकृति मिलेगी। अब तक करियर ब्रेक को असफलता के रूप में दर्ज किया जाता था। और इस साल जो देश में लाइफस्टाइल के क्षेत्र में व्यापक बदलाव देखने को मिलेंगे, वह सबसे ज्यादा जीवंत इस तथ्य से होगा कि अब हाई प्रोफेशनल पहचान वाले लोग सिर्फ मेट्रोज में ही नहीं बल्कि छोटे शहरों और दक्षिण भारत के तो गांवों में भी मिलेंगे।

टेक्नोलॉजी का बैलेंस्ड इस्तेमाल

हाल के सालों में टेक्नोलॉजी ने जिस तरह से हर खास और आम लोगों के जीवन में दखल बढ़ाया है, उसके कुछ साइड इफेक्ट्स भी दिखते रहे हैं। अच्छी बात है कि लोगों में इसके प्रति भी अवेयरनेस बढ़ी है। अब टेक्नोलॉजी से लोगों का एडिक्शन कम होना शुरू हो गया है। इस साल अनुमान है कि भारतीय लोग बीते कुछ सालों के मुकाबले कम फोन करेंगे और सोशल मीडिया पर भी कम से कम समय जाया होने देंगे। सोशल मीडिया से दूरी इस साल काफी ज्यादा बढ़ेगी और डिजिटल डिटॉक्स हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का सबसे जरूरी और सहज ढंग बन जाएगा। वास्तव में इस बदलाव का प्रमुख कारण होगा बड़े पैमाने पर भारतीयों में डिजिटल थकान बढ़ने लगी है और आपा-धापी में मन और तन दोनो की एकाग्रता में भारी कमी आई है। इसलिए इस साल बड़े पैमाने पर भारतीय लोग डिजिटल थकान से बचने पर ध्यान देंगे और रिश्तों में बढ़ रही दूरियों को कम करने की कोशिश करेंगे।

इसी तरह इस साल हमें अपने लाइफस्टाइल में रिश्तों की एक नई संस्कृति, खान-पान में स्वास्थ्य के प्रति चेतनता बढ़ी हुई दिखेगी। हर समय काम में डूबे रहने की जगह अपनी रुचि, अपने परिवार और हेल्थ के लिए भी समय निकालेंगे। निश्चित ही ये बदलाव हम सभी के जीवन में सकारात्मक दिशा में बढ़ने में मददगार साबित होंगे। *

साइंस-टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में इस वर्ष खुलेंगे नए आयाम

नया वर्ष 2026 भारत के लिए विज्ञान, तकनीक, रक्षा, पर्यावरण और कृषि क्षेत्रों में प्रगति और चुनौतियों के साथ परिवर्तनकारी संभावनाओं को लेकर आया है। इस साल साइंस और टेक्नोलॉजी में किस तरह के बदलाव दिखेंगे, क्या कुछ दिखेगा नया और अभूतपूर्व, आगामी दिनों की संभावनाओं पर एक नजर।

साइंस-टेक 2026

संजय श्रीवास्तव

नया साल भारत के विज्ञान, तकनीक, रक्षा, पर्यावरण और कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाओं को लेकर आया है। अगर सही नीति के तहत निश्चित कार्य योजना बनाकर आगे बढ़ा गया तो देश का 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और वैश्विक टॉप श्री सुपरपावर्स में शामिल होने का सपना जरूर पूरा होगा। बेशक, इस मार्ग में चुनौतियां कम नहीं हैं, पर हम इस वर्ष से सस्ते हरित ऊर्जा, तेज इंटरनेट, सुरक्षित साइबर स्पेस, रक्षा आत्मनिर्भरता से मजबूत

होती सुरक्षा, पर्यावरण सुधार, शुद्ध पेयजल के साथ समृद्ध कृषि की आशा रख सकते हैं। सरकार, उद्योग और नागरिकों का समेकित प्रयास इस लक्ष्य का मार्ग प्रशस्त करेगा।

डीपटेक में होगी प्रगतिः इस साल डीपटेक सबसे बड़ी संभावना वाला क्षेत्र बनकर उभरेगा। अनुमान है कि आने वाले समय में एक लाख स्टार्टअप्स में से 20 प्रतिशत डीपटेक, खासकर क्वांटम, बायोटेक पर केंद्रित होंगे। इस क्षेत्र में निवेश 2025 के 50 बिलियन डॉलर से बढ़कर 70 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। सेमीकंडक्टर मैन्युफेक्चरिंग व डिजाइन में प्रोत्साहन योजनाओं, एआई मिशन और विश्वविद्यालय-उद्योग सहयोग के विस्तार से रणनीतिक स्वायत्तता और आर्थिक मजबूती मिलेगी। सेमीकंडक्टर डिजाइन में भारत की प्रतिभा वैश्विक कंपनियों को भा रही है, सो इस साल इस क्षेत्र में घरेलू स्टार्टअप्स के उभरने की पूरी संभावना है।

नए आसमान छुएगा इसरोः इसरो बीते सालों की तरह ही इस साल भी अपनी उपलब्धियों की वजह से खबरों में छाया रहेगा। स्वदेशी इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन प्रणाली के प्रदर्शन, इंडो-मॉरीशस संयुक्त उपग्रह और ध्रुव स्पेस का लीप-2 उपग्रह भेजने के साथ गगनयान परियोजना का पहले मानवरहित मिशन समेत तकरीबन दर्जन भर महत्वपूर्ण प्रक्षेपण उसकी कार्य सूची में हैं। इसकी कम लागत नवाचार, उपग्रह संचार और पृथ्वी-अवलोकन सेवाएं कृषि, आपदा प्रबंधन और लॉजिस्टिक्स में बड़े बदलाव लाएंगी। रडार सिस्टम, सैटेलाइट कम्युनिकेशन, प्रिसिजन इलेक्ट्रॉनिक्स और एडवांस मैपिंग तकनीक की दुनियाभर में मांग बढ़ रही है। इन सेक्टर में छोटे-छोटे स्मॉलकैप कंपनियों की बढ़ती भूमिका के तहत 2026 तक स्पेस टेक्नोलॉजी से कमाई की तस्वीर बदलेगी।

डिफेंस सेक्टर में होंगे मजबूतः डीआरडीओ और निजी उद्योग की भागीदारी रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण की गति को बढ़ाएगी तो स्वदेशी हथियार प्रणालियों, ड्रोन, एआई-डिफेंस और साइबर क्षमताओं में नई उपलब्धियां हासिल होंगी। हाइपरसोनिक हथियार, उन्नत लड़ाकू विमान, अग्नि-6 मिसाइल परीक्षण, सुखोई 30 को तेजस एमके-2 से बदलना और डीआरडीओ के एआई-संचालित ड्रोन सेल्फ अरमाडा परियोजना चर्चा में होंगे, तो आईडेक्स की फंडिंग से तकनीकी स्टार्टअप्स फलेंगे-फूलेंगे। इस बरस डीप ओशन मिशन के तहत विकसित मत्स्य 6000 पनडुब्बी, जो 6000 मीटर की गहराई तक, तीन वैज्ञानिकों को ले जाएगी। यह समुद्री संसाधन, खनिज खोज और वैज्ञानिक अनुसंधान तथा निगरानी के लिए अहम साबित होगी।

बढ़ेंगे 5जी यूजर्सः संसार के दूसरे सबसे बड़े दूरसंचार बाजार में 5जी उपभोक्ता इस वर्ष करीब 330 मिलियन हो जाएंगे। सैटेलाइट इंटरनेट से संचार क्षेत्र में आई क्रांति का एजुकेशन, टेलीमेडिसिन, ग्रामीण कनेक्टिविटी पर प्रभाव दिखेगा। 2026 में भारतनेट के विस्तार से जब गांवों में 100 एमबीपीएस स्पीड वाली कनेक्टिविटी 50 फीसदी तक पहुंचेगी, डिजिटल साक्षरता अभियान के तहत 5 लाख डिजिटल साक्षरता केंद्र खुलेंगे। 6जी पर अनुसंधान भी तेज होगा, इसका असर 2026 में पायलट टेस्ट, पेटेंट और वैश्विक साझेदारियों के रूप में दिखेगा।

ग्रीन एनर्जी का बढ़ेगा यूजः इस साल ग्रीन एनर्जी की फील्ड में स्टार्टअप्स नई उम्मीदें जगाएंगे। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत 5 मिलियन टन उत्पादन

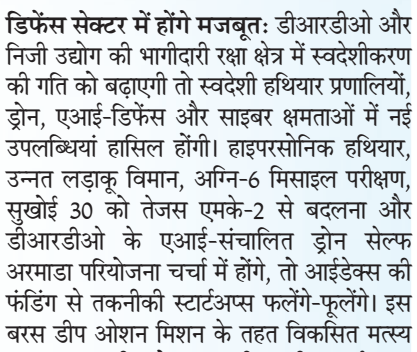

लक्ष्य से ऊर्जा स्वायत्तता मिलेगी। लाइफ मिशन से वन कवर 33 प्रतिशत के करीब पहुंच सकता है। पर्यावरण में हरित हाइड्रोजन, ईवी बैटरी रीसाइक्लिंग और प्रदूषण-नियंत्रण तकनीक शहरों के लिए जीवनरेखा बन सकती हैं। सरकार ऊर्जा-कुशल चिप्स, सस्टेनेबल क्लाउड और एआई-संचालित जलवायु समाधानों में निवेश बढ़ाएगी। प्रदूषण नियंत्रण, हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और जल संरक्षण पर नई योजनाओं की उम्मीद है। पर्यावरण में कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग एक्सचेंज शुरू होगा और कृषि में 'रीइमेजिनिंग एग्रीकल्चर' रोडमैप। कृषि में एग्री-टेक, एआई डिजिटल ट्विन्स, ड्रोन स्प्रे, सेंसर, प्रिसिजन फार्मिंग, जलवायु-प्रतिरोधी बीजों से उत्पादकता 20 प्रतिशत बढ़ेगी तो किसानों की आय भी बढ़ेगी। *

दोहे

गोविंद भारद्वाज

मिलते पुष्पाहार

धन-दौलत के मोह से, दूर रहो सब यार।
शुद्ध भाव से नित करो, अपना सब व्यापार।।

गीता पढ़ना ज्ञान की, होगा जीवन पार।
फिर जीत मिलेगी सदा, दूर रहेगी हार।।

देश निकाला दीजिए, आए सीमा पार।
फूल नहीं वो देश के, बने हुए हैं खार।।

बात करो बस प्यार से, नेक रहे व्यवहार।
मेल मिलाप रहे सदा, जीवन का आधार।।

सत्य-अहिंसा से मिले, जीव-जगत को प्यार।
सन्मार्ग पर यदि चलें, सुखी रहे संसार।।

सत्य वचन पर हों अडिग, झुक जाएं हथियार।
तोप-तमंचे फेल फिर, मिलते पुष्पाहार।।

लघुकथाएं

पेट का स्वाभिमान

अपनी थाली देखकर रम्मू ने पत्नी रमिया से पूछा, 'रोटियां तो पांच ही हैं, तो तुम इतनी बड़ी थाली में क्यों परोसती हो?'

'थाली बड़ी नहीं है, रोटियां छोटी हो गई हैं। महंगाई बढ़ती जा रही है पर आमदनी नहीं। ऐसे में रोटी तो छोटी होती ही जाएगी।' रमिया ने मायूस होकर कहा।

'मेरे पास इस समस्या का एक हल है। कल से छोटी थाली में रोटी परोसना।' रम्मू ने सुझाव दिया।

'तुम्हें छोटी थाली में परोस तो दूंगी, लेकिन समस्या यह है कि हमारे पास दो ही थालियां हैं। तुम्हारी जूठी थाली में मैं खा लेती हूं। छोटू अपनी थाली में खाता है। वह तो इतनी छोटी है कि उसमें तुम्हारी ये रोटियां भी नहीं आ सकती हैं।' रमिया ने बताया।

'तो हमें सोचना पड़ेगा कि ऐसा क्या करें, जिससे हमारी रोटियां बड़ी हो सकें।'

रम्मू और रमिया लेटे-लेटे इस गंभीर समस्या पर विचार करते रहे। रात भर उनके दिमाग में रोटियां घूमती रहीं। सुबह-सुबह आंख लगी तो दोनों ने एक ही सपना देखा। कोई उन्हें बड़ी-बड़ी रोटियां दे रहा है, किंतु फेंक-फेंककर।

दोनों हड़बड़ाकर उठ बैठे। एक-दूसरे को अपने सपने के बारे में बताया। फिर दोनों ने एक राय से निश्चय किया। 'हम भीख किसी भी स्थिति में नहीं मांगेंगे। पेट का भी स्वाभिमान होता है। रोटियां बड़ी करनी हैं तो अब हम दोनों ज्यादा से ज्यादा मेहनत करेंगे।' *

-बालकृष्ण गुप्ता 'गुरु'

सच्ची साधना

कई पुरानी बात है। किसी वन में स्थित एक आश्रम में एक गुरु अपने दो शिष्य मोहनदास और चैतन्यदास के साथ रहते और साधना करते थे। मोहनदास स्वभाव से अहंकारी था, इसलिए गुरुजी को हमेशा अपनी साधना को सच्ची बताया करता था। चैतन्यदास, मोहनदास की बातों पर ध्यान न देते हुए अपनी साधना में लीन रहता था।

एक दिन गुरुजी ने मोहनदास का अहंकार दूर करने की सोची। उन्होंने दोनों शिष्यों को बुलाकर कहा, 'जाओ घने जंगल में जाकर कुछ दिन एकांत में साधना करो। मैं स्वयं आकर देखूंगा कि किस शिष्य की साधना सच्ची है?'

दोनों शिष्य घने जंगल में पहुंचे। अत्यंत सर्द मौसम था। ठंड से बचने के लिए दोनों ने अलाव जलाया और उसके निकट ही बैठकर साधना करने लगे। कुछ ही देर में अचानक 'बचाओ..बचाओ..' की आवाज सुनाई पड़ी। यह सुनकर चैतन्यदास अलाव में से एक जलती लकड़ी लेकर आवाज आने की दिशा में दौड़ा। उसने देखा कि एक भालू किसी बुजुर्ग महिला पर हमला करने वाला है। चैतन्यदास ने जलती लकड़ी से भालू को भगाया और महिला का जीवन बचा लिया। उसने पूछा, 'मां आप इतनी ठंड में घने जंगल में क्या कर रही हैं?'

'बेटा, मैं कई वर्षों से इस जंगल से लकड़ी बीन कर अपने

घर की रसोई में खाना बनाती हूं। आज न जाने यह भालू कहां से आ गया?' महिला ने बताया।

'मां, पहाड़ी पर बर्फबारी होने के कारण भालू नीचे जंगल में आ गया होगा। आगे आप संभलकर ही इस घने जंगल में आना। चलिए, आपको मैं घर तक छोड़ देता हूं।' चैतन्यदास बोला।

उधर गुरुजी साधना स्थल पर पहुंचे और पूछा, 'अरे! मोहनदास, चैतन्यदास कहां चला गया?'

'गुरुजी, मैं यहां हूं।' कहते हुए चैतन्यदास गुरुजी के पास पहुंचा। उसे देखकर मोहनदास बोला, 'अब तो आपको समझ में आ ही गया होगा कि चैतन्यदास तो साधना छोड़कर कहीं चला गया लेकिन मैं कहीं नहीं गया। इसलिए मेरी साधना ही सच्ची है।' गुरुजी ने चैतन्यदास से पूछा, 'तुम कहां गए थे?' चैतन्यदास ने पूरी घटना के बारे में बता दिया। इस पर मोहनदास ने पूछा, 'अब आप ही बताइए गुरुजी, किसकी साधना सच्ची है?'

गुरुजी ने कहा, 'सच्ची साधना वही होती है, जिसमें मानवता हो। तपस्या तो बाद में भी की जा सकती है, लेकिन किसी का जीवन बचाना ही सच्ची साधना है। इसलिए चैतन्यदास की साधना ही सच्ची साधना है।'

यह सुनकर मोहनदास का सिर शर्म से झुक गया। *

-चंद्रप्रकाश डाले

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

शताब्दी स्मरण : अमरकांत

कुछ समय पूर्व प्रसिद्ध साहित्यकार अमरकांत के जन्मशती के अवसर पर 'बनास जन' का 'शताब्दी स्मरण : अमरकांत' विशेषांक छपकर आया है। इसमें अमरकांत की बहुआयामी साहित्यिक छवियों पर विस्तार से चर्चा की गई है। इस समृद्ध अंक के अलग-अलग खंडों में उनके विभिन्न साहित्यिक पक्षों पर प्रकाश डाला गया है।

'स्मृतियों में अमरकांत' खंड में ममता कालिया, हरीश पांडे और मनोज कुमार पांडे ने उनसे जुड़ी स्मृतियों को मार्मिकता से संजोया है।

'लेखकों के लेखक' शीर्षक संस्मरणात्मक लेख में ममता कालिया ने कुछ प्रसंगों के जरिए अमरकांत जी के स्वाभिमानी रचनाकार की छवि को प्रकट किया है। प्रेमचंद के बारे में अप्रिय टिप्पणी करने पर अमरकांत जी, 'मनोरमा' के मालिक-संपादक आलोक मित्र से यह कहने से नहीं हिचके, 'प्रेमचंद सर्वहारा के पक्षधर रचनाकार थे। आप लोग भूख और गरीबी बेचते हैं। प्रेमचंद ऐसे विक्रेता नहीं थे।' जबकि उन दिनों वे उसी पत्रिका में संयुक्त संपादक के पद पर कार्य कर रहे थे।

पत्रिका : बनास जन-82 (शताब्दी स्मरण : अमरकांत), संपादकः पल्लव, मूल्यः 200 रुपए

'कुछ पते कुछ चिट्ठियां' खंड में अमरकांत जी द्वारा लिखे गए कुछ पत्रों को संकलित किया गया है। इन्हें पढ़ते हुए उनके भीतर मौजूद एक अत्यंत भावुक रचनाकार की छवि प्रकट होती है। यहां अमरकांत जी के सभी उपन्यासों और कथा संग्रहों पर कई समीक्षकों के विवेचनात्मक लेख भी पढ़े जा सकते हैं। इनसे गुजरते हुए अमरकांत जी की कथादृष्टि का विस्तार और मानवीय संवेदना की गहनता को महसूस किया जा सकता है। उनके कथा संग्रह 'कुहासा' पर उमाशंकर चौधरी की यह टिप्पणी देखी जा सकती है, जिसमें वह कहते हैं, 'अमरकांत के यहां पात्रों के संघर्ष का विश्वसनीय चित्रण है। वे अपने समय की समस्याओं को भी पकड़ते हैं और विडंबनाओं को भी।' कहने की जरूरत नहीं कि यह अंक पठनीय ही नहीं संग्रहणीय भी है। *

बांग्लादेश में एक और हिंदू की मौत

खोकन ने इलाज के दौरान तोड़ा दम, भीड़ ने लगाई थी आग

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

डॉक्टरों के मुताबिक खोकन दास के शरीर का करीब 30 प्रतिशत हिस्सा झुलस गया था। उनके चेहरे और श्वसन तंत्र को गंभीर नुकसान पहुंचा था। अस्पताल के प्रोफेसर डॉ. शौन बिन रहमान ने बताया कि सुबह करीब 7:20 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा की एक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। शरियतपुर जिले के बाजार में मेडिकल स्टोर चलाने वाले हिंदू व्यापारी खोकन चंद्र दास की शनिवार सुबह ढाका के नेशनल बर्न इंस्टीट्यूट में इलाज के दौरान मौत हो गई। नए साल की पूर्व संध्या पर हमलावरों ने उन पर पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया था। डॉक्टरों के मुताबिक, खोकन दास के शरीर का करीब 30 प्रतिशत हिस्सा झुलस गया था। उनके चेहरे और श्वसन तंत्र को गंभीर नुकसान पहुंचा था। अस्पताल के प्रोफेसर डॉ. शौन बिन रहमान ने बताया कि सुबह करीब 7:20 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली।

मृतक खोकन दास

शरीर का 30 प्रतिशत हिस्सा झुलस गया था

आरोपी अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर

31 दिसंबर की रात किया था हमला

यह घटना 31 दिसंबर की रात करीब 9:30 बजे दामुदिया उपजिला के कोनेश्वर यूनियन स्थित केउरभांगा बाजार के पास हुई। दुकान बंद कर घर लौट रहे खोकन दास को रास्ते में बदमाशों ने रोका, धारदार हथियारों से हमला किया और फिर पेट्रोल डालकर आग लगा दी।

पहचान होने पर की हत्या

खोकन दास की पत्नी सीमा दास ने कहा कि उनके पति ने दो हमलावरों को पहचान लिया था, इसी वजह से बदमाशों ने उनकी हत्या की नीयत से पेट्रोल डालकर आग लगा दी। परिवार ने मामले की निष्पक्ष जांच और सभी आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की है। रिश्तेदार प्रांतो दास ने कहा कि दोषियों को बख्शा न जाए।

दो आरोपी पहचाने गए

दामुदिया थाने के प्रभारी मोहम्मद रबिउल हक के अनुसार, पुलिस ने दो आरोपियों रब्बी और सोहाग की पहचान कर ली है। दोनों स्थानीय निवासी हैं और उनकी गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। अन्य संभावित आरोपियों की भी तलाश जारी है।

दिसंबर माह में पांचवें हिंदू व्यक्ति की मौत

बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद के प्रवक्ता काजोल देबनाथ ने कहा कि दिसंबर से हिंदू समुदाय के किसी व्यक्ति की यह पांचवीं मौत है और बांग्लादेश में कट्टरपंथी समूह अल्पसंख्यक समुदायों को डराने-धमकाने की कोशिश कर रहे हैं। इस महीने अल्पसंख्यकों पर सात हमले दर्ज किए हैं। देबनाथ ने कहा कि किसी व्यक्ति या उसके घर को जलाने के लिए पेट्रोल या बारूद का इस्तेमाल करना सिर्फ आपराधिक कृत्य नहीं है, बल्कि एक अशुभ संकेत है... शायद हम एक कट्टरपंथी (दक्षिणपंथी) संस्कृति के उदय के साक्षी बन रहे हैं।

वायरल वीडियो में छात्र नेता का दावा

एसआई संतोष को हमने जिंदा जलाया

सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में बांग्लादेश का एक कथित छात्र नेता खुलेआम एक हिंदू पुलिस अफसर की लिंचिंग पर डींग मारता दिखाई दे रहा है। यह वीडियो 'एक्स' पर एक पत्रकार और लेखक साहिदुल हसन खोकोन ने शेयर किया था। वीडियो में युवक खुद को हबीगंज जिले का छात्र समन्वयक बताते हुए पुलिस अधिकारियों को खुलेआम धमकी देता नजर आता है। वह कहता है कि जुलाई 2024 के आंदोलन के दौरान उन्होंने एक पुलिस स्टेशन को आग के हवाले कर दिया था और हिंदू सब-इंस्पेक्टर संतोष भाभू को जिंदा जला दिया।

पुराने जख्म एक बार फिर हरे

इस बयान ने अगस्त 2024 में हुई उस भयावह घटना को फिर से चर्चा में ला दिया है, जब हबीगंज जिले के बनियाचोंग थाने में तैनात सब-इंस्पेक्टर संतोष भाभू की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी।

'मुस्लिम महिलाओं को गलत इरादे से छुआ तो मैं हाथ काट दूंगा'

जालना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा एक महिला के चेहरे से नकाब हटाए जाने और फिर इस पर उत्तर प्रदेश के एक मंत्री की टिप्पणी से उठे विवाद के बीच, एआईएमआईएम नेता इम्तियाज जलील ने कहा है कि जो भी व्यक्ति मुस्लिम महिलाओं को गलत इरादे से छूने की हिम्मत करेगा, वह उसके हाथ काट देंगे। जलील ने महाराष्ट्र के जालना में कहा कि 'तथाकथित धर्मनिरपेक्ष दल' गुंडों और आपराधिक तत्वों का पक्ष लेते हैं, लेकिन मुसलमानों का समर्थन करने से हिचकते हैं।

संदेशखाली में मूसा मोल्लाह की गिरफ्तारी पर मचा बवाल

टीएमसी कार्यकर्ता को गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस टीम पर किया हमला, 6 जवान घायल

एजेंसी ⏭ संदेशखाली

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली इलाके में तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता को गिरफ्तार करने के बाद भीड़ ने पुलिस पर हमला कर दिया। इस हमले में 6 पुलिसकर्मी घायल हो गए।

भीड़ ने पत्थरबाजी भी की

बताया जा रहा है कि नजात पुलिस थाने की टीम शुक्रवार रात संदेशखाली ब्लॉक के बोयरमारी गांव में टीएमसी कार्यकर्ता मूसा मोल्लाह को गिरफ्तार करने गई थी। अधिकारी ने बताया कि पुलिसकर्मियों पर गांव के एक समूह ने हमला किया और पुलिस की गाड़ी को भी नुकसान पहुंचाया। घायल छह पुलिसकर्मियों, जिनमें एक अधिकारी भी शामिल है, उनको स्थानीय अस्पताल में इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है। बताया जा रहा है कि जब पुलिस टीम मोल्लाह को उसके घर से उठाकर पुलिस की गाड़ी में ले जा रहे थे, तो गांव वालों के एक समूह ने टीम पर पत्थर फेंके, जिससे वे घायल हो गए।

2 टीएमसी नेताओं को भी हिरासत में लिया

एक अधिकारी ने बताया कि मोल्लाह को इलाके में मछली पालन के लिए जबरन तालाबों पर कब्जा करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अतिरिक्त पुलिस बल भेजे जाने और भीड़ को खदेड़ने के बाद आखिरकार उसे पुलिस स्टेशन ले जाया जा सका। अधिकारी ने बताया कि उसके अलावा, भीड़ को उकसाने के आरोप में ग्राम पंचायत प्रधान सहित दो स्थानीय टीएमसी नेताओं को भी हिरासत में लिया गया है।

भाजपा नेताओं ने कांग्रेस नेताओं को घेरा

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा

पत्रकारों ने जब सवाल किया तो पीसी छोड़कर भागे कांग्रेस नेता

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। लगातार हिंदू युवकों की लिंचिंग के मामले सामने आ रहे, इसे लेकर भारत में आक्रोश है। कांग्रेस नेताओं की प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी ये मुद्दा उठा। हालांकि, कांग्रेस नेता जयराम रमेश और केसी वेणुगोपाल ने इस मुद्दे पर बोलने से इनकार कर दिया। इतना ही नहीं वो पीसी छोड़कर उठ गए। इस पर भाजपा ने सवाल उठाए हैं। वहीं, भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने शेयर किए गए वीडियो में बांग्लादेश में हिंदुओं को लेकर पूछे गए सवाल को ही काट दिया। उसे वीडियो में रखा ही नहीं है। भाजपा नेता प्रदीप भंडारी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि जब बांग्लादेश में हिंदुओं की हालत के बारे में पूछा गया, तो जयराम रमेश और केसी वेणुगोपाल वहां से चले गए। सोचिए, अगर यही सवाल गाजा के बारे में होता तो कितना हंगामा होता, प्रेस कॉन्फ्रेंस होतीं और बयान दिए जाते!

जयराम रमेश पीसी छोड़कर जाते हुए

दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग

गोपालगंज। दुनिया के सबसे बड़े शिवलिंग की स्थापना मोतिहारी के कल्याणपुर प्रखंड अंतर्गत कैथवलिया गांव के जानकीनगर में बन रहे विराट रामायण मंदिर में की जाएगी। महाबलीपुरम से 38 दिन की यात्रा तय कर तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश से बिहार पहुंचा। शनिवार को श्रद्धालुओं ने आरती उतारी पूजा अर्चना की।

प्रधानमंत्री 28 को करेंगे संबोधित

'गणतंत्र दिवस कैंप-26' में शामिल हुए 2406 कैडेट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

राजधानी राजधानी के दिल्ली कैंट में शनिवार को राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के 'गणतंत्र दिवस कैंप-2026' की शुरुआत हो गई है। 28 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी युवा कैडेटों को संबोधित करेंगे। इस अवसर पर मीडिया को संबोधित करते हुए कोर के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स ने कहा कि में इस वर्ष हमारे एनसीसी के मासिक कैंप में कुल 2 हजार 406 युवा कैडेट भाग ले रहे हैं। जिनमें 127 जम्मू-कश्मीर और लद्दाख से हैं। जबकि 131 उत्तर-पूर्वी क्षेत्र से हैं। इसके अलावा भारत के 25 मित्र देशों के कैडेट और अधिकारी यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम (वाईईपी) के तहत कैंप में भाग ले रहे हैं। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है। यहां बता दें कि एनसीसी के युवा कैडेटों की एक टुकड़ी 26 जनवरी को कर्तव्य पथ पर आयोजित किए गए जाने वाले गणतंत्र दिवस परेड समारोह में भी भाग लेगी।

पीएम रैली संग होगा कैंप का समापन

एनसीसी के कैंप का कई वीवीआईपी दौरा करेंगे। 28 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी युवा कैडेटों को संबोधित करेंगे। जिसे पीएम रैली का नाम दिया गया है और इसी के साथ एनसीसी कैंप का औपचारिक रूप से समापन हो जाएगा।

रणनीतिक महत्व और नवीनतम प्रौद्योगिकियों के उपयोग पर दिया जोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

राज्य के अधिकारियों ने किया शाह का सम्मान

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में गृह मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक की शनिवार को अध्यक्षता की। बताया गया कि यह बैठक पूर्वाह्न 11 बजे शुरू हुई और अपराह्न करीब दो बजकर 40 मिनट पर समाप्त हुई। इस बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, साइबर सुरक्षा और क्षेत्रीय अवसंरचना से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई।उन्होंने बताया कि अपराध से लड़ने के लिए नवीनतम प्रौद्योगिकियों का उपयोग किए जाने और केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) एवं राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) जैसे अत्याधुनिक केंद्रों की क्षेत्रीय स्तर पर स्थापना किए जाने पर भी बैठक में जोर दिया गया।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email : response.haribhoomi@gmail.com
CLASSIFIED
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

सुरक्षागार

अतिशीघ्र आवश्यकता है- कंप्यूटर ऑपरेटर 2 टेंडर कार्य, 20000 मार्केटिंग ऑफिसर 3, 40000 योग्यता MA/ MBA सुपरवाइजर 15, 15000 फील्ड अधिकारी 5, सुरक्षा गार्ड 66, 13000, 10000 वेतन योग्यतानुसार संपर्कः- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालयः- 06-जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ीनाका रायपुर 7747000016, 7746000016, 7746000019. (RO-348)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- बच्चों के रेडीमेड वस्त्रों (होलसेल) की दुकान में कार्य करने अनुभवी लड़के एंव लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार ज्योति किड्स वेअर l g v p पंडरी रायपुर 9425215272.(RO-129)

केयर टेकर

आवश्यकता है- बैरन बाजार रायपुर स्थित व्यावसायिक प्रतिष्ठान में 25 - 35 वर्षीय पढ़ी-लिखी महिला केयर टेकर 24 घंटे रहने- खाने की सुविधा एवं अच्छा वेतन। बाहरी व जरूरतमंद महिला को प्राथमिकता। संपर्क करें- 7225844359.(RO-6524)

घरेलु नौकर

आवश्यकता है- रायपुर स्थित प्रतिष्ठित अग्रवाल फैमिली हेतु 12 घंटे एवं 24 घंटे* कार्य हेतु अनुभवी, विश्वसनीय एवं जिम्मेदार घरेलू नौकर की आवश्यकता अनुभवः 5 वर्ष योग्यताः न्यूनतम 10वीं पास वेतनः 25,000 प्रतिमाह सुविधाएंः रहने और खाने की व्यवस्था नि.शुल्क स्थानः सिविल लाइन्स रायपुर केवल अनुभवी और जिम्मेदार संपर्क करें:- 9109125252 / 9109972720. (RO-447)

हरिभूमि

टैक्नीशियन

आवश्यकता है- मोबाइल शॉप में कार्य हेतु (ऑलराउन्डर) इमानदार लड़के या लड़की व टैक्नीशियन की आवश्यकता है। टैली कार्य भी आता हो तो अतिउत्तम आल आई रिपेयर पंडरी (भाटागांव) रायपुर - 7987590745, 9993335496.(RO-6522)

साउंड सिस्टम ऑपरेटर

आवश्यकता है- डीजे साउंड सिस्टम चालाने के लिए अनुभवी/ बिना अनुभवी लड़को की आवश्यकता है संपर्कः दीपक साउंड सर्विस फूलचौक, जोरापारा, कालीमाता मंदिर पास रायपुर 98271-14645, 91311-39179.(RO-446)

आवश्यकता

आवश्यकता है- रायपुर में एक बूढ़े व्यक्ति के रोज के कामों में मदद करने के लिए लड़के की आवश्यकता है। रहने और खाने की व्यवस्था है। संपर्क करें 9752540608.(RO-meeth)

आवश्यकता है- दवा कंपनी में कार्य हेतु, आठवीं/दसवीं पढ़े लड़कियों की आवश्यकता है, दुर्ग-भिलाई निवासी को प्राथमिकता वेतन योग्यतानुसार संपर्कः- डॉ.एच.सी.अग्रवाल मो.- 96177-89223, 94255-55659 मिलने का समय- शाम 5बजे से 8बजे तक पताः- स्टेशन रोड स्वरूप टॉकिज के सामने ब्राइट फर्नीचर के पीछे दुर्ग (छ.ग.) (आरे न.-4128)

वेल्डर

आवश्यकता है- फैक्ट्री में वर्क हेतु वेल्डर की आवश्यकता हैं कार्य नियमों एवं सेफ्टी स्टैन्डर्ड अनुभवी को प्राथमिकता दी जाएगी। वेतनमान 15000/- से 22500/- संपर्क- किसान एग्रो गतौरी रतनपुर रोड बिलासपुर 9827892413, 7999789224.(RO-39551)

क्लासीफाईड

टैक्नीशियन

आवश्यकता है- मोबाइल शॉप में कार्य हेतु (ऑलराउन्डर) इमानदार लड़के या लड़की व टैक्नीशियन की आवश्यकता है। टैली कार्य भी आता हो तो अतिउत्तम आल आई रिपेयर पंडरी (भाटागांव) रायपुर - 7987590745, 9993335496.(RO-6522)

साउंड सिस्टम ऑपरेटर

आवश्यकता है- डीजे साउंड सिस्टम चालाने के लिए अनुभवी/ बिना अनुभवी लड़को की आवश्यकता है संपर्कः दीपक साउंड सर्विस फूलचौक, जोरापारा, कालीमाता मंदिर पास रायपुर 98271-14645, 91311-39179.(RO-446)

आवश्यकता

आवश्यकता है- रायपुर में एक बूढ़े व्यक्ति के रोज के कामों में मदद करने के लिए लड़के की आवश्यकता है। रहने और खाने की व्यवस्था है। संपर्क करें 9752540608.(RO-meeth)

आवश्यकता है- दवा कंपनी में कार्य हेतु, आठवीं/दसवीं पढ़े लड़कियों की आवश्यकता है, दुर्ग-भिलाई निवासी को प्राथमिकता वेतन योग्यतानुसार संपर्कः- डॉ.एच.सी.अग्रवाल मो.- 96177-89223, 94255-55659 मिलने का समय- शाम 5बजे से 8बजे तक पताः- स्टेशन रोड स्वरूप टॉकिज के सामने ब्राइट फर्नीचर के पीछे दुर्ग (छ.ग.) (आरे न.-4128)

वेल्डर

आवश्यकता है- फैक्ट्री में वर्क हेतु वेल्डर की आवश्यकता हैं कार्य नियमों एवं सेफ्टी स्टैन्डर्ड अनुभवी को प्राथमिकता दी जाएगी। वेतनमान 15000/- से 22500/- संपर्क- किसान एग्रो गतौरी रतनपुर रोड बिलासपुर 9827892413, 7999789224.(RO-39551)

क्लासीफाईड

सेल्स हेड/मेनेजर

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित पेस्टिसाइड कंपनी हेतु रायपुर/ C.G. के लिए Regional Sales Head, Area Sales Manager, Sales Executive एवं Field Staff की। अनुभव 1-2 वर्ष। आकर्षक सैलरी + इंसेंटिव। बायोडाटा तुरंत ईमेल करें : naarandcompany@gmail.com (RO-6526)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु लड़के- लड़कियों की आवश्यकता है कंप्यूटर ऑपरेटर, रिसेप्शनिस्ट, टेलीकॉलर, मार्केटिंग, ऑफिस बॉय, हेल्पर एवं फ्रेशर भी संपर्क करें- 9981855505, 7714525074.(RO-A)

ड्रायवर/कुक

आवश्यकता है- अनुभवी कार ड्राइवर दो/तीन ऑटोमेटिक एवं मेनवल चलाने आती हो एवं घरेलू कार्य/ बाहर टूर के लिए संपर्क खत्री, जल विहार कॉलोनी होरिजन हॉस्पिटल चौक केनल रोड़ रायपुर मोबाइल नंबर - 9926133233.(RO-6527)

आवश्यकता है- खाना बनाने हेतु रसोइया एवम Car chalane hetu ड्राइवर की आवश्यकता है। सम्पर्क. लक्ष्मी सेल्स, न्यू टिम्बर मार्केट, फाफाडीह, रायपुर (RO-0317)

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- लेडिस गारमेंट कि रिटेल शॉप के लिए हेल्पर, सेल्समैन, सेल्सगर्ल, कैशियर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। अनुभवी को प्राथमिकता। संपर्क करेः- 9893253788, 9827879961, 9827879962.(RO-54)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए सेल्स गर्ल एवं सेल्समैन की आवश्यकता है। न्यूनतम योग्यता 10वीं पास कृपया संपर्क करें- 10.30am to 01.30pm नाहर मेडिकल स्टोर्स सिविक सेंटर, भिलाई (आरे न.-698)

नर्स/मैनेजर/ड्रायवर

आवश्यकता है- मेडिकल स्टोर्स के लिए अनुभवी लड़का, ड्राइवर, नर्स (GNM, ANM), OT Technician TPA मैनेजर कैलाश कान्ता हॉस्पिटल जोरा रायपुर 9300734153, 07712994153.(RO-207)

घरेलु कर्मी

आवश्यकता है- घरेलू कर्मी घर में काम काज/साफ सफाई के लिए एक लड़की की आवश्यकता है। 24 घंटे रहना खाना सब फ्री , पता - दुर्ग ,संपर्क करे मो.- 9340640169, 8839313449.(आरे न.-699)

बुक डिपो कार्य

आवश्यकता है- बुक डिप्पो में कार्य करने हेतु लड़कीयों की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार संपर्क - चांदनी चौक कोहका भिलाई मो.- 8889958883. (आरे न.-4130)

सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- बैंगल की दुकान में कार्य करने हेतु सेल्स गर्ल की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार संपर्क करे द बैंगल स्टूडियो शुभम 'केमार्ट के सामने संतोषी नगर रायपुर मो. 93028-22500.(RO-130)

Business व्यापार

निशुल्क प्रशिक्षण- (बिजनेस) घर से ऑनलाइन-ऑफलाइन काम करने का व्यवसायिक अवसर। 25 वर्षों के अनुभवी कोच द्वारा रायपुर में निशुल्क प्रशिक्षण। रजिस्ट्रेशन हेतु अपने डिटेल्स व्हाट्सएप करें। मो.-92292-63207. (आरे नं.-10340)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

Education शिक्षण

प्रवेश प्रारंभ- फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करेः- B.A, B.COM, B.Sc, BCA, MCA, BBA, M.A, M.COM, M.SC, MBA, MSW, B.LIB, M.LIB, DCA, PGDCA, POLYTECHNIC, B.Tech,(अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे) सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा संपर्क Bharti Education Academy Sector-6 Bhilai 9826196515, 9826896515.(आरे न.-4129)

Property प्रापर्टी

दुकान

बेचना है- प्रीमियम शॉप स्पेस फॉर सेल शहीद स्मारक काम्पलेक्स अपोजिट नवभारत प्रेस ग्राउंड फ्लोर 02 शॉप प्रत्येक शॉप 550 स्क्वायर फीट संपर्क- 9431103284, 9955712450. (RO-6595)

जमीन

जमीन बेचना है- न्यू धमतरी रोड पर कोडेबोड में 1.22 एकड़, (400 वर्गफुट फ्रंट, दो रोड वाली पूर्वमुखी) जमीनः- राइस मिल, पोहा मिल, दाल मिल, गोदाम, फैक्ट्री, भविष्य निवेश आदि हेतु उपयुक्त। 9300593000.(RO-7241)

Finance फायनेंस

फाइनेंस - बसुधा फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस, पर्सनल, कृषि महिला समूह, मकान, दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधार कार्ड, पैन कार्ड प्रति उपलब्ध (2% ब्याज) (30% छूट) संपर्कः- 9438611337. (RO-449)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

For Rent किराया

किराये से देना है- 35000 वर्गफीट का कवर्ड शेडयुक्त यार्ड वेयरहाउसिंग/ गोडाउन हेतु उपयुक्त (आरसीसी फ्लोरिंग, कवर्ड बाउंड्री वॉल, सीसीटीवी, सिक्योरिटी गार्ड सुविधा) शंकरा हुंडई के बाजू, रिंग रोड नंबर- 1, भाटा गांव, रायपुर स्थित व्हाट्सएप करें 9977228899.(RO-16570)

किराया- बिलासपुर में तिफरा में बने टाइल्स हब में बाहुबली टाइल्स, सिद्धीविनायक टाइल्स के पास सर्वसुविधायुक्त जगह किराये पर उपलब्ध है । टाइल्स शोरूम हेतु उपयुक्त सम्पर्क करें- 9826191897.(RO-39555)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

हरिभूमि

RAIPUR Smart BUSINESS
GST रजिस्ट्रेशन नम्बर बनवाएं मात्र 3 दिन में
5 साल पुरानी ITR फाइल बनवाएं मात्र 5000/- में
(व्हाट्सएप पर बनवाएं)
www.onlytds.com
GST-Return
प्रोजेक्ट रिपोर्ट
TDS रिफंड
CMA DATA
MSME रजिस्ट्रेशन
Food लाइसेंस
संपर्क - शेखर गुप्ता 9300755544, 8878655544

क्या आप देना चाहते है... अपने बिजनेस को बेहतर प्रतिसाद

"तलाश की नई सुबह,,
तो पढ़ते रहिए हरिभूमि क्लासिफाईड
Space Available for Ad.
6263818152

Healthcare

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी,धातु का पतलापन,शुगर,बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

तरकश

-संजय के. दीक्षित

ब्यूरोक्रेसी में संक्रमण काल

चीफ सिकरेट्री विकास शील कल पांच जनवरी को सभी 34 सचिवों की बैठक लेने जा रहे हैं। इसमें लास्ट मीटिंग में जो टास्क दिए गए थे, उस पर सवाल होगा। विकास शील लगभग हर 15 रोज में सचिवों की क्लास लगा रहे हैं। ऐसा 25 साल में कभी हुआ नहीं। सुनिल कुमार जैसे सबसे तेज-तर्रार चीफ सिकरेट्री के दौर में भी नहीं। टास्क देकर सचिवों को कभी तगादा नहीं किया गया। उपर से मंत्री बैठक में बिना लाग-लपेट के टोक और नसीहत। अफसरों ने ऐसी स्थिति की कभी कल्पना नहीं की थी। सही भी है...देश की सर्वोच्च सर्विस में सलेक्ट होने के बाद सात घंटा काम करना पड़े, मंत्री मीटिंग में बात सुननी पड़े, आने-जाने का टाइम नोट किया जाए, तो अधिकारियों का अभिमान आहत होगा ही। उधर, पीएस टू सीएम सुबोध सिंह अफसरों के कामों को वॉच करने अपना अलग अटल पोर्टल लगाकर बैठे हैं। सिकेट्री टू सीएम राहुल भगत सुशासन का एक अलग विभाग खोलवा डाले हैं। जाहिर है, छत्तीसगढ़ की नौकरशाही में संक्रमण काल चल रहा है। याने पुराने से नए दौर में बदलाव की अवस्था। राज्य बनने के बाद 25 साल नौकरशाही अपने मस्त अंदाज में चलती रही। ढाई दशक का यह वक्त शाही ठाठ-बाट और लक्ष्मीजी की प्राप्ति का रहा। जमीन-जायदाद, फार्म हाउसेज, रियल इस्टेट में इंवेस्टमेंट। बिल्डरों, भूमाफियाओं से गलबहियां। मगर, अब चीजें बदल रही हैं। नॉन परफॉर्मेंस किनारे किए जा रहे हैं, परफॉर्मिंग को अहमियत मिल रही। सिस्टम को डिटॉक्स कर एकाउंटिबिलिटी तय की जा रही है। ऐसे में, अफसरों को तकलीफ होना स्वाभाविक है।

100 करोड़ की शराब

छत्तीसगढ़ में साल 2025 की तुलना में 2026 का स्वागत जोरदार रहा। पिछले साल की तुलना में लोगों ने खूब मौज-मस्ती की। होटल, रिसॉर्ट एक दिन पहले से फुल हो गए थे। अब मौज-मस्ती बिना शराब के तो हो नहीं सकती। इसलिए, शराब भी इस बार ठोकठाक बिक गई। दो दिन का रेवेन्यू अबकी 100 करोड़ क्रॉस कर गया। छत्तीसगढ़ में पिछले साल 31 दिसंबर और एक जनवरी को 46 और 50 करोड़ की शराब बिकी थी, इस बार थर्टी फर्स्ट को 53 करोड़ और एक जनवरी को 49 करोड़ की बिक्री हुई। याने 102 करोड़ की। इससे एक दिन पहले 30 दिसंबर को भी लोग 36 करोड़ की देसी और अंग्रेजी शराब गटक गए।

ओएसडी की छुट्टी क्यों?

उप मुख्यमंत्री अरुण साव के ओएसडी विपुल गुप्ता की छुट्टी सत्ता के गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। डिप्टी सीएम ने विपुल को ओएसडी बनाया था, तब वे पूर्व सीएम भूपेश बघेल के पाटन के एसडीएम थे। इसको लेकर तब खूब टीका-टिप्पणी हुई थी। फिर भी विपुल ने यहां पूरे दमदारी से काम किया और शानदार दो साल निकाला। मगर जिस अंदाज में उनकी विदाई हुई, स्पष्ट है कि कहीं से कुछ हुआ जरूर है। तभी मैसेज देने 31 दिसंबर की रात आठ बजे, जब नए साल के स्वागत के मोड में पूरा प्रदेश आ गया था, विपुल गुप्ता की छुट्टी का आदेश निकालने जीएडी सिकेट्री अविनाश चंपावत को फोन किया गया। अब प्रश्न उठता है...31 दिसंबर की रात ओएसडी की विदाई क्यों? इसकी तीन संभावित वजह गिनाई जा रही हैं। दो को लिखा नहीं जा सकता। तीसरे की अभी पुष्टि नहीं हुई है। आपको कुछ पता चले तो बताइयेगा।

आर्मीमैन ओएसडी

राज्य प्रशासनिक सेवा के सीनियर अफसर अजय त्रिपाठी को डिप्टी सीएम अरुण साव का नया ओएसडी बनाया गया है। अजय एयरफोर्स से रिटायर होकर आर्मी कोटे से राप्रसे अधिकारी बने। वे अबिकापुर में एसडीएम तो बिलासपुर जैसे निगम में कमिश्नर रह चुके हैं। राप्रसे अधिकारियों ने भले ही उन्हें स्टेट प्रेसिडेंट की कुर्सी पर बिठा दिया है, मगर तीन-पांच वाले वे हैं नहीं। कवर्धा में जिला पंचायत सीईओ बनकर गए तो एक वीआईपी ने अपना काम कराने का उन पर दबाव डाला। बेचारे को रातोरात बोरिया बिस्तर बांध कर सर्किट हाउस में शरण लेनी पड़ी थी। वहां से छूटे तो दूसरे उप मुख्यमंत्री के पास पहुंच गए। चलिये...एक्स आर्मीमैन को ओएसडी बनाकर अरुण साव लगता है अपनी छवि को लेकर संजीदा हुए हैं।

ओएसडी या इंतजाम अली!

छत्तीसगढ़ सरकार गुड गवर्नेंस पर काफी काम कर रही है। उसे कुछ सालों में शुरू हुई खराब परंपराओं को बदलना चाहिए। इनमें राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को ओएसडी बनाना भी है। पीएससी परीक्षा क्लियर कर राप्रसे अधिकारी मंत्रियों के यहां इंतजाम अली का काम करें, सूबे के लिए ये किसी विडंबना से कम नहीं। छत्तीसगढ़ में रमन सिंह के दौर में दो-तीन राप्रसे ओएसडी थे। पिछली सरकार में सारे मंत्रियों के ओएसडी डिप्टी कलेक्टर हो गए। और इस सरकार में भी वही हो रहा है। मंत्री के बंगले में बैठ सारे काले-पीले कामों को ओएसडी अंजाम देते हैं। मंत्रियों को जिस रास्ते की जानकारी नहीं होती, वो ओएसडी लोग सुझाते हैं। वे इंतजाम अली की भूमिका निभाते हैं और खजांची की भी। रमन सरकार के दौर में अमर अग्रवाल, अजय चंद्राकर, राजेश मूणत जैसे मंत्री कभी भी अपने स्टाफ को लिमिट क्रॉस करने की छूट नहीं दी, इस वजह से इन मंत्रियों पर कोई इल्जाम नहीं लगा। इस सरकार में ओपी चौधरी के स्टाफ को मंत्रालय से आदेश निकलने के बाद पता चलता है कि उनके विभागों में ट्रांसफर हुआ है।

ऐतिहासिक फैसला, मगर...

छत्तीसगढ़ की मंत्रिपरिषद ने पुलिस में बड़ा रिफार्म करते हुए रायपुर में पुलिस कमिश्नर सिस्टम प्रारंभ करने का रास्ता साफ कर दिया है। इसके लिए 23 जनवरी का डेट भी फायनल कर दिया गया है। इसके बाद देश के पुलिस कमिश्नर सिस्टम के नक्शे में छत्तीसगढ़ का नाम भी जुड़ जाएगा। मगर इसके लिए जो एरिया तय किया गया है, वह इसकी सफलता पर संशय खड़ा करता है। पंडरी के आगे का पुराना विधानसभा थाना, माना, नवा रायपुर, अभनपुर जैसे बाहरी इलाके इससे अलग होंगे। याने पुलिस कमिश्नर का कार्यक्षेत्र सिटी एसपी से भी कम हो गया। जबकि, गृह विभाग भी इस वास्तविकता से अवगत होगा कि शहरों के आउटर में ही सबसे अधिक क्राइम होते हैं और आउटर ही क्रिमिनल के ठौर-ठिकानों के लिए सबसे मुफीद होते हैं। और यही इलाके पुलिस कमिश्नर के दायरे में नहीं होंगे। फिर एक बात और...माना एयरपोर्ट पर कोई वीवीआईपी आएगा तो ग्रामीण एसपी उसे रिसीव करेंगे और वीआईपी रोड पर आने के बाद फिर पुलिस कमिश्नर। रायपुर से मंत्रालय और विधानसभा जाने वाले मंत्रियों के लिए अब डबल पायलेटिंग की व्यवस्था करनी होगी। माना थाना से पहले तक रायपुर पुलिस कमिश्नर अपनी गाड़ी लगाएंगे और माना के आगे रायपुर ग्रामीण एसपी की व्यवस्था रहेगी। बहरहाल, सवाल यह नहीं है कि पुलिस कमिश्नर को सरकार कौन-कौन सा अधिकार देगी, फिलहाल, प्रश्न यह है कि जब आधे से कम जिले में कमिश्नर सिस्टम लागू होगा तो रिजल्ट की अपेक्षा कहां और कैसे की जाएगी? निश्चित तौर पर छत्तीसगढ़ सरकार ने पुलिस में रिफार्म का बड़ा प्रयास किया है। मगर पता नहीं कैसे, इसमें कुछ कसर रह गई, उसे दूर करना चाहिए।

वोट जरूरी या प्रदेश

तमनार हिंसा में महिला पुलिस का वीडियो देखकर गृह विभाग और पुलिस महकमे की नजरें नीचे हुई कि नहीं...ये मालूम नहीं। मगर यह जरूर है कि पार्टी-पॉलिटिक्स से दूर अब छत्तीसगढ़ में पोलिसिंग को सख्त बनाने का समय आ गया है। वरना, स्थिति इतनी खराब हो जाएगी कि उसे संभालना मुश्किल हो जाएगा। पिछले पांच सालों की घटनाओं पर गौर करें तो सुकमा कलेक्टर में भीड़ का दुस्साहस तोड़फोड़ करना, नारायणपुर में एसपी पर हमला, बलौदा बाजार में कलेक्ट्रेट, एसपी ऑफिस को फूंक देना। सरगुजा के अमेरा कोल ब्लॉक में पुलिस पर पथराव। 10 दिन के भीतर कांकेर और तमनार जैसी हिंसा। महिला पुलिस पर तालिबानी हमला। जाहिर है, वोट बैंक के चक्कर में छत्तीसगढ़ के गांव जातियों में बंटते जा रहे, शहरों में धार्मिकता बढ़ रही तो शांतप्रिय माने जाने वाले कुछ वर्गों में आक्रमता घर कर रही है। इसके लिए पुलिस का पेशेवर होना जरूरी हो गया है। नहीं तो नक्सलवाद के नासूर से मुक्ति के बाद प्रदेश उपद्रव की भट्ठी में उलझ जाएगा। सियासी लोगों को भी समझना होगा...वोट का कोई मतलब तभी होगा, जब प्रदेश में सब ठीक रहेगा। और शांति के लिए पुलिस का संसाधनों से लैस होना आवश्यक है। वैसे भी पुलिस कोई सामान्य विभाग नहीं। यह आम आदमी का भरोसा है। बड़े और रसूखदार लोगों के खुद का कनेक्शन होने से उनका कोई काम रुकता नहीं। मगर कोई विपदा आने पर आम आदमी सबसे पहले थाने पहुंचता है। उसी पुलिस पर अगर लात-जूते और डंडे बरसाये जाएं, तो सोचिए आम आदमी के विश्वास पर यह कितनी बड़ी चोट होगी। इसलिए, पोलिसिंग को टॉप प्रायरिटी देने का वक्त आ गया है।

उधार में खुफिया

मध्यप्रदेश के दौर में एलआईबी का बड़ा तगड़ा नेटवर्क होता था। कॉफी हाउस, सामाजिक संगठनों और अखबार के दफ्तरों में एलआईबी वाले आए दिन बैठे होते थे। मगर छत्तीसगढ़ बनने के बाद खुफिया विभाग पर कभी ध्यान नहीं दिया गया। 25 साल में छत्तीसगढ़ के इंटेलिजेंस में एक आदमी की भर्ती नहीं हुई। जबकि, खुफिया में डीएम अवस्थी, मुकेश गुप्ता, अशोक जुनेजा जैसे अफसर रहे। बावजूद इसके छत्तीसगढ़ का इंटेलिजेंस उधार के पुलिस कर्मियों के भरोसे खींचता रहा। अब उधार वाले डेप्युटेशन पर आने वालों से इंफरमेशन की उम्मीद कैसे की जा सकती है। उन्हें तो मालूम है कि दो-चार साल बाद फिर उन्हें अपने थानों में लौट जाना है। अब आवश्यक हो गया है, रेगुलर भर्तियां कर खुफिया सिस्टम को मजबूत किया जाए।

डीएमएफ दोषी

कहा जाता है कि लीडर अगर बढ़िया रहें तो नीचे वाले अपने आप अच्छे हो जाते हैं। छत्तीसगढ़ के साथ बुरी स्थिति यह हुई कि पुलिस के लीडर ही बहक गए। इसके लिए काफी कुछ जिम्मेदार पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह और कलेक्टरों का डीएमएफ रहा। रमन सिंह ने शराब के ठेके बंद कर दिए और उप्र के ट्रांसपोर्ट के बैरियर बंद कर दिए। पुलिस को मुफ्त: शराब और बैरियर से पैसे आते थे...रमन सरकार के फैसले से आय के दोनों जरिये बंद हो गए। उधर, कलेक्टरों का डीएमएफ और बढ़ता गया। कलेक्टर दोनों हाथ से लक्ष्मीजी की आवभगत करते रहे और बेचारे एसपी उन्हें देखकर कसमसाते रहे। बहरहाल, आय के इन दोनों स्त्रोतों के बंद होने का नतीजा रहा कि पुलिस को अपना लेवल डाउन कर कबाड़ी, जुआ-सट्टा पर अपना फोकस बढ़ाना पड़ा। फिर भी कम पड़ा तो एसपी लोग थानों का रेट फिक्स करने। छत्तीसगढ़ के अधिकांश जिलों में अब ये चलन बन गया है। थानों की बोली लगती है। छत्तीसगढ़ के 50 थाने ऐसे हैं, जिसके लिए प्रति महीने दो पेटी से लेकर पांच पेटी तक की बोली लगती है। जाहिर सी बात है, थानेदार महीने का दो लाख देगा तो पांच लाख का इंतजाम अपने लिए भी करेगा। ऐसे में, पोलिसिंग की उम्मीद क्यों की जानी चाहिए?

118 नेताओं में चुनाव

बीजेपी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनने के लिए पूरा एक साल एक्सरसाइज किया। 28 राज्यों के 40 से 50 साल के युवा नेताओं का डेटाबेस तैयार किया। सबकी कुंडली खंगालने और फिल्टर करने के बाद 18 की लिस्ट बनाया गया। बताते हैं, यह काम इतनी सतर्कता से साथ किया गया कि किसी को भनक नहीं लग पाई कि इसका असली मकसद क्या है। डेटा एकत्र करते समय बताया गया कि पार्टी भविष्य के युवा नेताओं का सर्वे करा रही है। बहरहाल, 18 के फायनल पैनल में एक नाम बिहार के कैबिनेट मंत्री नितिन नवीन का था। पार्टी ने उन्हें उपयुक्त मान कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित कर दिया। यह जानकर आपको आश्चर्य होगा कि स्क्रूटनी के बाद तैयार की गई 18 में छत्तीसगढ़ के एक युवा नेता का नाम भी शामिल था।

2019 बैच कंप्लीट

छत्तीसगढ़ के दो जिले के कलेक्टर डेप्युटेशन पर दिल्ली जा रहे हैं। संभवतः इसी महीने उनका पोस्टिंग आर्डर निकल जाए। इसके बाद कलेक्टरों की एक लिस्ट निकलेगी। काफी संभावना है कि इस लिस्ट में 2019 बैच की कलेक्टरी कंप्लीट हो जाए। इस बैच के विश्वदीप और रैना जमील को छोड़ सभी कलेक्टर बन गए हैं। जीतेंद्र यादव से सबसे पहले राजनांदगांव का कलेक्टर बनाया गया था। उसके बाद नम्रता जैन को कोंडागांव और अमित कुमार को सुकमा। नए साल में विश्वदीप और रैना जमील को कलेक्टरी का तोहफा मिल सकता है। हालांकि, विश्वदीप रायपुर नगर निगम कमिश्नर हैं। रायपुर निगम कमिश्नर की पोस्टिंग छोटे जिलों की कलेक्टरी से ज्यादा एक्सपोजर वाली होती है। इसलिए, विश्वदीप को भी कलेक्टर बनने की कोई जल्दी नहीं होगी।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. इस बात में कितनी सच्चाई है कि छत्तीसगढ़ में होली के बाद पूरे मंत्रिमंडल का इस्तीफा हो जाएगा?

2. छत्तीसगढ़ में आईपीएस जीपी सिंह को लेकर चर्चाएं क्यों शुरू हो गई हैं?

जैकेट के शेष

हिड़मा के उत्तराधिकारी ....

सपर्मण कर दिया है। सीसी मेबर हिड़मा के मारे जाने के बाद देवा को माओवादी संगठन ने बटालियन चीफ नियुक्त किया था। माओवादियों की सबसे घातक मानी जाने वाली पीएलजीए (पीपुल्स लिबरेशन गुरीला आर्मी) बटालियन पूरी तरह से कमजोर पड़ चुकी है। देवा संगठन के लिए अत्याधुनिक हथियार जुटाने और हथियारों की सप्लाई चेन बनाए रखने में मुख्य भूमिका निभाता रहा है।

समर्पण के दौरान तेलगांना स्टेट के डीजीपी शिवधर रेड्डी ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले सभी नक्सलियों को सरकारी पुनर्वास नीति का लाभ दिया जाएगा। डीजीपी ने सभी को तत्काल सहायता के रूप में 25-25 हजार रूपए प्रोत्साहन राशि देते हुए कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले नेताओं पर घोषित इनाम की राशि भी नियमों के अनुसार उन्हें प्रदान की जाएगी। बारसे देवा के समर्पण से छग समेत पड़ोसी राज्यों की पुलिस ने भी राहत की सांस ली है। हिड़मा के बाद देवा ही वह चेहरा था जो सुरक्षा बलों के लिए सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ था। बारसे देवा कई वर्षों से नक्सली संगठन के सैन्य ढांचे का हिस्सा रहा है और उसे संगठन की एक महत्वपूर्ण बटालियन की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। यह वही ढांचा है जो सुरक्षा बलों के खिलाफ कई बड़े ऑपरेशनों में शामिल रहा है। बताया जाता है कि देवा को इलाके की भौगोलिक स्थिति, जंगल मार्गों और रणनीतिक ठिकानों की गहरी जानकारी थी। इसी वजह से वह लंबे समय तक सुरक्षा एजेंसियों की पकड़ से बाहर रहा।

हथियारों के जखीरा व ....

राइफल, 10 इंसास राइफल, 8 एसएलआर राइफल, 4 बीजीएल, 11 सिंगल-शॉट, 2 ग्रेनेड, 1 एयर गन, साथ ही विभिन्न कैलिबर के 2,206 राउंड व गोला बारूद शामिल है। इसके अलावा 20 लाख रूपए से अधिक नगद रकम भी तेलगांना पुलिस को सौंपने की खबर है।

समर्पित नक्सलियों पर ....

उर्फ महेंदर, पोडियम चैती, पुनेम भीमा उर्फ अनिल, पुत्र लक्मा, मड़कम नंदैया उर्फ जीतू तथा पुलसम मंगू शामिल है।

आकाश गिरपुंजे के ....

डीआरजी की टीम सर्च अभियान में रवाना हुई थी। सुबह लगभग 5 बजे से अलग अलग स्थानों में नक्सलियों व जवानों के बीच हो रही गोलीबारी की आवाज गूंजती रही। दोपहर लगभग एक बजे तक कई बार हुई मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ स्थल की सर्चिंग में 14 नक्सलियों के शव बरामद किए। बीजापुर के जंगल में 10-15 सशस्त्र माओवादियों की मौजूदगी की जानकारी के आधार पर डीआरजी बीजापुर ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। बीजापुर के थाना बासागुड़ा के गगनपल्ली-मुरकीपार के जंगल पहाडों में डीआरजी बीजापुर एवं माओवादियों के बीच सुबह 5 बजे से रुक-रुककर फायरिंग हुई। यहां हुए मुठभेड़ में जवानों ने 5-5 लाख रुपए के ईनामी एक महिला व एक पुरुष नक्सली का शव बरामद किया है।

नक्सल उन्मूलन में ऐतिहासिक रहा वर्ष 2025 में मारे गए थे 256 नक्सली : वर्ष 2025 में बस्तर संभाग के अलग अलग जिले में 256 नक्सलियों को सुरक्षाबलों ने मार गिराया। साल 2025 में मुठभेड़ों के बाद, सर्च ऑपरेशन के दौरान और सरेंडर नक्सलियों से 665 हथियार भी बरामद हुए थे। आईजी सुंदरराज पी ने बताया कि बीते वर्ष 1560 नक्सलियों ने सरेंडर किया था। इसके अलावा 52 से ज्यादा नए सुरक्षा कैंप खोले गए थे। इस वर्ष हुए बड़े मुठभेड़ में 3 दिसंबर को बीजापुर जिले के गंगालूर में पीएलजीए कंपनी नंबर 2 कमांडर मोदियामी वेल्ला समेत 18 नक्सली को ढेर किया गया था। वहीं 11 नवंबर को बीजापुर जिले में 6 नक्सली ढेर, 21 मई को शीर्ष नक्सली नेता बसवराजू समेत 28 नक्सली मारे गए थे। 15 मई को बीजापुर के करेगुट्टा पहाड़ पर 31 नक्सली ढेर, 29 मार्च को सुकमा में 17 नक्सलियों के शव बरामद किया गया था, 20 मार्च को बीजापुर और कांकेर में हुए दो नक्सल एनकाउंटर में 30 नक्सली ढेर, 9 फरवरी को बीजापुर जिले में 31 माओवादियों मारे गए, 16 जनवरी को बीजापुर जिले में भीषण मुठभेड़ में 18 माओवादी ढेर हुए थे।

सीएम साय ने कहा-....

सफलता प्राप्त हुई है, जिसमें 14 माओवादियों को न्यूट्रलाइज़ किया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सुरक्षा बलों की सटीक रणनीति, सतत दबाव और मजबूत जमीनी पकड़ के कारण माओवादी नेटवर्क तेजी से कमजोर हो रहा है। उन्होंने कहा कि बस्तर अब विकास, निवेश, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के नए अवसरों के साथ आगे बढ़ रहा है। यह परिवर्तन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व, सुरक्षा बलों की अदम्य वीरता एवं प्रतिबद्धता, संवेदनशील पुनर्वास नीति तथा बस्तर की जनता के अटूट विश्वास का परिणाम है।

डीवीसीएम मंगडू व ...

मास्टरमाइंड थे, जिसमें एएसपी आकाश राव गिरिपूंजे शहीद हुए थे।

गृहमंत्री अमित शाह इसी ....

तैयारी चल रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इसी महीने छत्तीसगढ़ दौरे पर आ सकते हैं और नक्सलवाद की समीक्षा कर सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि नक्सलवाद को समाप्त करने की डेडलाइन तय होने के बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह लगातार छत्तीसगढ़ के दौरे पर आ रहे हैं। वे यहां पर नक्सलवाद को लेकर रणनीति बनाने का काम करते हैं। केंद्र सरकार नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए बहुत ज्यादा गंभीर है। इसका नतीजा भी दिख रहा है। जहां लगातार नक्सली मारे जा रहे हैं, वहीं नक्सली आत्मसमर्पण भी कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में भी पहली बार डीजी-आईजी कांफ्रेंस का आयोजन किया गया था। इसमें यहां पर तीन दिनों तक जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रहे, वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह चार दिनों तक रहे थे। इस कांफ्रेंस के समाप्त होने 12 दिनों बाद ही अमित शाह बस्तर ओलंपिक के समापन में आए थे। अब एक बार वे फिर से इसी माह आने वाले हैं।

पांच माह से ....

कहा कि सरकार ने राजनीतिक बदले की कार्रवाई की। न्यायालय का बहुत बहुत धन्यवाद। भूपेश बघेल ने कहा साबित हो गया है कि केंद्र और राज्य सरकार की जांच एजेंसियों का राजनीतिक उद्देश्य से इस्तेमाल किया गया है। हम पहले से कह रहे हैं कि उनके बेटे की गिरफ्तारी एक साजिश के तहत की गई थी।

आज उसे जमानत मिल गई है। श्री बघेल ने गाड़ी के ऊपर चढ़कर समर्थकों को शुक्रिया कहा। इसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री श्री बघेल, नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत के साथ अपने बेटे को कार में बैठाकर स्वयं कार ड्राइव करते हुए लेकर गए। इस दौरा सेंट्रल जेल परिसर के बाहर भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। चैतन्य का काफिला जैसे ही सेंट्रल जेल से बाहर आया सड़कों पर जाम के हालात बन गए। भिलाई में भी चैतन्य का जोरदार स्वागत किया गया।

कवासी लखमा .....

पोस्टर नहीं लगा? कांग्रेस में परिवारवाद को लॉन्च कर बढ़ाया जाता है। कांग्रेस की विचारधारा ही परिवारवाद है। राम विचार नेताम ने कहा, गिरफ्तारी तथ्यों और बयानों के आधार पर होती है।

125 साल बाद ....

माध्यम से ही नहीं, बल्कि भावनाओं, आस्था और आध्यात्मिकता के गहरे बंधनों के माध्यम से भी जुड़ा हुआ है। मोदी दक्षिण दिल्ली के किला राय पिथोरा सांस्कृतिक परिसर में 'लाइट एंड लोटसः रेलिक्स ऑफ द अवेकंड वंस' नामक प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने याद दिलाया कि सरकार और गोदरेज समूह के हस्तक्षेप से ये पवित्र अवशेष 125 वर्षों से अधिक समय बाद भारत लाए गए हैं। मोदी ने कहा कि दोनों ने मिलकर पिछले साल मई में हांगकांग में इनकी नीलामी रोकी थी।

पीएम मोदी ने अपनी ....

यात्रा सम्राट अशोक, भिक्षु महिंदा और संघमित्रा द्वारा स्थापित परंपरा से जुड़ने का एक अनुभव था। उन्होंने कहा कि थाईलैंड के वाट फो और सिंगापुर के बुद्ध टूथ रेलिक मंदिर की यात्राओं ने भगवान बुद्ध की शिक्षाओं के प्रभाव के बारे में उनकी समझ को और गहरा किया।

विश्वभर में बोधिवृक्ष...

प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने पाली भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया है ताकि बुद्ध द्वारा दिए गए उपदेश आम लोगों तक आसानी से पहुंच सकें। उन्होंने कहा, इससे धम्म को उसके मूल स्वरूप में समझना और समझाना आसान हो जाएगा और बौद्ध परंपरा से जुड़े शोध को भी मजबूती मिलेगी। पिपरहवा अवशेष प्रारंभिक बौद्ध धर्म के पुरातात्विक अध्ययन में केंद्रीय स्थान रखते हैं।

मिजोरम में 11.062 किलो ड्रग्स जब्त : सैतुअल। मिजोरम के सैतुअल जिले में भारत-म्यांमार सीमा के पास असम राइफल्स ने 11.062 किलो मेथामफे टामिन टैबलेट जब्त की हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इनकी अनुमानित कीमत 33.186 करोड़ रुपए है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

गति शक्ति इकाई के अंतर्गत विभिन्न निर्माण हेतु ई-निविदा

जीएसयू / इलेक्ट्रिकल (जी) कार्य:

1. निविदा क्रमांक: GSU-EL-G-NAG-2025-26-12 दिनांक: 26.12.2025

कार्य का नाम: दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल में इलेक्ट्रिकल (जी) से सम्बंधित कार्य - 1. DEN (उत्तर) के अधिकार क्षेत्र अंतर्गत समनापुर, चिराईडोंगरी, बिरसोला, हट्टा रोड, वारासिवनी और कटंगी रेलवे स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म को ML/RL से HL तक ऊंचा करना। 2. DEN (उत्तर) के अधिकार क्षेत्र अंतर्गत पैसेंजर हॉल्ट गर्हा, कायदी, सावंगी, कोचेवानी और लखनवाड़ा में प्लेटफॉर्म को ML/RL से HL तक ऊंचा करना। 3. DEN (उत्तर) के अधिकार क्षेत्र अंतर्गत पैसेंजर हॉल्ट गतरा, खारा, कान्हाड़गांव, नगराधाम व प्रताप-बाग में प्लेटफॉर्म को ML/RL से HL तक ऊंचा करना। 4. गोंदिया रेलवे स्टेशन के प्लेट-फॉर्म नंबर 2 को ML से HL तक ऊंचा करना।

निविदा मूल्य: ₹ 2,00,39,740.84

बयाना राशि: ₹ 2,50,200.00

निविदा जमा करने की अंतिम तिथि: दिनांक **21.01.2026 के 15:00** बजे तक।

2. निविदा क्रमांक: GSU-EL-G-NAG-2025-26-13 दिनांक: 27.12.2025

कार्य का नाम: दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल में इलेक्ट्रिकल (जी) से सम्बंधित कार्य - बरगी (BUQ), ग्वारीघाट (GRG), गर्हा गुड्स शेड (GGGS), पादरीगंज (PNJ), नगरवारा (NWA) व चारीगांव (CRN) रेलवे स्टेशनों पर ML से HL तक प्लेटफार्म की ऊंचाई बढ़ाना।

निविदा मूल्य: ₹ 1,65,33,876.64

बयाना राशि: ₹ 2,32,700.00

निविदा जमा करने की अंतिम तिथि: दिनांक **23.01.2026 के 15:00** बजे तक।

उपरोक्त निविदा के अधिक विवरण के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जाएं।

मंडल विद्युत अभियंता-जीएसयू, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर

MS/56-249

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

पेज एक के शेष

अचानकमार टाइगर रिजर्व में हथियार

विभाग सक्रिय हुआ और आरोपियों की घेराबंदी कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। प्रतिबंधित कोर जोन से लगे क्षेत्र में घुसकर हथियार लहराने और फायरिंग करने के मामले में वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद विभाग ने त्वरित एक्शन लेते हुए तीन आरोपियों को दबोच लिया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान अजीत वैष्णव 26 साल, अनिकेत 27 साल और विक्रांत वैष्णव 36 साल के रूप में हुई है। इस मामले में एक नाबालिग आरोपी फिलहाल फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है।

आधी रात अटैक, वेनेजुएला के...

नहीं हैं। उन्होंने कहा, हम उनके जीवित होने का सबूत चाहते हैं। ट्रंप ने कहा, मदुरो और उनकी पत्नी को पकड़ कर देश से बाहर ले जाया गया है। यह अभियान अमेरिकी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सहयोग से चलाया गया। विस्तृत जानकारी जल्द दी जाएगी। उन्होंने बाद में शनिवार सुबह एक संवाददाता सम्मेलन करना निर्धारित किया। अमेरिका के कानून के तहत इस हमले के कानूनी निहितार्थ तुरंत स्पष्ट नहीं हैं। सीनेट सदस्य माइक ली ने 'एक्स' पर लिखा कि उन्होंने विदेश मंत्री मार्को रूबियो से बातचीत की, जिन्होंने उन्हें हमले के बारे में जानकारी दी। रूबियो ने ली को बताया कि मादुरो को अमेरिका में आपराधिक आरोपों के तहत मुकदमे का सामना करने के लिए अमेरिकी कर्मियों द्वारा गिरफ्तार किया गया है। इस बीच, संघीय विमानन प्राधिकरण (एफएए) ने काराकस में विस्फोटों से पहले 'जारी सैन्य गतिविधि' के चलते वेनेजुएला के हवाई क्षेत्र में अमेरिकी वाणिज्यिक उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया था। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब ट्रंप प्रशासन ने मादुरो पर कई महीनों से दबाव बढ़ाया था।

'तेल' ने दो देशों के बीच भड़काई ...

ने अपने पूरे तेल उद्योग का राष्ट्रीयकरण कर दिया था। इसका सीधा मतलब यह था कि विदेशी तेल कंपनियों-चाहे वे अमेरिकी ही क्यों न हों-जैसे एक्सॉन, गल्फ ऑयल और मोबिल, के सभी ऑपरेशन वेनेजुएला की सरकारी कंपनी पेट्रोलियोस डी वेनेजुएला के अधीन आ गए। इस फैसले के बाद अमेरिकी कंपनियों के लिए वेनेजुएला में तेल निकालना काफी मुश्किल हो गया।

रांग साइड जाकर पेड़ से टकराई ...

मानिकपुरी 39 साल आरंग खरोरा रायपुर, अमित चंद्रवंशी पिता अयोध्या चंद्रवंशी 37 साल दलदल सिवनी मोवा रायपुर, राजकुमार साहू रायपुर, चालक निलेश्वर धीवर पिता चैतराम धीवर 38 साल दलदल सिवनी मोवा रायपुर निवासी 2 जनवरी 2026 की रात कार क्रमांक सीजी 04 क्यूजे, 2152 में नया साल में अमरकंटक घूमने जाने के लिए निकले थे। 3 जनवरी 2026 की सुबह 9.30 बजे बेलगहना रोड ग्राम भस्को के पास उनकी तेज रफ्तार कार रांग साइड में जाकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि उसके टकराने से पेड़ फट गया और कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कार सवार सभी लोग अंदर फंस गए थे। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और सभी को कार से बाहर निकाला गया।

सीएम ने राष्ट्रपति से की मुलाकात ...

पारंपरिक वाद्ययंत्र, हस्तशिल्प, जनजातीय व्यंजन, वेशभूषा सहित विभिन्न सांस्कृतिक विधाओं का प्रदर्शन किया जाएगा।

जनजातिय समाज की सांस्कृतिक पहचान संरक्षित करने काम-साय : इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति को छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, बुनियादी ढांचे के विस्तार एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति से भी अवगत कराया। उन्होंने कहा, राज्य सरकार जनजातीय समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ते हुए उनकी सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित रखने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने जनजातीय संस्कृति से जुड़े इस आयोजन की सराहना करते हुए बस्तर पंडुम 2026 के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

प्रियंका को असम, टीएस को तमिलनाडु...

से संबंधित स्क्रीनिंग कमेटी में प्रियंका गांधी के साथ सप्तगिरि उलाका, इमरान मसूद और श्रीवेला प्रसाद को बतौर सदस्य शामिल किया गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मधुसूदन मिस्त्री की अध्यक्षता में केरल के लिए गठित स्क्रीनिंग कमेटी में सैयद नासिर हुसैन, नीरज डांगी और अभिषेक दत्त को शामिल किया गया है। छत्तीसगढ़ के पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव को तमिलनाडु और पुडुचेरी से संबंधित स्क्रीनिंग कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। यशोमती ठाकुर, जी सी चंद्रशेखर और अनिल कुमार यादव को बतौर सदस्य शामिल किया गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बी के हरिप्रसाद को पश्चिम बंगाल के लिए बनी स्क्रीनिंग कमेटी की अध्यक्षता सौंपी गई है। मोहम्मद जावेद, ममता देवी और बी पी सिंह को भी इस कमेटी में जगह दी गई है।

जाहीर नोटीस

औरंगाबाद येथील श्री. एस.के. कुलकर्णी, जिल्हा न्यायाधीश. 02 व अति. सत्र न्यायाधीश औरंगाबाद
एमएसीपी क्रमांक 138/2020
नागोराव नारायण पौळ
// विरुद्ध //
मंदिपसिंग अजमेरसिंग व इतर
नि. क्र.

प्रति, 1. मंदीपसिंग अजमेरसिंग, रा. बॉम्बे रांची कॅ रिअर्स, हॅपी ढाबा, ताटी बांध जि. रायपूर राज्य छत्तीसगड.

ज्याअर्थी अर्जदार 1) नागोराव पि. नारायण पौळ यांनी या न्यायालयात अॅड. आर. के. ढगे यांचे मार्फत एम.ए.सी.पी. नं.138/2020 नुसार नुकसान भरपाई मिळणे करीता दावा दाखल केला आहे.

आपणास या पूर्वीही सद्य प्रकरणात नोटीस मा. कोर्टाने पाठविली असता तिची बजावणी तुम्हास न होता विना तामील वापस आली आहे.

त्याअर्थी, याद्वारे तुम्हास कळविण्यात येत आहे की, तुम्ही सदर अर्जाविरुध्द कारण दाखविण्याकरिता सदर जाहीर नोटीस वर्तमानपत्रात प्रकाशित झाल्याच्या तारखेपासुन 30 दिवसांच्या आत या न्यायालयात व्यक्तिगत किंवा रितसर वकिलामार्फत हजर व्हावे. तसे न केल्यास उक्त अर्जाची एकतर्फी सुनावणी होऊन निकाल दिला जाईल.
पुढील दिनांक - 22/01/2026

तुम्हाला अशीही नोटीस देण्यात येत आहे की तूम्ही निर्धारित वेळेत किंवा त्यापुर्वी बजावणी करीता पत्ता देण्यात कसुर केल्यास तुमचा बचाव ग्राह्य धरला जाणार नाही.

आज दिनांक 01 जानेवारी, 2026 रोजी माझ्या सही व कोर्टाच्या शिक्क्यानिशी देण्यात आले.

आदेशान्वये,
अधिक्षक,
जिल्हा न्यायालय, औरंगाबाद
(शिक्का)

STEEL AUTHORITY OF INDIA LIMITED
BHILAI STEEL PLANT
Bhilai, Dist-Durg, Chhattisgarh, India-490001

EXPRESSION OF INTEREST (EOI) FOR RUNNING OF ENGLISH MEDIUM CG BOARD/CBSE BOARD/ICSE BOARD SCHOOL AT BHILAI TOWNSHIP OF SAIL, BHILAI STEEL PLANT

EOI Ref. No.: CCNW/ 770 Dated: 22.12.2025

Expression of interest (EOI) is invited from established Educational Trust/ Society/ Institution/ Organization, having adequate financial resources and experience, for running of English Medium CG Board/ CBSE Board/ ICSE Board School in the building of the BSP Girls Higher Secondary school ,sector 11,Khursipar of Bhilai Township of SAIL- Bhilai Steel Plant, Bhilai (CG) on long term lease basis on "as is where is basis".

ELIGIBILITY CRITERIA:
1.The Party should be a registered Trust/ Society/ Institution/ Organization.
2.The Party should have experience of not less than 10 years of running CG Board/ CBSE Board/ ICSE Board English Medium school(s), from class I to XII having minimum number of 1000 students in at least one school ,with class I to class XII ending last day of month previous to the one in which EOI is invited.

The details of EOI along with EOI documents may be downloaded from SAIL web site **www.sailtenders.co.in**
The last date of submission of the EOI documents is 22.01.2026 (17:00:00)

For more Information Contact- 07882857798

Advt no. BSP-17/25-26, Dt. 01/01/2026

Registered Office: Ispat Bhawan, Lodi Road, New Delhi 110 003
Corporate Identity Number : 127109DL1973G01006454.Website: www.sail.co.in

There's a little bit of SAIL in everybody's life

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
(निर्माण संगठन)
ई-निविदा सूचना

निविदा-क्रमांकः सीएओ/सी/बीएसपी/25-26/20 दिनांक : 27-12-2025 (ओपेन ई-टेंडर) (सिंगल पैकेट सिस्टम)

कार्यः "WRS कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ) में डिप्टी चीफ इंजीनियर/निर्माण/रायपुर का कैम्प ऑफिस निर्माण।" **निविदा मूल्य** : रू 7,11,89,919.15 **अमानत राशि** : रू 5,06,000.00 **निविदा दस्तावेज की लागत** : शून्य **कार्य पूरा होने की अवधि : 12** (बारह) महीने, स्वीकृति पत्र प्राप्त होने की तिथि से। (1) **निविदा बंद होने का समय एवं दिनांकः** 20/01/2026 को 15:00 बजे तक। (2) **निविदा खोलने का समय एवं दिनांक** : 20/01/2026 को 15:30 बजे।

विस्तृत जानकारी/निविदा दस्तावेज का पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) / दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे, अथवा, बिलासपुर-पिनः 495004 अथवा उप-मुख्य अभियंता / निर्माण/दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे, रायपुर पिन : 492009 अथवा मुख्य परियोजेना प्रबन्धक /पश्चिम/निर्माण / नागपुर/ दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे, नागपुर पिनः 440001 के कार्यालय में संपर्क करे अथवा निविदा कागजात जो हमारी वेवसाइट www.ireps gov.in पर उपलब्ध है उसे डाउन लोड कर / देख सकते है।

उप-मुख्य अभियंता / निर्माण
सीपीआर/10/AM/580 द.पू.मध्य रेल्वे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

मुकदमें के फैसले के बारे में समन्स
(व्यवहार प्रक्रिया संहित, आदेश 5 नियम 1 और 5)
वाद क्रमांक-Succession-89/2025
प्रोसेस क्र.- 496/2025
पेशी दिनांक- 15/01/2026
न्यायालय- श्रीमती कामिनी जायसवाल
तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी दुर्ग
जिला- दुर्ग (छ.ग.), आवेदक- कु. ऋषिका व अन्य // बनाम//
अनावेदक- कुल सचिव, प. र. शं. शु. वि. वि. व अन्य

क्योंकि वादी/आवेदक ने आपके विरुद्ध धारा-372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1972 का वाद प्रस्तुत किया है, आपको इस समंस द्वारा आदेशित किया जाता है कि आप इस न्यायालय में पेशी दिनांक 15 माह 01 सन् 2026 को सुबह 11 बजे स्वयं या ऐसे किसी प्लीडर/अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक् अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद से संबंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश दिया है कि आप उस दिनांक को अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेजें जो आपके अभिरक्षा या शक्तियों में है, पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या प्रतिदावा आधारित है और आप यदि किसी अन्य दस्तावेज समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं, तो ऐसे दस्तावेजों की, लिखित कथन के साथ उपावन की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि आप बतायी गई पेशी तिथि को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और निराकरण आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा। आज दिनांक 29/12/2025 को न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

जज
(श्रीमती कामिनी जायसवाल)
तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी
दुर्ग, जिला- दुर्ग (छ.ग.)
(मुहर)

कार्यालय नगरपालिका परिषद् बड़े बचेली, जिला-दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)
Email address- cmbacheli@redifmail.com

क्रमांक /1926 /लो.नि.वि./न.पा. परि./2025-26 बड़े बचेली, दिनांकः- 01/01/2026

-//ई प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना//
Main Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

नगरपालिका परिषद् बड़े बचेली द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) माध्यम से ई -निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सिस्टम टेंडर क्र.	कार्य का विवरण एवं मद	अनुमानित लागत राशि (लाख रू. में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	183029	Revamping of Material Recovery Facility (MRF) including installation of Machinery and construction of Compost Plant in Municipal Areas of Bade bacheli, Chhattisgarh (SBM 2.0 SWM मद)	64.14	27-01-2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबपोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट https://uad.cg.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् बड़े बचेली
जिला- दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा (छ.ग.)

शब्द पहेली - 6098

■ मंगल सैनचा, बैंगलोर

बाएँ से दाए-
1. एक असुर जिसे शिव ने वरदान दिया था -4
4. दान देने वाला-4
7. सवारी गाड़ी-2
8. संख्या, रत्न-2
10. जाप, मंत्र पाठ-2
12. आक्रमणकारी-5
14. अपशिष्ट पदार्थ-2
15. दिन, प्रहार-2
16. भीगा हुआ-2
17. शिशु, पैदा हुआ बच्चा-4
19. कीमती-4
20. आलसी, निष्ठाहीन-5
21. जिसे दीक्षा नहीं दी गई हो-5
22. गारंटी, मुचलका-4
24. रिश्तेदार-2
25. शेर, नाहर-2
26. पिटाई, चोट-2
27. निम्नता, न्यूनता-5
31. परिणाम, निष्कर्ष-2
32. महेंद्रसिंह धोनी को इस नाम से भी जानते हैं-2
33. मूल, कंद-2
35. पितृपक्ष-2

ऊपर से नीचे
2. सवेरा, भोर-3
3. सांभर जैसा आहार -3
4. दैत्य, असुर-3
5. शहर-3
6. तरुण, जवान-4
9. एक महीन व कीमती कपड़ा-4
11. ईश्वर, रब-7
13. डांट, फटकार, भर्त्सना -3,4
14. भारत के पूर्व प्रधानमंत्री-5,2
18. अधीन-3
19. निवेदन, प्रार्थना-3
21. असमतल-4
23. धमाका, सनसनी-4
27. करिश्मा-3
28. बारीक-3
29. कपड़े धोनेवाला-3
30. पिटाई करना, भांपना-3

शब्द पहेली - 6097 का हल

सूडोकु नवताल - 6108

★★★★☆ मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

■ MANGAL SENACHA, BANGALORE

सूडोकु नवताल - 6107 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

इस साल लार्ज-कैप पर फोकस करें व सेक्टर चयन में बरतें समझदारी

▶▶ स्मार्ट निवेशकों को 2026 के लिए निवेश के टिप हाई वैल्यूएशन और वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में लार्ज कैप सबसे बेस्ट

▶▶ 60% लार्ज-कैप, 15% मिड-कैप और 10% स्मॉल-कैप में रखना सही रहेगा, इसमें अच्छा रिटर्न देने की क्षमता

▶▶ बैंकिंग, फाइनेंशियल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी, हेल्थकेयर और आईटी प्रमुख ग्रोथ सेक्टर रहेंगे

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

निवेश के नजरिये से देखा जाए तो वर्ष 2025 बेहद उतार-चढ़ाव वाला साल रहा। मिडकैप और स्मॉलकैप फंड्स ने जहां निवेशकों को निराश किया, वहीं लार्ज कैप फंड्स ने फायदा पहुंचाया है। अब बाजार के जानकारों का कहना है कि वर्ष 2026 के लिए निवेशकों निवेश के लिए धैर्य के साथ बेहतर रणनीति बनानी होगी, ताकि उनकी ग्रोथ बरकरार रह सके। अब 2026 में महंगाई के नियंत्रण में रहने, ब्याज दरों में संभावित कटौती और भू-राजनीतिक जोखिमों के धीरे-धीरे कम होने से बाजार के माहौल में सुधार की उम्मीद है। जानकारों ने 2026 में लार्ज-कैप शेयरों पर फोकस करने की सलाह है। हाई वैल्यूएशन और वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में लार्ज कैप कंपनियां ज्यादा स्थिरता, बेहतर बैलेंस शीट और मजबूत अर्निंग हासिल करती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पोर्टफोलियो का लगभग 60% लार्ज-कैप, 15% मिड-कैप और 10% स्मॉल-कैप में रखना सही रहेगा. मिड और स्मॉल-कैप में अवसर हैं, लेकिन केवल चुनिंदा और मजबूत कंपनियों में ही निवेश करना चाहिए। बैंकिंग, फाइनेंशियल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी, हेल्थकेयर और आईटी प्रमुख ग्रोथ के सेक्टर रहेंगे। ऐसे में इन सेक्टरों पर निवेश के लिए फोकस किया जा सकता है।

यह वर्ष सावधानी के साथ अवसर वाला

नए साल की शुरुआत भारतीय शेयर बाजार के लिए ज्यादा बैलेंस और उम्मीदों से भरी दिख रही है। 2025 में ग्लोबल टेंशन, हाई वैल्यूएशन और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बावजूद भारतीय बाजार घरेलू निवेशकों की मजबूत भागीदारी से टिका रहा। यह साल "सावधानी के साथ अवसर" वाला माना जा सकता है। एक ब्रोकरेज हाउस ने 2026 की इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजी पर अपनी एक रिपोर्ट दी है। इसमें कहा गया है कि निवेशकों को लार्ज कैप फंड्स पर फोकस करना चाहिए, चूंकि लार्ज कैप कंपनियां ज्यादा स्थिरता प्रदान करती हैं।

निवेश के लिए यह दी सलाह

ब्रोकरेज हाउस ने गोल्ड और सिल्वर में एलोकेशन घटाकर 5 फीसदी और डेट कैटेगरी (बॉन्ड/फिक्स्ड इनकम) में 10 फीसदी करने की सलाह दी है, ताकि स्थिरता और जोखिम संतुलन बना रहे। जैसे-जैसे वैश्विक जोखिम कम होंगे, इक्विटी की ओर झुकाव बढ़ेगा। निवेशक 60% लार्ज-कैप, 15% मिड-कैप और 10% स्मॉल-कैप में रखें। इसके अलावा गोल्ड, सिल्वर में 5% और डेट कैटेगरी में 10% निवेश की सलाह दी जाती है। इससे आपका पोर्टफोलियो बैलेंस रहेगा और निवेश में मुनाफा होगा, नुकसान नहीं।

इन सेक्टर पर करें फोकस

सेक्टर लेवल पर, बैंकिंग और फाइनेंशियल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी, हेल्थकेयर और आईटी 2026 के प्रमुख ग्रोथ सेक्टर माने गए हैं। ब्याज दरों में कटौती से बैंकों को क्रेडिट ग्रोथ का फायदा मिलेगा, जबकि सरकारी कैपेक्स और निजी निवेश में सुधार से इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों को सपोर्ट मिलेगा। टैक्स राहत, कम महंगाई और 8वें वेतन आयोग जैसी उम्मीदों से उपभोक्ता खर्च बढ़ने की संभावना है।

टिकाऊ ग्रोथ वाला साल

कुल मिलाकर, 2026 को "धीरे लेकिन टिकाऊ ग्रोथ" का साल माना जा रहा है। निफ्टी-50 के लिए दिसंबर 2026 तक लगभग 29,150 का लक्ष्य रखा गया है, जो करीब 12% सालाना रिटर्न का संकेत देता है। हालांकि हाई वैल्यूएशन, विदेशी निवेशकों की वापसी में देरी और वैश्विक घटनाक्रम जोखिम बने रहेंगे। इसलिए 2026 की सबसे अच्छी निवेश रणनीति होगी-लार्ज-कैप पर फोकस, सेक्टर चयन में समझदारी, और डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो के साथ धैर्य।

क्या हैं लार्जकैप फंड्स

लार्ज-कैप फंड्स उन कंपनियों में निवेश करते हैं, जिनकी मार्केट कैपिटलाइजेशन 20,000 करोड़ रुपये से अधिक होती है। ये फंड्स स्थिरता और कम जोखिम के लिए जाने जाते हैं, जो उन्हें लंबी अवधि के निवेशकों के लिए उपयुक्त बनाते हैं।

टॉप लार्ज-कैप म्यूचुअल फंड्स

- निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 27% और 10-वर्षीय रिटर्न 16%
- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 23% और 10-वर्षीय रिटर्न 16%
- एचडीएफसी लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 23% और 10-वर्षीय रिटर्न 14%
- इन्वेस्को इंडिया लार्जकैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 22% और 10-वर्षीय रिटर्न 15%
- टाटा लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 21% और 10-वर्षीय रिटर्न 14%

लार्ज-कैप फंड्स के फायदे

- स्थिरता और कम जोखिम
- लंबी अवधि के निवेश के लिए उपयुक्त
- अनुभवी फंड मैनेजर्स द्वारा प्रबंधित
- विविध पोर्टफोलियो

बिना बिल घर में रख सकते हैं कितना सोना, समझ लें नियम

जानकारी
बिजनेस डेस्क

■ शादी, विरासत और गिफ्ट में मिले गोल्ड पर ऐसे है टैक्स के नियम
■ अगर सोने के गहने या आभूषण वैध आय से प्राप्त किए गए हैं और करदाता उसका स्रोत बताए

भारत में शादी ब्याह का सीजन चल रहा है। इसका मतलब है कई पारिवारिक कार्यक्रम और साथ ही घरों में लॉकर से सोना निकालकर दुल्हन के गहनों में शामिल किया जाना। आम धारणा के उलट, भारत में किसी व्यक्ति या परिवार के पास सोने की मात्रा पर कोई कानूनी सीमा नहीं है। शर्त सिर्फ यह है कि सोना खरीदने या पाने का स्रोत बताया जा सके। ज्यादातर लोग जिन सीमाओं का जिक्र करते हैं, वे सीबीडीटी (सीबीडीटी) की नॉन-सीजर गाइडलाइंस से जुड़ी हैं। ये गाइडलाइंस आयकर विभाग की तलाशी और जब्ती की कार्रवाई के दौरान लागू होते हैं। ये सोना रखने की सीमा नहीं हैं, बल्कि वह मात्रा है, जिनके भीतर होने पर, दस्तावेज न होने की स्थिति में भी आमतौर पर गहने जब्त नहीं किए जाते।

फाइनेंशियल एक्सपर्ट के अनुसार आज के समय में इसका मतलब रुपये के लिहाज से क्या होता है। एक सामान्य परिवार, जिसमें पति, पत्नी और एक अविवाहित बेटी शामिल हों, उसके लिए कानूनी रूप से स्वीकार्य सोने की मात्रा इस प्रकार है। पत्नी 500 ग्राम, पति 100 ग्राम, बेटी 250 ग्राम। इस तरह कुल सोना 850 ग्राम होता है।

ये बातें नजरअंदाज न करें

ये लचीले नियम सिर्फ व्यक्तिगत और घरेलू इस्तेमाल के गहनों पर लागू होते हैं, न कि इन मामलों में निवेश के तौर पर जमा किया गया सोना, बड़ी मात्रा में रखे गए बुलियन, सिक्के या सोने की ईंटें, बिना वित्तीय स्रोत बताए ट्रेडिंग या सट्टे के लिए जमा किया गया सोना अगर सोने की मात्रा तय सीमा से ज्यादा है और उसका स्रोत नहीं बताया जा सकता, तो अतिरिक्त सोना अघोषित निवेश माना जा सकता है। ऐसे में भारी टैक्स और जुर्माना लगाया जा सकता है।

कितना सोना रखना कानूनी रूप से सही

अगर सोने के गहने या आभूषण वैध आय से प्राप्त किए गए हैं और करदाता उसका स्रोत समझा सकता है, तो उन्हें रखने पर कोई पाबंदी नहीं है। इसमें विरासत में मिला सोना भी शामिल है। हालांकि, एक तय मात्रा तक सोना रखने के लिए स्रोत बताने की जरूरत नहीं होती।" विवाहित महिला 500 ग्राम तक सोने के गहने रख सकती है, अविवाहित महिला 250 ग्राम तक सोने के गहने रख सकती है। वहीं, पुरुष 100 ग्राम तक सोने के गहने रख सकते हैं। हिंदू अविभाजित परिवार सोने की मात्रा का आकलन परिवार की आय और सामाजिक स्थिति के आधार पर किया जाता है, इसके लिए कोई तय सीमा नहीं है। ये सीमाएं भारतीय सामाजिक परंपराओं- जैसे शादी, विरासत और पारिवारिक उपहार- को ध्यान में रखकर तय की गई हैं और इन्हें घरों में रखे जाने वाले सोने की उचित मात्रा माना जाता है। ये तय सीमाएं केवल उसी व्यक्ति के परिवार के सदस्यों पर लागू होती हैं, जिसके खिलाफ आयकर विभाग की तलाशी (टैक्स सर्च) की कार्रवाई की जाती है। यदि तलाशी के दौरान परिवार के सदस्यों के अलावा किसी और के आभूषण पाए जाते हैं, तो उन्हें कर अधिकारियों द्वारा जब्त किया जा सकता है।

यह स्पष्टता क्यों जरूरी

यह अंतर परिवारों के लिए बेहद अहम है, क्योंकि इससे टैक्स सर्च के दौरान बेवजह की घबराहट से बचाव होता है। भारतीय संस्कृति और परंपरा में गहनों के महत्व को मान्यता मिलती है। वैध घरेलू संपत्ति और अघोषित आय के बीच साफ फर्क किया जा सकता है। गलत जानकारी के कारण होने वाली महंगी कानूनी या अनुपालन संबंधी गलतियों से बचाव होता है। अधिकांश गलतियां दो छोरों पर होती हैं या तो लोग मान लेते हैं कि बिना बिल का कोई भी सोना अवैध है, या फिर बड़ी मात्रा में रखे गए, बिना स्रोत बताए गए सोने के लिए जरूरी दस्तावेजों को पूरी तरह नजरअंदाज कर देते हैं। यदि कोई व्यक्ति वर्षों में घोषित आय से खरीदे गए सोने का स्रोत साबित कर सकता है, तो वह कितनी भी मात्रा में सोना रख सकता है। इसी तरह, उपहार या विरासत में मिले सोने के मामले में भी संबंधित बिल, वसीयत, डीड या अन्य दस्तावेज होने चाहिए।

चांदी में 2026 में भी बड़ी संभानाएं लेकिन संभलकर करना होगा निवेश

●बिना रणनीति और जोखिम प्रबंधन के निवेश हो सकता है रिस्की ●अगले 1-2 साल में 90–100 डॉलर प्रति औंस की ओर बढ़त संभव●एमसीएक्स पर डेढ़ माह में चांदी करीब 50% तक उछली

सुझाव
बिजनेस डेस्क

पिछले डेढ़ महीने में चांदी ने जो रफ्तार दिखाई है, उसने निवेशकों को चौंका दिया है। इस दौरान एमसीएक्स पर चांदी करीब 50% तक उछल चुकी है और अब सवाल यही है कि क्या यह सिर्फ एक तेज रैली है या इसके पीछे कोई गहरी वजह छिपी है? हकीकत यह है कि यह उछाल अफवाहों या सट्टेबाजी का नतीजा नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर चांदी की भूमिका में आए बड़े बदलाव का संकेत है। फिलहाल इस सुपर रैली के बाद निवेशकों को चांदी में क्या करना चाहिए। जानकारों का कहना है कि चांदी 2026 में भी निवेशकों की चांदी करवाएगी, लेकिन इसके लिए लोगों को संभलकर निवेश करना होगा और रणनीति बनानी होगी, ताकि बाद में पछताना न पड़े। सर्राफा बाजार के जानकारों का कहना है कि चांदी की भूमिका वैश्विक स्तर पर बढ़ी है। अगर इंडस्ट्रियल डिमांड और सप्लाई की बनी रहती है, तो अगले 1-2 साल में 90–100 डॉलर प्रति औंस की ओर बढ़त संभव है। यह निवेशकों को मालामाल कर सकती है।

चांदी की भूमिका में बड़ा बदलाव

जानकारों का कहना है कि कई सालों तक चांदी को या तो गहनों के लिस मेटल माना गया या फिर ट्रेडिंग के लिए इस्तेमाल होने वाला मेटल, लेकिन अब यह सोच बदल चुकी है। आज चांदी रणनीतिक इंडस्ट्रियल मेटल बन चुकी है। रिन्यूएबल एनर्जी, इलेक्ट्रिफिकेशन, डिजिटल इकॉनमी और रक्षा क्षेत्र में बढ़ती जरूरतों ने चांदी को उत्पादन के लिए अनिवार्य बना दिया है। यही वजह है कि इसकी मांग अब अस्थायी नहीं, बल्कि स्थायी बनती जा रही है।

इंडस्ट्रियल डिमांड क्यों है मजबूत

चांदी की सबसे बड़ी ताकत है इसकी बेहतरीन इलेक्ट्रिकल कंडक्टिविटी, जो इसे सोलर पैनल, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर्स, पावर ग्रिड और डिफेंस सिस्टम्स में बेहद जरूरी बनाती है। इन क्षेत्रों में कीमत से ज्यादा भरोसे और प्रदर्शन को अहमियत दी जाती है। इसका मतलब यह है कि दाम बढ़ने के बावजूद कंपनियां चांदी खरीदना बंद नहीं कर सकतीं। इसी वजह से चांदी की मांग अब प्राइस इनेलास्टिक हो गई है और गिरावट पर तुरंत सपोर्ट देखने को मिलता है।

ये रैली, पिछली रैलियों से क्यों अलग

लंबे समय तक चांदी की कीमतें फ्यूचर्स और पेपर ट्रेडिंग से तय होती रहीं, लेकिन जैसे ही ग्लोबल स्तर पर दाम संवेदनशील स्तरों तक पहुंचे, फिजिकल उपलब्धता का सवाल खड़ा हो गया। सप्लाई टाइट हुई, सेलर्स पीछे हटे और खरीदार मजबूर होकर ऊंचे दाम पर खरीदने लगे. नतीजा तेज सिंगल-डे मूव्स और लगातार ऊंची क्लोजिंग, जो यह दिखाते हैं कि बाजार अब राय नहीं, बल्कि हकीकत के आधार पर कीमत तय कर रहा है। आगे चलकर चांदी में संभावनाएं बनी हुई हैं। अगर इंडस्ट्रियल डिमांड और सप्लाई की कमी बनी रहती है, तो अगले 1-2 साल में 90-100 डॉलर प्रति औंस की ओर बढ़त संभव है, लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि चांदी बेहद अस्थिर (वोलेटाइल) कमोडिटी है। 1980 और 2011 की तरह तेज रैली के बाद गहरी गिरावट भी आ सकती है। लंबे समय में 40 डॉलर प्रति औंस एक अहम सपोर्ट जोन माना जाता है। इसलिए चांदी में निवेश मौका जरूर है, लेकिन बिना रणनीति और जोखिम प्रबंधन के निवेश रिस्की हो सकता है।

चांदी में निवेश के विकल्प

- **फिजिकल चांदी :** आप बाजार से चांदी के सिक्के, गहने या बार खरीद सकते हैं। इसमें चोरी या शुद्धता की चिंता रहती है, इसलिए बीआईएस हॉलमार्क्ड चांदी ही खरीदना चाहिए।
- **सिल्वर ईटीएफ :** ये एक ऐसा फंड है जो चांदी की कीमतों पर आधारित है। इसमें पैसा चांदी की कीमत के हिसाब से बढ़ता-घटता है। ये स्टॉक एक्सचेंज पर शेयरों की तरह ट्रेड होते हैं।
- **म्यूचुअल फंड्स :** चांदी से जुड़े म्यूचुअल फंड्स भी अच्छे विकल्प हैं। कमोडिटी फंड, खनन कंपनियों के शेयर और एमसीएक्स फ्यूचर्स-ऑप्शन्स भी विकल्प हैं।
- सोवरिन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) की तरह सिल्वर बॉन्ड : सरकार द्वारा जारी किए जाते हैं, जो चांदी की कीमतों से जुड़े होते हैं।
- **चांदी के शेयर :** चांदी की खनन करने वाली कंपनियों के शेयरों में निवेश कर सकते हैं, जैसे कि फर्स्ट मैजेस्टिक सिल्वर कॉर्प, पैन अमेरिकन सिल्वर कॉर्प और एंडेवर सिल्वर कॉर्प।

अलर्ट | हर व्यक्ति कमाई को सही तरीके से निवेश कर बन सकता है मजबूत

बचत करने के लिए स्पष्ट योजना बनाएं और भविष्य को सुरक्षित करें

मनी मैनेजमेंट के टिप्स अपनाएं जेब कभी भी नहीं होगी खाली, सेविंग को पहले रखें और खर्च बाद में करें

समझदारी
बिजनेस डेस्क

आज के समय में बहुत से लोग अच्छी कमाई करते हैं, लेकिन हर महीने यह महसूस करते हैं कि पैसा जैसे जेब से गायब हो जाता है। उनके पास कोई स्पष्ट योजना नहीं होती कि पैसा कहां जा रहा है और आखिर बचत कैसे करनी चाहिए। यह समस्या आज के समय में लगभग हर घर में देखने को मिलती है। कई लोग सही तरीके से पैसे को मैनेज नहीं करते, जिसकी वजह से ठीक-ठाक कमाई होने के बावजूद आर्थिक तनाव बना रहता है। अधिकतर लोगों में यही गलती रहती है कि वो कमाते तो ठीक-ठाक हैं, लेकिन पैसों को संभालने का कोई सिस्टम नहीं बनाते। इससे हर महीने के अंत में पैसे के मामले में निराशा होती है। अगर सही मनी मैनेजमेंट टिप्स अपनाए जाएं, तो कमाई को सही दिशा में लगाया जा सकता है और खुद को आर्थिक रूप से मजबूत बनाया जा सकता है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ टिप्स जो आपको सही मनी मैनेजमेंट के गुर सिखाएंगे।

खर्च करने से पहले बचत को ऑटोमैटिक बनाएं

पहला और सबसे महत्वपूर्ण सुझाव है कि सेविंग को पहले रखें और खर्च बाद में करें। ज्यादातर लोग महीने का पूरा बजट बनाने के बजाय जितना बचेगा उतना बचत में डालते हैं, लेकिन यह तरीका अक्सर काम नहीं करता। उनका सुझाव है कि महीने के पहले दिन ही अपने अकाउंट से एक तय रकम ऑटोमैटिक ट्रांसफर करें। यह रकम बचत खाते या निवेश खाते में जा सकती है। इससे न सिर्फ बचत हो जाएगी, बल्कि मन में पैसों को लेकर तनाव भी कम होगा। ऑटोमैटिक बचत करने वाले लोग महीने के अंत में पैसे के मामले में ज्यादा सुरक्षित महसूस करते हैं और बड़े खर्चों के लिए भी तैयार रहते हैं।

हर खर्च को ऐप में ट्रैक करें

दूसरा टिप है बजटिंग ऐप्स का इस्तेमाल करना। कई लोग खर्च सिर्फ याददाश्त या नोटबुक पर रखते हैं, लेकिन इस तरह उनका सही हिसाब नहीं बन पाता। बजटिंग ऐप्स के माध्यम से हर छोटा-बड़ा खर्च रिकॉर्ड करें। जब लोग हर खर्च को ऐप में नोट करते हैं, तो उन्हें पता चलता है कि पैसा वास्तव में कहां जा रहा है। छोटे-छोटे खर्च जैसे कैफे में कॉफी, ऑनलाइन सब्सक्रिप्शन या अनावश्यक शॉपिंग मिलकर बड़ी रकम बनाते हैं।" ऐप्स आपको खर्च के हिसाब से रिपोर्ट भी देते हैं, जिससे पता चलता है कि किस जगह से बचत की जा सकती है।

कैशबैक और रिवॉर्ड्स से स्मार्ट कमाई करें

तीसरा टिप है कैशबैक और रिवॉर्ड। आजकल लगभग हर बैंक, क्रेडिट कार्ड और पेमेंट ऐप में रिवॉर्ड पॉइंट्स, कैशबैक और रेफरल बोनस होते हैं। छोटे-छोटे ऑफर्स को इग्नोर करने से आप अपनी कमाई का हिस्सा गंवा सकते हैं। यूपीआई ऑफर्स, क्रेडिट कार्ड रिवॉर्ड्स और रेफरल बोनस को जोड़कर देखें, तो सालाना लाखों रुपये तक की बचत या स्मार्ट रिटर्न संभव है। यह तकनीक केवल उन लोगों के लिए नहीं है जो बड़ी कमाई करते हैं, बल्कि छोटे खर्च वाले लोग भी इसका फायदा उठा सकते हैं।

दोस्तों के साथ खर्च बांटें, बोझ न लें

कई बार लोग पूरी बिलिंग खुद उठाते हैं, चाहे वह डिनर हो, मूवी टिकट हों या ट्रिप का खर्च। चौथा टिप है कि खर्च को आपस में शेयर करें। आजकल कई ऐप्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ऐसे हैं जो दोस्तों के साथ खर्च बांटना आसान बनाते हैं। जब आप खर्च शेयर करते हैं, तो न केवल आपकी जेब पर बोझ कम होता है, बल्कि पैसे के इस्तेमाल का हिसाब भी साफ रहता है। इससे अनावश्यक उधारी लेने की जरूरत भी नहीं

पैसे के लिए सिस्टम बनाएं, तनाव खुद कम होगा

छठा और अंतिम टिप यह है कि पैसे के लिए सिस्टम बनाएं। जब हर महीने का खर्च, बचत और निवेश तय सिस्टम के अनुसार होता है, तो मानसिक तनाव अपने आप कम हो जाता है। कई लोग पैसों के मामले में तनाव में रहते हैं, लेकिन जब एक साधारण सिस्टम अपनाया जाता है, जैसे ऑटो सेविंग, खर्च ट्रैक करना और निवेश करना, तो चिंता अपने आप कम हो जाती है। यह तरीका मानसिक शांति के साथ-साथ आर्थिक मजबूती भी देता है।

छोटी बचत को लंबी निवेश आदत बनाएं

पांचवां टिप है एसआईपी या लंबी अवधि के निवेश में छोटी बचत को बदलना। अक्सर लोग सोचते हैं कि सिर्फ बड़ी रकम का निवेश करना ही फायदा देगा, लेकिन बाजार के जानकारों का कहना है कि छोटी रकम भी लंबी अवधि में वेल्थ क्रिएट कर सकती है। वो कहते हैं सिर्फ 500 रुपये महीना भी एसआईपी में निवेश करके 10-15 साल में अच्छी राशि जमा की जा सकती है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह आदत बन जाती है और नियमित निवेश से वित्तीय सुरक्षा मिलती है।

न्यूजीलैंड वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान, गिल संभालेंगे कमान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का आगाज 11 जनवरी से होना है। इसके लिए बीसीसीआई ने वनडे टीम इंडिया का ऐलान कर दिया है। इसमें टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल गर्दन मे इंजरी के बाद पूरी तरह से वापस आ गए हैं जबकि उपकप्तान श्रेयस अय्यर और तेज गेंदबाज सिराज की वापसी हुई है। उनकी वापसी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से फाइनल फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर है। वह पिछले साल अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खलिाफ सिडनी वनडे में चोटिल हो गए थे।

हार्दिक का वर्कलोड मैनेज

वहीं टीम इंडिया के धाकड़ तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी एक बार फिर जगह बनाने से चूक गए। इस बीच, हार्दिक पंड्या को पूरे 10 ओवर गेंदबाजी करने की इजाजत नहीं मिली है, जिसके चलते टीम मैनेजमेंट उनके वर्कलोड को ध्यान से मैनेज कर रहा है और उन्हें वनडे सीरीज के लिए नहीं चुना गया है। दरअसल इसके बाद भारतीय टीम टी20 वर्ल्ड कप खेलेगी, जिसे देखते हुए सेलेक्टर्स खिलाड़ियों की फिटनेस और लंबे समय तक तैयार रहने को प्राथमिकता दे रहे हैं।

अय्यर-सिराज की वापसी

वनडे टीम इंडिया का स्क्वॉड

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल, श्रेयस अय्यर, वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा,प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत, नीतीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह और यशस्वी जायसवाल.

इन प्लेयर्स को मिला मौका

शुभमन गिल चोट के कारण साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गए थे। रोहित शर्मा और विराट कोहली वनडे टीम में बने रहेंगे। टीम में विकेटकीपिंग ऑप्शन के तौर पर केएल राहुल और ऋषभ पंत भी शामिल हैं, साथ ही ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर और नीतीश कुमार रेड्डी भी हैं। तेज गेंदबाजी की कमान मोहम्मद सिराज संभालेंगे, जिन्हें अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा का साथ मिलेगा, जबकि कुलदीप यादव स्पिन गेंदबाजी की जिम्मेदारी संभालेंगे।

वनडे सीरीज का शेड्यूल

तारीख	मैच	स्थान
11 जनवरी	पहला वनडे	वडोदरा
14 जनवरी	दूसरा वनडे	राजकोट
18 जनवरी	तीसरा वनडे	इंदौर

खबर संक्षेप

मयंक यादव जल्द करेंगे मैदान में वापसी

नई दिल्ली। तेज गेंदबाज मयंक यादव पीठ के निचले हिस्से में ऐंठन के कारण लगभग एक साल तक मैदान से बाहर रहने के बाद अब अपनी पूरी क्षमता से गेंदबाजी करने के लिए फिट होने के करीब हैं। इस 23 वर्षीय तेज गेंदबाज ने आईपीएल 2024 में अपनी तूफानी गेंदबाजी से सबका ध्यान खींचा था। इसके बाद वह सबसे छोटे प्रारुप में भारत के लिए भी खेले। हालांकि पीठ की चोट के कारण वह 2025 में केवल दो प्रतिस्पर्धी मैच ही खेल पाए।

चोट के बाद अय्यर फिट खेलेंगे रिटर्न टू प्ले मैच

मुंबई। बल्लेबाज श्रेयस अय्यर पिछले साल अक्टूबर में लगी तिल्ली (स्पलीन) की चोट से उबरने के बाद अपना पहला प्रतिस्पर्धी मैच खेलने के लिए तैयार हैं। वह विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई और हिमाचल प्रदेश के बीच 6 जनवरी को होने वाले मैच में खेलेंगे लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी श्रृंखला में उनकी उपलब्धता फिटनेस पर निर्भर करेगी। सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे मैच के दौरान अय्यर को चोट लगी थी। उन्हें तिल्ली में घाव और आंतरिक रक्तस्राव के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

विजय हजारे ट्रॉफी में पडिक्कल ने लगाया शतकों का चौका

हार्दिक ने एक ओवर में लगाए लगातार 5 छक्के 144.57 की स्ट्राइक रेट से खेली शतकीय पारी

एजेंसी ▶▶| राजकोट

ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का बल्ला जमकर गरज रहा है। हार्दिक ने विजय हजारे ट्रॉफी के इस सीजन के पांचवें चरण के मुकाबले में विदर्भ के खिलाफ तूफानी बैटिंग की और ओवर में लगातार 5 छक्के व एक चौका लगाकर अपना शतक पूरा किया। वहीं देवदत्त पडीक्कल ने भी अपने शतकों का चौका पूरा किया।

हार्दिक पंड्या ने विदर्भ के खिलाफ अपना शतक 68 गेंदों पर पूरा किया। उन्होंने अपने शतक को एक ही ओवर में लगातार 5 छक्के और एक चौका लगाकर यानी 6 गेंदों पर 34 रन बनाकर पूरा किया। विदर्भ के खिलाफ हार्दिक ने इस मैच में 92 गेंदों पर 11 छक्के और 8 चौकों की मदद से 133 रन की जोरदारा पारी खेली। इस पारी के दौरान हार्दिक का स्ट्राइक रेट 144.57 का रहा। हार्दिक की इस पारी के दम पर बड़ोदा ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 293 रन बनाए। विदर्भ ने बड़ौदा को हराकर मैच जीता।

पंड्या ने विदर्भ के खिलाफ 68 गेंदों पर पूरा किया शतक

पडिक्कल ने लगाया शतकों का चौका

विजय हजारे के इस सीजन में देवदत्त पडिक्कल का बल्ला रुकने का नाम ही नहीं ले रहा है और 5वें मैच में उन्होंने सीजन का चौथा शतक लगाया। कर्नाटक के इस बैटर ने त्रिपुरा के खिलाफ 120 गेंदों पर 3 छक्का और 8 चौकों की मदद से 108 रन की पारी खेली और उनकी टीम ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 332 रन बनाए। इस मैच में कर्नाटका ने त्रिपुरा को हराया। वहीं देवदत्त का बल्ला इस सीजन में चल नहीं गरज रहा है। उन्होंने इससे पहले यानी इस सीजन के पहले मुकाबले में झारखंड के खिलाफ 147 रन की पारी खेली थी जबकि दूसरे मैच में केरल के खिलाफ 124 रन बनाए थे। तीसरे मैच में उन्होंने तमिलनाडु के खिलाफ 22 रन की पारी खेली थी जबकि चौथे मैच में पुडुचेरी के खिलाफ 113 रन की की पारी खेली थी।

अक्षर पटेल ने खेली 130 रन की पारी

गुजरात के ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने आंध्रा के खिलाफ तूफानी बैटिंग की। इंजरी से वापसी के बाद अक्षर पहली बार मैदान पर उतरे थे और उन्होंने अपने बल्ले का दम दिखाते हुए इस टीम के विरुद्ध 111 गेंदों पर 130 रन ठोक दिए। अक्षर ने अपनी इस पारी के दौरान 5 छक्के और 10 चौके भी जड़े। गुजरात के लिए रवि बिश्नोई ने भी आखिरी पलों में 20 गेंदों पर नाबाद 31 रन का पारी खेली जबकि विशाल जायसवाल ने 60 गेंदों पर 70 रन की बेहतरीन पारी खेली। गुजरात ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 318 रन बनाए। आंध्रा के लिए कप्तान नितीश रेड्डी ने 2 विकेट लिए जबकि सत्यनारायण राजू ने 4 बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा।

सैमसन ने 90 गेंदों पर ठोका शतक, इशान की टीम हारी

5वें चरण के मुकाबले में केरल ने संजू सैमसन और कप्तान रोहन कुन्नुमल की शानदार शतकीय पारी के दम पर इशान किशन की कप्तानी वाली झारखंड की टीम को हरा दिया। संजू और रोहन ने केरल को जोरदार शुरुआत की, जिसके दम पर इस टीम को आसान जीत मिली।इस मैच में झारखंड ने टॉस जीता था और फिर 50 ओवर में 7 विकेट पर 311 रन बनाए। केरल को जीत के लिए 312 रन का टारगेट मिला था और इस टीम ने 42.3 ओवर में 2 विकेट पर 313 रन बनाकर मैच 8 विकेट से जीत लिया। संजू और रोहन ने पहले विकेट के लिए 212 रन की साझेदारी करके टीम की जीत की राह आसान कर दी।

टी20 विश्व कप 2026

नामीबिया टीम का ऐलान इरास्मस होंगे कप्तान

दुबई। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में फरवरी-मार्च में होने वाले टी20 विश्व कप 2026 के लिए नामीबिया क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है। 15 सदस्यीय टीम की कप्तानी ऑलराउंडर गेरहार्ड इरास्मस करेंगे। टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज जेन ग्रीन, जेजे स्मिट, जान फ्राइलिंक और बर्नार्ड शोल्ट्ज शामिल हैं। इसके अलावा, निकोल लॉफ्टी-ईटन, मायबर्ग और मालन क्रूगर नामीबिया की बल्लेबाजी क्रम को मजबूत करेंगे। तेज गेंदबाज रूबेन ट्रम्पेलमैन और बेन शिकोंगो भी टीम का हिस्सा हैं। क्रिकेट नामीबिया ने एक्स पर लिखा, हमारी टीम भारत और श्रीलंका में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए तैयार है। टीम और मैनेजमेंट को शुभकामनाएं क्योंकि वे वैश्विक मंच पर नामीबिया का झंडा फहराएंगे। नामीबिया लगातार चौथी बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेगा। उसे भारत, पाकिस्तान और यूएसए, और नीदरलैंड के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। नामीबिया टूर्नामेंट का अपना पहला मैच 10 फरवरी को अरुण जेटली स्टेडियम में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलेगा। 12 फरवरी को भारत के खिलाफ उसका दूसरा मैच भी अरुण जेटली स्टेडियम में ही खेला जाएगा। 15 फरवरी को चेन्नई में यूएसए के साथ और 18 फरवरी को कोलंबो के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब ग्राउंड में पाकिस्तान के साथ नामीबिया के लीग मैच हैं।

टेनिस

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में नाओमी ओसाका कर सकती हैं वापसी

एजेंसी ▶▶| पर्थ

चार बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन नाओमी ओसाका यूनाइटेड कप टेनिस टूर्नामेंट के दौरान अस्वस्थ महसूस कर रही हैं लेकिन उन्हें 18 जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन तक पूरी तरह फिट होने की उम्मीद है।

ओसाका यूनान की मारिया सकारी से 6-4, 6-2 से हार गई थी। उन्होंने मैच के बाद कहा कि वह क्रिसमस की छुट्टियों के दौरान 'वास्तव में बीमार' हो गई थीं और इसलिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाई। मैच के दौरान ओसाका को बीच-बीच में खांसी आ रही थी और वह थकी हुई लग रही थीं। ओसाका ने कहा, 'मैं कुछ स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही थी, इसलिए अभी यहां आकर खुशी हो रही है। यह गंभीर नहीं है, लेकिन मैं उस स्तर का प्रदर्शन नहीं कर पा रही हूं, जिस स्तर पर मैं करना चाहती हूं, जो थोड़ा निराशाजनक है।'

ओसाका ने कहा, ' मैं अब ठीक होने के करीब हूं, लेकिन अभी भी पूरी तरह ठीक नहीं हूं। मैं बस हर दिन बेहतर होने की कोशिश कर रही हूं। मुझे खांसी, नाक बहना और इस तरह की कई परेशानियां थीं, इसलिए उम्मीद है कि ऑस्ट्रेलियाई ओपन से पहले ये सब ठीक हो जाएगा।'

पार्ल रॉयल्स ने एमआई केपटाउन को हराया

पार्ल। लुआन ड्रे प्रिटोरियस 98 रन बनाकर नाबाद रहे, जिससे पार्ल रॉयल्स ने एसए20 क्रिकेट टूर्नामेंट के रोमांचक मैच में एमआई केपटाउन को एक रन से हराया। प्रिटोरियस शतक बनाने से चूक गए, लेकिन उनकी 69 गेंद पर 10 चौकों और एक छक्के की मदद से खेली गई शानदार पारी और आसा ट्राइब (34 गेंदों में 51 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 100 रन की साझेदारी की मदद से रॉयल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 181 रन बनाए। इसके जवाब में एमआई केपटाउन ने आठ विकेट 180 रन बनाए। रयान रिकेलटन (36) और रासी वैन डेर डुसेन (42 गेंदों में 59 रन) ने पहले विकेट के लिए 77 रन की साझेदारी करके एमआई केपटाउन को अच्छी शुरुआत दिलाई लेकिन इसके बाद उसने लगातार विकेट गंवाए और 15 ओवर तक उसका स्कोर छह विकेट पर 118 रन हो गया। एमआई केपटाउन के कप्तान राशिद खान (18 गेंदों में 35 रन) ने जॉर्ज लिंडे (नाबाद 20) के साथ मिलकर सातवें विकेट के लिए 51 रन की साझेदारी करके टीम को संभाला।

टीम इंडिया को मिली जीत, द.अफ्रीका को 25 रन से हराया

एजेंसी ▶▶| बेनौनी

वैभव सूर्यवंशी की कप्तानी में भारतीय अंडर 19 क्रिकेट टीम ने जीत के साथ शुरुआत की। साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे मुकाबले में टीम इंडिया को डकवर्थ लुईस सिस्टम से 25 रन से जीत मिली। इंडिया अंडर 19 ने 301 का स्कोर बनाया और मेजबान को बारिश से प्रभावित मैच में 27.4 ओवर में 148 रन पर रोक दिया। इससे तीन मैच की सीरीज में टीम इंडिया 1-0 से आगे हो गई।

सीरीज में आयुष म्हात्रे और विहान मल्होत्रा जैसे खिलाड़ी नहीं खेल रहे। ऐसे में वैभव सूर्यवंशी को कप्तान बनाया गया। वे बल्ले से कुछ खास नहीं कर सके और 12 गेंद में 11 रन बनाकर आउट हो गए। लेकिन उनकी कप्तानी में टीम जीत दर्ज करने में सफल रही। इंडिया ए का दूसरा मैच 5 जनवरी को है।

टीम इंडिया बनाया 301 का स्कोर

इंडिया अंडर 19 टीम ने पहले बैटिंग करते हुए 301 का स्कोर बनाया। हरवंश पंगलिया ने सर्वाधिक 93 रन बनाए तो आर अम्बरीश ने 65 रन की पारी खेली। उनके अलावा कनिष्क चौहान (32), खिलन पटेल (26), वेदांत त्रिवेदी (21) और अभिज्ञान कुंडु (21) ने भी अहम पारियां खेली। इससे टीम इंडिया 300 रन का आंकड़ा पार करने में सफल रही। लक्ष्य का पीछा करते हुए साउथ अफ्रीकी बल्लेबाजों ने भी ठीक बैटिंग की लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। ओपनर जोरिच वान शाल्कविक 60 रन के साथ नाबाद रहे। उन्हें अरमान मानक (46) के साथ बढ़िया जोड़ीदार मिला। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 86 रन की साझेदारी की। लेकिन टीम डकवर्थ लुईस सिस्टम से 27.4 ओवर में मिले 174 रन तक के स्कोर तक नहीं पहुंच सकी। इंडिया अंडर टीम की तरफ से दीपेश देवेंद्रन ने दो विकेट चटकाए।

वैभव ने बनाया रिकॉर्ड बने दुनिया के सबसे कम उम्र के कप्तान

14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने दक्षिण अफ्रीका अंडर-19 के खिलाफ यूथ वनडे में कप्तानी कर इतिहास रचते हुए दुनिया के सबसे कम उम्र व कप्तान बनने का रिकॉर्ड बनाया। वैभव सूर्यवंशी ने 3 जनवरी को रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया, जब उन्होंने बेनौनी के विलोमूर पार्क में दक्षिण अफ्रीका अंडर-19 के खिलाफ तीन मैचों की यूथ वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम की कप्तानी की। महज 14 साल की उम्र में सूर्यवंशी यूथ वनडे में किसी टीम की कप्तानी करने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। इसके साथ ही उन्होंने 16 साल की उम्र से पहले किसी भी फॉर्मेट में अंतरराष्ट्रीय अंडर-19 मैच में किसी टीम का नेतृत्व करने वाले पहले क्रिकेटर बनकर भी इतिहास रच दिया। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने पाकिस्तान के अहमद शहजाद का 19 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

18 जनवरी को टाटा मुंबई मैराथन अनीश-निर्मबेन करेंगे अगुवाई

एजेंसी ▶▶| मुंबई

मौजूदा चैंपियन अनीश थापा और निर्मबेन ठाकोर 18 जनवरी को होने वाली टाटा मुंबई मैराथन में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। इस मैराथन को विश्व एथलेटिक्स से गोल्ड लेबल रेस का दर्जा हासिल है। इस वर्ष की मैराथन में देश के 36 शीर्ष एथलीट भाग लेंगे। इनमें 23 पुरुष और 13 महिला एथलीट शामिल हैं।

भारतीय एलीट पुरुष और महिला वर्ग में शीर्ष तीन स्थान

हासिल करने वाले खिलाड़ियों को क्रमशः पांच लाख रुपए, चार लाख रुपए और तीन लाख रुपए की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा प्रतियोगिता में नया रिकार्ड बनाने वाले खिलाड़ी को दो लाख रुपए का अलग पुरस्कार मिलेगा। वर्तमान में भारतीय रिकॉर्ड पुरुष वर्ग में नितेंद्र सिंह रावत (2:15:48 - दो घंटे, 15 मिनट, 48 सेकंड) और महिला वर्ग में सुधा सिंह (2:34:56) के नाम हैं। अनीश को पिछली बार के उपविजेता मान सिंह से कड़ी चुनौती मिलेगी, जिन्होंने 2025 वालेंसिया मैराथन में 2:13:25 का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। इनके अलावा श्रीनु बुगाथा और प्रदीप सिंह चौधरी भी अपनी चुनौती पेश करेंगे। महिला एलीट वर्ग में निर्मबेन खिताबी हैट्रिक पूरी करने की कोशिश करेगी।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
क्षेत्रीय कार्यालय, प्रथम तल, जोनल मार्केट, सेक्टर-10 भिलाई (छ.ग.) फोन: 0788-2261058/8817410464 ई-मेल: FI.Durg@bankofbaroda.bank.in
RSETI Rural Self Employment Training Institute

बड़ौदा, आरएसईटीआई में संविदा आधार पर विभिन्न पदों के लिए रिक्तियां

बड़ौदा ग्रामीण स्वरोजगार विकास संस्थान (RSETI) , मोहला- मानपुर- अंबागढ़ चौकी में निम्नलिखित संविदा आधार पर पदों के लिए योग्य उम्मीद्वारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। रिक्तियों का विवरण नीचे दिया गया है।

क्र.	पद का नाम	रिक्तियों की संख्या	समेकित वेतन	आयु सीमा	न्यूनतम पात्रता
01	संकाय	2	रु. 30,000/-	22-40 वर्ष	आवेदक स्नातक होना चाहिए, उसे कंप्यूटर का अच्छा ज्ञान, हिंदी और अंग्रेजी में टाइपिंग कौशल और स्थानीय भाषा में संवाद करने का कौशल होना चाहिए।
02	कार्यालय सहायक	2	रु. 20,000/-	22-40 वर्ष	आवेदक स्नातक होना चाहिए, उसे कंप्यूटर का अच्छा ज्ञान, हिंदी और अंग्रेजी में टाइपिंग कौशल और स्थानीय भाषा में संवाद करने का कौशल होना चाहिए।
03	परिचर	1	रु. 14,000/-	22-40 वर्ष	मैट्रिक उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। स्थानीय भाषा पढ़ना और लिखना आना वांछनीय है।
04	चौकीदार सह माली	1	रु. 12,000/-	22-40 वर्ष	उम्मीद्वार को सातवीं उत्तीर्ण होना चाहिए और कृषि/बागवानी/उद्यानकला में अनुभव होना चाहिए।

*** अधिक जानकारी और आवेदन प्रपत्रों के लिए कृपया हमारी वेबसाइट पर जाएँ: https://www.bankofbaroda.bank.in /career/current-opportunities

आवेदन प्रक्रिया : आवेदन पत्र , केवाईसी और सहायक दस्तावेजों सहित , निम्नलिखित पते पर जमा किए जाने चाहिए : क्षेत्रीय प्रबंधक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा, क्षेत्रीय कार्यालय दुर्ग, सेक्टर-10 जोनल मार्केट, भिलाई दुर्ग, छत्तीसगढ़, पिन - 490006.

इच्छुक उम्मीद्वार 27.01.2026 को शाम 5:00 बजे से पहले उपर्युक्त पते पर अपना आवेदन जमा कर सकते हैं। निर्धारित समय सीमा के बाद प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सहायक महाप्रबंधक क्षेत्रीय कार्यालय दुर्ग

शादी से पहले रोना, तीर मारना और पिटाई! दुनियाभर में शादी की कई अनोखी रस्में

दुनियाभर में शादी की अनोखी परंपराएं दूल्हा-दुल्हन के बीच निभाई जाती है। कुछ परंपराएं तो इतनी अजीब हो सकती हैं, कि आप यकीन करने से भी बचेंगे। अलग-अलग जोड़े शादी के दिन अलग तरीके से मनाते हैं। दुनियाभर में शादी से जुड़ी कुछ ऐसी रस्म भी निभाई जाती है, जो वाकई में काफी अजीब हैं। आइए जानते हैं इन परंपराओं के बारे में।

अफ्रीकी गांवों का अनोखा रिवाज

अफ्रीका के कुछ गांवों में एक अनोखा रिवाज है, जिसमें शादी की पहली रात को एक बुजुर्ग महिला नव विवाहित जोड़े को उनके शयनकक्ष तक लेकर जाती है। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि, वह दुल्हन को पहली रात से जुड़ी चीजों के बारे में सब सिखा सकें। आमतौर पर इस रस्म को गांव की किसी बुजुर्ग महिला द्वारा निभाया जाता है, लेकिन कभी कभी यह दुल्हन की मां भी हो सकती है।

चीन में दुल्हन को तीर मारना

चीन का अल्पसंख्यक युगुर समुदाय में शादी से पहले दूल्हा दुल्हन को तीर मारने की परंपरा निभाता है। इस परंपरा में दूल्हा एक कुंद तीर से दुल्हन को 3 बार निशाना साधकर उसकी ओर तीर चलाता है। तीर चलाने के बाद दूल्हा उन तीरों को तोड़ देता है, ताकि भविष्य में वे कभी आपस में एक दूसरे को नुकसान नहीं पहुंचाएं।

दुल्हन को रोज रोना पड़ता है एक घंटा

चीन के तुजियान अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़ी एक बेहद अजीब परंपरा निभाई जाती है। जिसमें शादी से एक महीना पहले दुल्हन को हर दिन एक घंटे रोना पड़ता है। इसमें दुल्हन के परिवार की की महिलाएं उनका साथ देती हैं। इस परंपरा को खुशी से जोड़कर देखा जाता है।

दुनिया का सबसे महंगा कीड़ा यार्सागुंबा जिसकी कीमत है 20 लाख रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली। हिमालयी वियाग्रा के नाम से मशहूर यार्सागुंबा दुनिया का सबसे महंगा कीड़ा कहलाता है। इस कीड़े की कीमत 20 लाख रुपये प्रति किलो तक है। यह कीड़ा ओ फि यो को र्ड से प्स साइनेन्सिस नामक फंगस और कैटरपिलर का अनूठा मिश्रण है, जो परजीवी के रूप में पनपता है। नेपाल, तिब्बत और भारत के ऊंचे पहाड़ी इलाकों में पाया जाता है, जहां गर्मियों में लोग इसे इकट्ठा करते हैं। तस्करी और ब्लैक मार्केट में भारी मांग के कारण इसकी कीमत आसमान छूती है।

क्या है यार्सागुंबा : यार्सागुंबा कोई आम कीड़ा नहीं है, बल्कि यह एक कीड़े और फंगस का मिलाजुला रूप है। यह ओफियोकोर्डिसेप्स साइनेन्सिस नाम के फंगस द्वारा बनता है, जो कैटरपिलर की बॉडी में परजीवी की तरह पनपता है। ये कीड़े हिमालय की बर्फीली पहाड़ियों जैसे उत्तराखंड, सिक्किम, नेपाल और तिब्बत में मिलते हैं। गर्मियों में लोग इन ऊंचाई वाले इलाकों में जाकर इन्हें इकट्ठा करते हैं।

यारशागुंबा की कीमत : यार्सागुंबा की कीमत बाजार में 20 लाख प्रति किलो तक जा सकती है। इसकी इतनी ऊंची कीमत की सबसे बड़ी वजह है इसकी दवा के रूप में लोकप्रियता।

दुनिया का सबसे छोटा घोड़ा 'पुमुकेल' आपके बैग में आराम से हो जाएगा फिट

नई दिल्ली। आमतौर पर एक सामान्य बैग का आकार 21 इंच से अधिक होता है, लेकिन दुनिया का सबसे छोटा घोड़ा इससे भी छोटा है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर चुका घोड़ा 'पुमुकेल' अब आधिकारिक तौर पर दुनिया का सबसे छोटा जीवित घोड़ा है। इससे पहले यह रिकॉर्ड पोलैंड के बॉम्बेल नामक घोड़े के नाम था, जिसकी लंबाई 56.7 सेंटीमीटर यानी 22.36 इंच थी।

जर्मनी का रहने वाला है पुमुकेल: जर्मनी में रहने वाले पुमुकेल की लंबाई महज 52.6 सेंटीमीटर (21.1 इंच) है। पुमुकेल सभी की नजरों में तब आया जब वह जर्मन टीवी शो 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स- डाइ ग्रोस शो डेर वेल्ट्रेकोर्डे' में एक आकर्षक सहायक के तौर पर गिनीज सर्टिफिकेट्स वितरित करने के लिए स्टेज पर आया था। तब से पुमुकेल स्टार बन गया और अब उसके नाम एक विश्व रिकॉर्ड भी है।

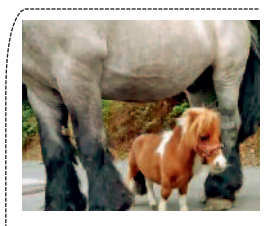

साल 2020 में कैरोला को मिला था यह घोड़ा

पुमुकेल की मालकिन कैरोला वीडेमैन ने बताया कि उन्हें अपनी एक दोस्त से पुमुकेल के बारे में पता चला था, जिसके बाद वह उस छोटे घोड़े को घर ले आईं। उन्होंने आगे कहा, मैं गाड़ी चलाकर अपनी दोस्त की बताई जगह पर गई, पुमुकेल को देखा और सचमुच पूरी तरह से हैरान रह गई। मैंने पहले कभी इतना छोटा घोड़ा नहीं देखा था। कैरोला ने यह भी बताया कि पुमुकेल अक्टूबर 2020 में मेरे पास आया था।

पहले बॉम्बेल के नाम था यह रिकॉर्ड

पुमुकेल से पहले 'दुनिया के सबसे छोटे जीवित घोड़े' का रिकॉर्ड बॉम्बेल के नाम था, जिसके मालिक पैट्रिक और केटरजाइना ने उसको पहली बार साल 2014 में देखा था, उस समय वह केवल दो महीने का था। पैट्रिक और केटरजाइना कहते हैं कि उसके छोटे कद और कम लंबाई के बाद भी उसमें एक विशाल हृदय है। अभी भी वह स्वैच्छिक काम करता है।

पानी की बोतलों पर लगे भिन्न-भिन्न रंग के ढक्कन का मतलब भी होता है अलग-अलग

नई दिल्ली। रोजमर्रा की जिंदगी में और सफर के दौरान ज्यादातर लोग पानी खरीदकर पीते हैं। पानी की बोतल खरीदते वक्त लोग ब्रांड और कीमत तो चेक कर लेते हैं लेकिन लाखों लोग ऐसे हैं जिन्हें पानी की बोतल पर लगे रंग बिरंगे ढक्कन और उसके मतलब के बारे में पता नहीं होता है। पानी की बोतल पर जो कैप लगा होता है उसका अपना एक खास मतलब होता है। पानी की बोतल के कैप का रंग बताता है कि बोतल में कैसे पानी है। जी हां छोटा सा ढक्कन आपको ये बता सकता है कि आपकी बोतल में कैसा पानी है। पानी की बोतल के रंग बिरंगे लाल, पीले और नीले काले रंग के ढक्कन से साफ होता है कि पानी आरओ वाटर है, फ्लेवर्ड, स्प्रिंग वॉटर, अल्कलाइन या फिर इलेक्ट्रोलाइट वाला है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com